



एमजीसीयू न्यूज़ लेटर

MGCU NEWS Letter

First Convocation

मुख्य अतिथि : श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्र

विशिष्ट अतिथि



महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Central University

(A Central University established by an Act of Parliament)

Bihar-845401, India



Smt. Droupadi Murmu
Hon'ble President of India



Shri Dharmendra Pradhan
Hon'ble Minister of Education, Govt. of Odisha



Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister of India



Prof. Sanjay Srivastava
Hon'ble Vice-Chancellor

Chief Patron

Prof. Sanjay Srivastava
Hon'ble Vice Chancellor

Advisory Board

Prof. Prasoon Dutta Singh

- Dean, School of Humanities & Languages

Prof. Shirish Mishra

- Dean, Pandit Madan Mohan Malaviya School of Commerce & Management Science.

Prof. Ranjeet Kumar Choudhary

- Dean, School of Computational Sciences, Information and Communication Technology

Editor

Dr. Parmatma Kumar Mishra: Assistant Professor, Department of Media Studies

Editorial Board

Dr. Anjani Kumar Jha - Head, Department of Media Studies

Dr. Shyam Nandan - Assistant Professor, Department of Hindi

Dr. Umesh Patra - Assistant Professor, Department of English

Dr. Babaloo Pal - Assistant Professor, Department of Sanskrit

Ms. Shephalika Mishra - Public Relations Officer

Published by:

The Registrar, Mahatma Gandhi Central University, Bihar

Distribution & Circulation:- Public Relations Cell, MGCU

© All Rights Reserved



भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में संबोधन

मोतिहारी, १९ अक्तूबर, २०२३

पूर्वी चंपारण में स्थित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर यहां आप सब के बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

मैं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देती हूँ। आज मानद उपाधियों से सम्मानित किए गए विशिष्ट लोगों को भी मैं बधाई देती हूँ। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की मैं विशेष सराहना करती हूँ। मुझे बताया गया है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या लगभग ६० प्रतिशत है। इस शानदार उपलब्धि के लिए मैं सभी छात्राओं को साधुवाद देती हूँ। ऐसी होनहार छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन और बढ़ते हुए आत्म-विश्वास में मुझे भविष्य के विकसित भारत का स्वरूप दिखाई देता है।

महात्मा गांधी यह मानते थे कि छात्राओं और छात्रों को शिक्षा के समान अवसर मिलने चाहिए। वे कहते थे कि यदि आवश्यकता पड़े तो छात्राओं की शिक्षा हेतु विशेष सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। गांधीजी के इस विचार को, इस विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सदैव ध्यान में रखना चाहिए। बापू ने यह भी कहा था कि विश्वविद्यालय की शिक्षा का उद्देश्य ऐसे सच्चे जन-सेवकों को तैयार करना है जो देश के लिए जिएं। गांधीजी ने अहिंसा, करुणा, नैतिकता और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में लोगों की आस्था बढ़ाई। उन्होंने भारतीय समाज, राजनीति और अध्यात्म को बहुत गहराई के साथ भारत की भाव-भूमि से जोड़ा। विश्व समुदाय के अनेक लोग गांधीजी में भारत का मूर्तिमान स्वरूप देखते हैं।

प्यारे विद्यार्थियों,

आप सब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा भारत-भूमि में किए गए पहले सत्याग्रह की स्मृति में स्थापित विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं। यहां के विद्यार्थी होने के नाते आप सब एक ऐसी अनमोल विरासत से जुड़े हुए हैं जिसका पूरे विश्व में सम्मान किया जाता है। ऐतिहासिक चंपारण सत्याग्रह के दौरान, इस क्षेत्र में गांधीजी बहुत लंबे समय तक रहे थे। उनके साथ माँ कस्तूरबा, डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद, ब्रज किशोर प्रसाद, बाबू अनुग्रह नारायण सिंह, आचार्य कृपलानी तथा अनेक महत्वपूर्ण लोग चंपारण सत्याग्रह से जुड़े रहे। उस दौरान दीनबन्धु एंडरूज भी यहां आए थे।

चंपारण के गरीब और शोषित किसानों की सत्याग्रही सेना के बल पर महात्मा गांधी ने एक अनोखा आंदोलन चलाया और विश्व इतिहास के सबसे मजबूत और विशाल साम्राज्य को झुकने पर मजबूर कर दिया।

भारत के प्रथम राष्ट्रपति और मेरे परम यशस्वी पूर्ववर्ती डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में महात्मा गांधी के चंपारण प्रवास के बारे में लिखा है कि "उनके चंपारण पहुंचने के पहले ही लोगों में एक अजीब जागृति पैदा हो

गई थी। गांधीजी के चंपारण पहुंचते ही रैयतों के दिल से डर न मालूम कहां भाग गया। उन लोगों के सीधे-सादे हृदय पर न मालूम कहां से यह अमिटछाप पड़ गई कि उनका उद्धारक आ गया, अब उनका दुख दूर हो जाएगा। चंपारण में हमने सत्याग्रह का वही रूप देखा जो गांधीजी ने, थोड़े ही दिनों के बाद, देशव्यापी रूप में, बहुत बड़े पैमाने पर जारी किया।" इतिहास साक्षी है कि चंपारण के उन किसानों का दुख कम हुआ। ब्रिटिश हुकूमत को अपनी अनेक अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं को हटाना पड़ा, रोकना पड़ा। मुख्यतः गांधीजी के सत्याग्रह तथा स्वाधीनता संग्राम की अन्य धाराओं के प्रबल आवेग के सम्मुख अंग्रेज नहीं टिक सके और उन्हें भारत छोड़ना पड़ा।

चंपारण के ऐतिहासिक सत्याग्रह का समाज के ताने-बाने पर भी बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने लिखा है "चंपारण में हमारे जीवन पर भी बहुत बड़ा असर पड़ा। वहीं हम लोगों ने जाति-पाति का भेद छोड़ा। गांधीजी ने कहा था कि ... जो लोग एक काम में लगे हैं मान लो कि वे सब एक जाति के हैं।" चंपारण सत्याग्रह के दौरान सब लोग जाति-भेद छोड़कर एक-दूसरे के साथ भोजन बनाने-खाने लगे। आज से लगभग 106 वर्ष पहले चंपारण में गांधीजी के कहने पर लोगों ने सामाजिक समानता और एकता का रास्ता अपनाया और ब्रिटिश हुकूमत को झुकने पर मजबूर कर दिया। आज भी सामाजिक समानता और एकता का वही रास्ता देशवासियों को आधुनिक विकास के रास्ते पर आगे ले जाएगा और भारत एक विकसित देश के रूप में प्रतिष्ठित होगा।

प्यारे विद्यार्थियों,

इस क्षेत्र में गांधीजी से जुड़े अनेक स्मरणीय स्थल और संग्रहालय मौजूद हैं। यहां आना ही मैं अपना सौभाग्य मानती हूं। आप सब को तो यहां अध्ययन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गांधीजी की विरासत को समझने और आत्मसात करने के लिए आप सब को सादगी और सच्चाई के अच्छे परिणामों को समझना होगा। मैं अनुभव पर आधारित दृढ़ विश्वास से कहती हूं कि सादगी और सच्चाई का रास्ता ही वास्तविक सुख, शांति और प्रसिद्धि का मार्ग है। महात्मा गांधी, जनजातीय समाज पर शोध करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करते थे। विश्व प्रसिद्ध अन्थ्रोपोलोजिस्ट, वेरिंएर विन और महात्मा गांधी की निकटता के बारे में सभी जानते हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा थारु जनजाति पर शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की मैं सराहना करती हूं।

प्यारे विद्यार्थियों,

आपके विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य 'मयि श्रीः श्रयतां यशः' ऋग्वेद के श्रीसूक्त के एक मंत्र से लिया गया है। इसका अर्थ है यश यानी कीर्ति के रूप में श्री अर्थात् लक्ष्मी या शोभा हमारे यहां विराजमान रहें। इस ध्येय वाक्य में यश की कामना की गई है जो कि बहुत अच्छी बात है। लेकिन, श्रीसूक्त के उसी मंत्र में एक और कामना की गई है जो महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए और भी अधिक सार्थक है। उस मंत्र में यह भी कहा गया है कि 'मनसः कामम् आकूतिम्, वाचः सत्यम् अशीमहि'। इस पंक्ति का अर्थ है मन की कामनाओं और संकल्प की सिद्धि एवं वाणी का सत्य मुझे प्राप्त हो। श्रीसूक्त की यह शिक्षा महात्मा गांधी के आचरण और संदेश में सदैव दिखाई देती थी। इस दीक्षांत समारोह के पावन अवसर पर मेरी आप सबसे यही अपेक्षा है कि बापू की शिक्षा के अनुसार, आप सब मन से, वाणी से और कर्म से सदैव सत्य पर आधारित आचरण करने का संकल्प लें।

यह क्षेत्र भगवान बुद्ध के अवशेषों से समृद्ध है। इस क्षेत्र में सम्राट अशोक के समय के स्तम्भ मौजूद हैं। पश्चिमी

चंपारण में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक स्तम्भ का सबसे ऊपर का हिस्सा यानी कैपिटल, राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल के प्रवेश द्वार पर स्थापित है। रामपुरवा बुलके नाम से प्रसिद्ध वह ऐतिहासिक कलाकृति राष्ट्रपति भवन में आगंतुकों को चंपारण क्षेत्र से परिचित कराती है। पश्चिमी चंपारण में ही बिहार का एक मात्र टाइगर रिजर्व भी है जो वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाता है। इतिहास और वन संपदा से समृद्ध इस क्षेत्र में पर्यटन की प्रचुर संभावनाएं हैं। मुझे बताया गया है कि इस क्षेत्र की स्वादिष्ट लीची का निर्यात बड़े पैमाने पर होता है। मैं इन बातों का उल्लेख इसलिए कर रही हूं कि ऐसी क्षेत्रीय विशेषताओं पर आधारित रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों का युवा पीढ़ी द्वारा उपयोग किया जा सकता है। इससे युवाओं की व्यक्तिगत उन्नति होगी और इस क्षेत्र का विकास भी होगा।

देवियों और सज्जनों,

मुझे बताया गया है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के सहयोग से शोध और अध्ययन की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। यहां नई ऊर्जा के साथ कई क्षेत्रों में पहल की जा रही है। ऐसे प्रयासों के लिए मैं कुलपति तथा उनकी टीम की सराहना करती हूं। मैं चाहूंगी कि यह विश्वविद्यालय अध्यापन और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराए।

प्यारे विद्यार्थियों,

भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी से जुड़ी इस पावन धरती पर शिक्षा प्राप्त करके आप सभी विद्यार्थी-गण सफलता और नैतिकता के नए प्रतिमान स्थापित करें, यह मेरी शुभकामना भी है और आशीर्वाद भी। मैं एक बार फिर आप सभी को बधाई देती हूं और आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करती हूं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !

जय भारत !



INDEX

S. NO.	Description	Page no.
1.	भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में संबोधन	
2.	Index	4
3.	कुलपति की कलम से	5
4.	From the Desk of the Vice Chancellor	6
5.	संपादक की कलम से	7
6.	From the Desk of the Editor	8
7.	News of various programs and activities related to the University	9-42
8.	Departments at a glance	43-62
9.	Department of Commerce	43
10.	Department of Management Sciences	44
11.	Department of Library and Information Science	45
12.	Department of Media Studies	46
13.	Department of Computer Science and Information Technology	47
14.	Department of Educational Studies	48
15.	Department of English	49
16.	Department of Hindi	49
17.	Department of Sanskrit	50
18.	Department of Biotechnology	51
19.	Department of Botany	52
20.	Department of Zoology	54
21.	Department of Chemistry	55
22.	Department of Physics	56
23.	Department of Mathematics	57
24.	Department of Economics	58
25.	Department of Gandhian and Peace Studies	59
26.	Department of Political Science	60
27.	Department of Social Work	60
28.	Department of Sociology	62



कुलपति की कलम से.....

सूचना प्रधान युग में समाचार और विचार की गतिशीलता को बनाए रखना जरूरी है। इससे जहां एक तरफ संवाद स्थापित होते हैं, वहीं ज्ञान-विज्ञान का संचरण होता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में माध्यम अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज माध्यम के विभिन्न विकल्पों के होने के बावजूद भी मुद्रण माध्यम की प्रासंगिकता बनी हुई है। सूचनाओं और विचारों के आदान-प्रदान में अकादमिक संस्थाओं से प्रकाशित होने वाले मुद्रित या ऑनलाइन न्यूज लेटर जैसी पत्रिकाओं का आज भी अत्यंत महत्व है। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय भी अपने विभिन्न क्रिया-कलापों को आपके साथ शेयर करने के उद्देश्य से 'एमजीसीयू न्यूज' नामक छःमाही, द्विभाषी न्यूज लेटर के प्रकाशन की एक सूक्ष्म प्रयास प्रारम्भ की है।

प्राचीन काल में बिहार ज्ञान का प्रमुख केंद्र था। पाँचवीं शताब्दी में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय की शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक पहचान थी। समय ने करवट ली और आक्रांताओं का शिकार नालंदा विश्वविद्यालय हुआ। पुनः ज्ञान की ज्योति को बिहार के माध्यम से देश-विदेश तक पहुँचाने के उद्देश्य से वर्ष 2016 में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार की स्थापना हुई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर बेहतर करने को लेकर प्रतिबद्ध है। हाल ही में विश्वविद्यालय को आईआईआरएफ रैंकिंग में 962.47 अंकों के साथ 20वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। दीक्षांत समारोह, शिक्षकों और शोधार्थियों का शोध के क्षेत्र में उपलब्धि, प्लेसमेंट में बेहतरी, शिक्षकों और विद्यार्थियों का समाज से जुड़कर रचनात्मक कार्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजन आदि की उपलब्धियों को समय-समय पर आपके साथ साझा करने में मुझे अत्यंत प्रसन्नता होगी। 'एमजीसीयू न्यूज' इसमें सेतु का कार्य करेगी।

बापू की कर्मभूमि पूर्वी चंपारण में उनके नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का भौगोलिक और सामरिक महत्व है। नेपाल की सीमा जिला से जुड़ी हुई है। नदियों, तालाबों और झीलों से परिपूर्ण ग्रामीण परिवेश के आवरण से आच्छादित और शहरी संस्कृति के ताने-बाने से युक्त महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी विकास गाथा लिखने को सजग है। एमजीसीयू न्यूज लेटर विश्वविद्यालय परिवार की उपलब्धियों और संघर्षों का संवाहक बनेगा, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। प्रस्तुत न्यूज लेटर की शुरुआत भी इसी विश्वास और संकल्प को वास्तविक स्वरूप देने का विनम्र प्रयास है। जो विश्वविद्यालय परिवार के उन्नतिशील और उपलब्धियों से सम्बंधित हैं।

एमजीसीयू न्यूज लेटर को आपके साथ साझा करते हुए मुझे अपार हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इसके अंतर्वस्तु को लेकर आपके बहुमूल्य सुझाव की प्रतीक्षा रहेगी।



प्रो. संजय श्रीवास्तव
कुलपति



From the Desk of the Vice Chancellor.....

In the information-driven era, it is important to maintain the uninterrupted flow of information and ideas. On one hand, communication establishes bridge between people, on the other hand data concerning science and technology are transmitted worldwide. The role of media can not be overstated this era. Despite the availability of a plethora of platforms, the significance of print media has not waned. Even today, magazines, journals and newsletters published by academic institutions in both print and online version are of utmost importance. Mahatma Gandhi Central University has also undertaken the task of publishing a bi-annual, bilingual newsletter named 'MGCU News' with the aim of sharing its various activities with you.

Bihar was a major centre of knowledge since ancient times. Nalanda University, established in the fifth century, had global recognition in the field of education. Times changed and Nalanda University became a debris signifying a glorious past. With the ambitious aim of continuing the legacy of the knowledge tradition of Bihar, Mahatma Gandhi Central University was established in 2016. Committed to achieving excellence in the field of higher education, recently⁴, the university was ranked 20th in IIRF with a score of 962.47. This achievement is the result of the collective efforts of the university family. I would be happy to share with you from time to time news and updates concerning the significant achievements of the university such as the academic accomplishments of the teachers and researchers, major events such as the Convocation Ceremony, placement of students, creative works of students and faculty members, and seminars, conferences, and other happenings in the vibrant campus of our university. 'MGCU News' will act as a bridge the university and the rest of the world.

Establishing this university in Gandhi's name in East Champaran is geographically and strategically important. The border of Nepal is very close to the district of East Champaran. Nestled in a bucolic environment with rivers, lakes, and natural greenery, Mahatma Gandhi Central University is also progressive and urbane in its approach. It is my firm belief that the MGCU News will transcribe the history of the achievements and struggles of the university family, and would contribute to its success story.

It gives me immense pleasure to share the first issue of MGCU News with you. Will be waiting for your valuable suggestions regarding its content.


Pro. Sanjay Srivastava
Vice Chancellor



संपादक की कलम से

महात्मा गाँधी शिक्षा को मानव के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम मानते थे। शिक्षा सभी के लिए सुलभता से उपलब्ध हो, इसकी व्यवस्था के वह प्रबल पक्षधर थे। गाँधीजी का मानना था कि व्यक्ति अपनी मातृभाषा में शिक्षा को अधिक रुचि तथा सहजता के साथ ग्रहण कर सकता है, जिसकी चर्चा नई शिक्षा नीति 2020 में भी है। महात्मा गाँधी की कर्मभूमि पूर्वी चम्पारण में उनके नाम पर स्थापित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य भी छात्रों का सर्वांगीण विकास करना और 'वसुधैव कुटुंबकम्' के सदियों पुराने विचारों को स्थापित करने में योगदान देना है। नई शिक्षा नीति में जिस संकल्पना को लेकर उच्च शिक्षा को प्रदान किए जाने की प्रतिबद्धता जतायी गई है, उसी के अनुरूप विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय आगे बढ़ने को दृढ़ संकल्पित है। विश्वविद्यालय की स्थापना हुए लगभग आठ वर्ष हुए, इस अवधि में विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता के अनेक मानक स्थापित किए। शोध और नवाचार को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय अग्रणी है।

विश्वविद्यालय को अनेक ऐसे महत्वपूर्ण अवसर और उपलब्धि प्राप्त होती है, जिसको आप सभी के साथ औपचारिक और व्यवस्थित ढंग से साझा करना और अपनी खुशी में शामिल करने का विचार सदैव रहा। हालांकि सोशल मीडिया के जरिए एमजीसीयूबीका जनसम्पर्क प्रकोष्ठ आप सभी के साथ विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, आकांक्षाओं और सकारात्मक प्रयास को साझा करता रहा है लेकिन इसकी अपनी सीमाएं थीं। विश्वविद्यालय की सूचना और विचार को आप सभी तक पहुंचाने के लिए माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने न्यूज लेटर के प्रकाशन की अनुमति प्रदान की जो अत्यंत प्रसन्नता की बात है। विश्वविद्यालय के विभिन्न उपलब्धियों और अकादमिक गति की लेखा-जोखा के साथ प्रथम न्यूज लेटर 'एमजीसीयू न्यूज' आपके साथ साझा करते हुए हृदय से प्रसन्नता हो रही है। संपादकीय टीम के सहयोग से तैयार की गई इस न्यूज लेटर में दीक्षांत समारोह की कवरेज के अलावा जनवरी से जून, 2024 तक विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला, विशेष व्याख्यान, विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम, खेल महोत्सव, मतदाता जागरूकता, सेहत जागरूकता के कार्यक्रम कवरेज इसमें शामिल है। साथ ही साथ इसमें विभिन्न विभागों में शिक्षकों एवं शोधार्थियों के शोध पत्र एवं पुस्तक प्रकाशन, अवार्ड व फेलोशिप, प्रोजेक्ट आदि की प्राप्ति तथा विदेश में अध्ययन की रिपोर्ट का भी समावेश है जो आपके साथ साझा किया जा रहा है। 'एमजीसीयू न्यूज' लेटर का यह प्रथम अंक आप सभी को पसंद आये, इसका पूरा प्रयास संपादकीय मंडल द्वारा किया गया है। फिर भी किसी त्रुटि के लिए संपादक के रूप में मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। आपके बहुमूल्य सुझाव का बेसब्री से इंतजार है।


डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र
संपादक





From the Desk of the Editor.....

Mahatma Gandhi considered education to be a powerful medium for the development of human beings. He was a strong advocate of making education accessible to all. Gandhiji believed that one can receive education in one's mother tongue with more interest and felicity, which is also discussed in the National Education Policy 2020. Mahatma Gandhi Central University, established in the name of Bapu in East Champaran, the workplace of Mahatma Gandhi, also aims to provide all-round development for the students and contribute towards propagating the age-old dictum of 'Vasudhaiva Kutumbakam'.

Under the leadership of Hon'ble Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, Mahatma Gandhi Central University is determined to achieve excellence in the field of higher education in adherence to the guidelines of the National Education Policy 2020. The university has achieved many milestones within the short span of eight years since its establishment. The university is a leader in promoting research and innovation. The day-to-day university activities comprise many important occasions and achievements, which need be shared with all of you in a formal and organised manner for your enjoyment. Although the Public Relations Department of MGCUB, i.e. Mahatma Gandhi Central University, Bihar, has been sharing updates concerning the achievements, significant events, and positive efforts of the University through social media, it has its limitations. To convey the information and ideas of the University to all of you, the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, gave permission to publish the newsletter, which is a matter of great pleasure.

I am elated to share with you all the first issue of the newsletter 'MGCU News' chronicling the various achievements and academic progress of the University. Apart from the coverage of the convocation ceremony, this newsletter, prepared with the cooperation of the editorial team, also includes national and international seminars, workshops, special lectures, various cultural and literary festivities, sports activities, and other events, including voter awareness and health awareness camps organized in the university from January to June 2024. Along with this, it also includes updates concerning the publication of research papers and books by teachers and researchers in various departments, receipt of awards and fellowships, projects, foreign fellowships and others. The editorial board has made every effort to ensure that you like the first issue of 'MGCU News'. Nevertheless, as an editor, I apologize for any inadvertent errors in advance. I eagerly await your valuable suggestions.

Dr. Parmatma Kumar Mishra
Editor



MAHATMA GANDHI CENTRAL UNIVERSITY
(A Central University established by an Act of Parliament)

प्रथम दीक्षान्त समारोह First Convocation

मुख्य अतिथि : श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत की माननीय राष्ट्रपति

विशिष्ट अतिथि

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर
माननीय राज्यपाल, बिहार

श्री राधामोहन सिंह
माननीय सांसद, पूर्वी चम्पारण

आश्विन शुक्लपक्ष पञ्चमी, विक्रम संवत् २०८० तदनुसार
गुरुवार, १९ अक्टूबर २०२३ | Thursday, 19th October 2023



संकल्प लेना चाहिए कि बापू के पद चिह्नों पर चलकर सदैव सत्य पर आचरण करें। चंपारण ऐतिहासिक स्थल है, बुद्ध और सम्राट अशोक की भी कर्म भूमि रही है। पश्चिमी चंपारण में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, जो पर्यटन की संभावनाएं को जाहिर करती हैं। इस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध की व्यवस्था की जा रही है। बुद्ध और महात्मा गांधी की कर्मस्थली पर पढ़ कर आप सभी छात्र-छात्राएं सफलता प्राप्त कर राष्ट्र और देश की उन्नति करें।

- महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का देश और विदेश स्तर पर अपना नाम होना चाहिए-राज्यपाल
- बापू केचंपारण से जुड़ाव को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व व पहचान मिले-मुख्यमंत्री
- समाज सेवी व पूर्व सांसद आर. के. सिन्हा और फिल्म निर्देशक चन्द्र प्रकाश द्विवेदी को दी गई डॉक्टरेट की मानद उपाधि

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में 60 प्रतिशत छात्राएं हैं। उनकी शानदार उपलब्धि के लिए मैं बधाई देती हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का विचार था कि सबको समान शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए। इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी होने के नाते छात्र-छात्राओं को गौरवान्वित होना चाहिए। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में गांधी के चम्पारणके बारे में लिखा था। उन्होंने लिखा था कि गांधी के चंपारण पहुंचने पर लोगों के दिल से गोरे अंग्रेजों का डर भाग गया था और किसानों को विश्वास हुआ कि उनका उद्धार जरूर होगा। महात्मा गांधी जात-पात से ऊपर उठकर सभी जाति-धर्म के साथ खड़े होकर कहते थे जो लोग एक काम में हैं, वह एक जाति के हैं।

106 वर्ष पहले लोगों ने गांधीजी के कहने पर एकता का रास्ता चुना था और बापू से मिलकर गोरे अंग्रेजों को झुकने को मजबूर कर दिया था। चम्पारण की धरती पर मेरा आगमन हुआ है, मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। सादगी और सच्चाई को समझना होगा, सादगी और सच्चाई का रास्ता ही वास्तविक शांति का मार्ग है, जिसको गांधीजी प्रोत्साहित करते थे। इस पावन अवसर पर देशवासियों को और चंपारण के लोगों को

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिहार के राज्यपाल, महामहिम राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि हमारे मित्र बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीन दिन के भीतर विश्वविद्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा कर दी है, जिसकी मैं सराहना कर रहा हूं। इस विश्वविद्यालय का देश और विदेश स्तर पर अपना नाम होना चाहिए। इसके लिए जो यहां से उपाधि प्राप्त करके छात्र-छात्रा शिक्षण संस्थानों में जाते हैं और उनसे पूछा जाता है, उनको गर्व से कहना चाहिए कि मैं चंपारण {मोतिहारी}, महात्मा गांधी केंद्र विश्वविद्यालय का छात्र हूं।

उसके लिए आपका आचरण, विचार, समर्पण सब के प्रति मर्यादा और कृतज्ञता का भाव अपने अंदर विकसित करना होगा। जब आप समाज में जाएंगे, आपके माथे पर डिग्री नहीं लिखी होगी। आपके बर्ताव, आपके आचरण को देखकर लोग समझ जाएंगे आप कहां के विद्यार्थी हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपालन शुरू किया गया है। इस शिक्षा नीति पर आचरण करने की आवश्यकता है। हमारी युवा पीढ़ी हमेशा से मैकाले की नीति के अनुसार भटकती रही है, अब नई शिक्षा नीति आ गई और इसका पालन कर विद्यार्थी अपना भविष्य बेहतर बना सकते हैं। पुरानी शिक्षा नीति हम लोगों को गुलाम बना रही थी, पुरानी शिक्षा नीति ने गुलाम पैदा कर दिया, नौकरी मांगने वाला पैदा कर दिया। अब नई शिक्षा नीति के तहत हम नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनेंगे। इस दिशा में हम सबको काम करने की जरूरत है और छात्र-

छात्राओं को यह संकल्प लेने की आवश्यकता है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्य मंत्री, नीतीश कुमार ने कहा कि चम्पारण के प्रति मेरा विशेष लगाव है। बापू ने यहां आकर लोगों को जागरूक कर शिक्षा के प्रति प्रेरित किया था। उन्होंने आजादी की लड़ाई यहीं से शुरू की थी। मेरा सदैव प्रयास रहता है कि बापू के चंपारण से जुड़ाव को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व व पहचान मिले। जब तक जीवित रहूंगा चंपारण की इज्जत करता रहूंगा। मुख्यमंत्री ने राजनीतिक और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर विश्वविद्यालय के लिए कार्य करने की लोगों से अपील की।

क्षेत्रीय सांसद, राधा मोहन सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक एवं अन्य उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई देता हूं। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के विकास के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयास कर रही है, अब इस विश्वविद्यालय में 20 शैक्षणिक विभाग हैं। 1500 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, विभिन्न देश एवं राज्यों के छात्र-छात्राएं भी यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 110 प्राध्यापक हैं, 1487 छात्र छात्राएं अब तक इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण हो चुके हैं। सात वर्ष में महात्मा गांधी केंद्र विश्वविद्यालय अपनी पहचान देश में स्थापित कर चुकी है। बीएचयू, जेएनयू, डीयू तथा अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों शोध के लिए महात्मागांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है। कुलाधिपति, डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय से यहां के लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। इसे पूरा करने का दायित्व हमारा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय के अब तक के विकास एवं भविष्य का खाका खींचा। उन्होंने कहा कि विगत सात वर्षों में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय फलक पर महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। 17 संस्थाओं के साथ हमारा एमओयु है। एक हजार से अधिक शोध पत्र विभिन्न शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। 100 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा को लागू किया गया।

प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि बेतिया व शिवहर में विश्वविद्यालय का सैटेलाइट केंद्र खोलने का प्रस्ताव है। विश्वविद्यालय में मेडिकल कालेज भी खोलने की योजना है। दीक्षांत समारोह में शहर के गणमान्य लोग, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विश्वविद्यालय और जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति थी।

“Always follow the path of truth by walking in



Bapu's footsteps” - President Droupadi Murmu

- “Mahatma Gandhi Central University should have a name at both national and international levels” - Governor
- “The connection of Bapu with Champaran should receive national significance and recognition” - Chief Minister
- Honorary Doctorates conferred on social worker and politician R.K. Sinha and film director Chandraprakash Dwivedi

MGCU News: Addressing the first convocation ceremony of Mahatma Gandhi Central University, Hon'ble President of India Droupadi Murmu stated that 60% of the graduates are female students. I congratulate them on this splendid achievement. Mahatma Gandhi believed that everyone should have an equal opportunity for education. As students of this university, they should feel proud. India's first President, Dr. Rajendra Prasad, wrote in his autobiography about Gandhi's work in Champaran. He mentioned that when Gandhi arrived in Champaran, the fear of the white British colonisers disappeared from people's hearts, and the farmers began to believe in their redemption. Mahatma Gandhi transcended caste and stood with all religions and communities, stating that those who are united in a cause belong to one caste.



आदमी को चाहिए कि बुराई के बजाय भलाई का रास्ता अपनाए।
भलाई करने वाले लोग लोक व परलोक दोनों में ही सुख से रहते हैं।
- महात्मा बुद्ध



106 years ago, people chose the path of unity at Gandhi Ji's urging and forced the white British to bow down. I feel honoured to visit the land of Champaran. We need to understand simplicity and truth, as the path of simplicity and truth is the true path to peace, which Gandhi Ji encouraged. On this sacred occasion, citizens and people of Champaran should resolve to always adhere to the truth by following Bapu's footsteps. Champaran is a historical site, having been a place of action for Buddha and Emperor Ashoka. The Valmiki Tiger Reserve in West Champaran indicates potential for tourism. Arrangements are being made for national and international research at this university. By studying at the places of action of Buddha and Mahatma Gandhi, all students should achieve success and contribute to the nation's progress.

Addressing the convocation ceremony, Hon'ble Governor of Bihar Rajendra Vishwanath Arlekar said that our friend, the popular Chief Minister of Bihar, Nitish Kumar, has announced the provision of land for the university within three days, which I appreciate. This university should have a name at both national and international levels. Students who graduate from here and go to other educational institutions should proudly say that they are students of Mahatma Gandhi Central University, Champaran, when asked. To achieve this, they must develop good conduct, thoughts, dedication, and a sense of respect and gratitude. When you enter society, your degree will not be written on your forehead. People will understand where you are from by observing your behavior and conduct. The implementation of the National Education Policy has begun. It is necessary to adhere to this education policy. Our younger generation had always been misguided by Macaulay's policy, but now with the new education policy, students can better their future. The old education policy kept us enslaved and created job seekers. Under the new education policy, we will become job creators rather than job seekers. We all need to work in this direction, and students must take this pledge.

Hon'ble Chief Minister of Bihar Nitish Kumar, addressing the convocation ceremony, said that he has a special attachment to Champaran. Bapu had come here to awaken

and inspire people towards education. He had started the freedom struggle from here. I always strive for the connection of Bapu with Champaran to receive national importance and recognition. As long as I live, I will honor Champaran. The Chief Minister appealed to people to work for the university above political and personal interests.

Hon'ble Member of Parliament Radha Mohan Singh congratulated the students who received gold medals and other degrees from Mahatma Gandhi Central University. He wished them a bright future. He stated that the government is continuously working for the development of Mahatma Gandhi Central University. The university now has 20 academic departments. There are 1,500 students, including those from various countries and states, studying here. There are 110 professors, and 1,487 students have graduated from this university so far. In seven years, Mahatma Gandhi Central University has established its identity in the country.

Students from BHU, JNU, DU, and other institutions have entered Mahatma Gandhi Central University for research. Chancellor Dr. Mahesh Sharma said that people have high hopes for this central university, and it is our responsibility to fulfill them. He mentioned that the university is continuously progressing.

The Vice-Chancellor of Mahatma Gandhi Central University, Prof. Sanjay Srivastava, in his welcome speech, outlined the university's development so far and future plans. He mentioned that in the past seven years, the university has gained significant national recognition. He said that MGCU has MOUs with 17 institutions. Over a thousand research papers have been published in various journals. More than 100 books have been published. The recommendations of the National Education Policy 2020 have been implemented. Prof. Srivastava also mentioned the proposal to open satellite centres in Bettiah and Sheohar and plans to establish a medical college at the university. The convocation ceremony was attended by dignitaries from the city, university teachers, administrative officials from the university and district, researchers, and students.

स्वामी विवेकानंद के संपूर्ण चिंतन की धुरी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद-प्रो. संजय श्रीवास्तव

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बनकट स्थित गांधी भवन परिसर में स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ध्यातव्य है कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणा स्रोत माने जाते हैं। इसीलिए उनके जन्म दिवस को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा है। राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सह अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के संपूर्ण चिंतन की धुरी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है। विवेकानंद की चिंतन की एक बड़ी विशेषता यह है कि वह अपना संदर्भ बिंदु भारतीय संस्कृति में खोजते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रस्थान बिंदु या संदर्भ बिंदु वैदिक साहित्य है। आज हमारे लिए यह सीखने की चीज है, विशेषतः युवाओं को। विवेकानंद भारतीय संस्कृति के आधुनिक भाष्यकारों में से एक हैं। भारत की आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक चेतना को प्रस्तुत करने वाले चिंतकों में से एक हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे। विशेष रूप से डॉ. विमलेश कुमार सिंह, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. बबलू पाल, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. श्याम नंदन, डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. आशा मीणा, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा आदि उपस्थित थे। सफल संचालन डॉ. श्वेता ने किया।

समाज निर्माण में पत्रकारिता और प्रशासन का बेहतर तालमेल जरूरी- सौरभ जोरवाल

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा पत्रकारिता और प्रशासन : चुनौती विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता श्री सौरभ जोरवाल, (आई.ए.एस.), जिलाधिकारी पू. चंपारण, मोतिहारी एवं विशिष्ट वक्ता श्री कांतेश मिश्र, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी थे।

बतौर मुख्य वक्ता श्री सौरभ जोरवाल, जिलाधिकारी (पूर्वी चंपारण) ने अपने विशेष व्याख्यान में प्रशासन और पत्रकारिता के अन्तर्सम्बन्धों की चर्चा करते हुए कहा कि समाज के प्रति दोनों की जवाबदेही बनती है। समाचारों की प्रस्तुति के पूर्व उसकी सत्यता की जाँच आवश्यक है। आकड़ों के साथ तथ्यों को सामने लाने पर जोर देते हुए कहा कि भ्रामक सूचनाएं प्रशासन के सामने महत्वपूर्ण चुनौती है।

बतौर विशिष्ट वक्ता श्री कांतेश मिश्र, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी ने पत्रकारिता की भाषा के बारे में बताते हुए कहा कि आज पत्रकारिता में हिंगलिश का बोल-बाला है। पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जनसामान्य की समझ की भाषा ही संचार की भाषा होनी चाहिए। पत्रकारिता और प्रशासन के व्यावहारिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए विभिन्न तरीके की चुनौतियों को रेखांकित किया।

अध्यक्षीय एवं स्वागत वक्तव्य में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने प्रशासन और पत्रकारिता के अन्तर्सम्बन्धों की व्यावहारिक समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पत्रकारिता समाज के लिए है, जिसे

सामाजिक जिम्मेदारी निभानी होती है। व्याख्यान संयोजक डॉ. सुनील दीपक घोड़के ने प्रेस विधि की चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकार को कवरेज करते समय वहाँ के नियम कानून की जानकारी होनी चाहिए।

डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पत्रकारों अथवा प्रशासन से सही जानकारी प्राप्त कर विचार बनाने एवं लोगों को जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने प्रशासन और पत्रकारिता में मानवीय संवेदना पर जोर दिया। मुख्य वक्ता का परिचय बीएजेएमसी तथा एमएजेएमसी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा संजना श्रीवास्तव एवं देवश्री माली ने दी। कार्यक्रम में आराध्या सिंह, रौशन कुमार एवं अपूर्वा त्रिवेदी आदि ने मुख्य वक्ता से कई प्रश्न पूछे।

एमजीसीयू में सफलता का मूल मंत्र पर विशेष व्याख्यान



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग द्वारा "सफलता का मंत्र" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता के रूप में के. रणजीत डीआईजी एसएसबी पटना एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रफुल्ल कुमार सिंह, कमांडेंट, एसएसबी, पिपराकोठी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० अंजनी कुमार झा ने की। मंच संचालन डॉ. स्नेहा चौरसिया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सपना सुगंधा ने किया।

अतिथि वक्ता के. रणजीतने छात्रों को अपने लिए सफलता का मंत्र तैयार करने के लिए प्रेरित किया और छात्रों को प्रेरित करने के लिए अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने छात्रों के सामने एक स्थिति रखी और उस पर अपने विचार पुलिस अधिकारी एवं पुलिस जिलाधिकारी के तौर पर रखने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को अपनी गलतियों और पिछले अनुभवों से लगातार सबक लेनी चाहिए। उन्होंने देश और देशवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कहा कि सिर्फ फोर्स वालों को ही नहीं, बल्कि आम जनता को भी जागरूक होने की जरूरत है। प्रबंधन विभाग के कार्यक्रम आयोजन के समिति सदस्य जनप्रिय उत्सव तथा विभाग के अधिकांश छात्र व्याख्यान में आये और सार्थक चर्चा की।



दया के सम्मुख जैसे दुष्टता का नाश हो जाता है, वैसे ही प्रेम और उदार सहानुभूति के सम्मुख बुरे मनोविकारों का नाश हो जाता है।

- स्वेट मार्टिन

मीडिया अध्ययन विभाग के शोधार्थी नीतीश कुमार और विद्यार्थी देबाश्री माली को यूजीसी नेट की परीक्षा में मिली सफलता

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के मीडिया अध्ययन विभाग में अध्ययनरत पीएचडी शोधार्थी नीतीश कुमार ने लगातार पाँचवी बार एवं देबाश्री माली ने प्रथम प्रयास में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परीक्षा पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय से यूजीसी की नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।



इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस खुशी के मौके पर नीतीश कुमार और देबाश्री माली ने अपने गुरुजनों, अभिभावकों और विश्वविद्यालय परिवार को सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा, एससीएस एण्ड आईसीटी के डीन प्रो. रणजीत कुमार चौधरी, विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण तथा डॉ. सुनील दीपक घोडके ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा इंजीनियरिंग के लिए सहायक आचार्य पद पर कंप्यूटर साइंस विभाग से एमटेक विद्यार्थियों का चयन



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का अंतिम चयन बीपीएससी द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज हेतु सहायक आचार्य के रूप में किया गया। इस बड़ी सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक और पूरे विभाग को बधाई दी। विभागाध्यक्ष प्रो. पारीक ने बताया कि सफल छात्रों में देवेश कुमार शांडिल्य (गोड्डा, झारखंड) से, गौरव कुमार (दरभंगा से), सपना कुमारी (शिवहर), निलेश कुमार (सीतामढ़ी), चितरंजन कुमार (औरंगाबाद) और अन्नू कुमारी (रोहतास) हैं।

इस महत्वपूर्ण सफलता के लिए प्रो. पारीक ने इन छात्रों की प्रतिभा के साथ-साथ विभाग के शिक्षकों शुभम कुमार, विपिन कुमार, अतुल

त्रिपाठी और सुनील कुमार सिंह के श्रेष्ठ शिक्षण और मार्गदर्शन को श्रेय दिया। संकायाध्यक्ष प्रो. रणजीत चौधरी व अन्य वरिष्ठ आचार्यों ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की छात्रा स्वेता कुमारी यूजीसी-जेआरएफ में सफल

एमजीसीयू न्यूज। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की छात्रा स्वेता कुमारी ने असाधारण उपलब्धि हासिल की। उसने २३ दिसंबर, २०२३ को आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की जेआरएफ के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) सफलतापूर्वक पास कर ली है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने स्वेता की उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वेता की यह उपलब्धि, ऐसी कठिन परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दृढ़ संकल्प और प्रयास को दर्शाती है। पुस्तकालय और सूचना विभाग के अध्यक्ष एवं सीएस एण्ड आईसीटी के डीन प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने महत्वपूर्ण उपलब्धि पर स्वेता कुमारी को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और विभाग के अन्य विद्यार्थियों में लिए प्रेरणादायक बताया।



एमजीसीयू में उत्साह और उमंग के साथ गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित



एमजीसीयू न्यूज। देशभक्ति के जीवंत प्रदर्शन में, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार (एमजीसीयू) ने ७५वां गणतंत्र दिवस अद्वितीय उत्साह और उमंग के साथ मनाया। परिसर को राष्ट्रीय तिरंगे से सजाया गया था और छात्र, शिक्षक और कर्मचारी हमारे देश के इतिहास में इस महत्वपूर्ण दिन को मनाने के लिए एक साथ गांधी भवन उपस्थित हुए। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जो हमारे महान राष्ट्र को परिभाषित करने में एकता और विविधता का प्रतीक है।

प्रभावशाली और विचारोत्तेजक भाषण में कुलपति ने लोकतंत्र, एकता और शैक्षणिक समुदाय की जिम्मेदारियों के महत्व पर जोर दिया और सभी को शिक्षकों और शिक्षार्थियों के रूप में उनके देशभक्तिपूर्ण कर्तव्य की याद दिलाई। उन्होंने राष्ट्रीय विकास में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया और सभी से व्यापक भलाई के लिए अपने कौशल और ज्ञान का योगदान करने का आग्रह किया।



छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और भारतीय विरासत की समृद्ध संस्कृति का उत्सव मनाया। नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। गणतंत्र दिवस समारोह के उत्साहपूर्ण समापन में परिसर निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन में, "विकसित भारत" - एक विकसित और प्रगतिशील भारत के दृष्टिकोण के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को अंकित किया।

अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमलेश कुमार सिंह नेमंच संचालन किया। संपूर्ण एमजीसीयूबी परिवार न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों का वार्षिक खेल उत्सव मनाने के लिए एक साथ उपस्थित था। कार्यक्रम में प्रो शिरीष मिश्रा, प्रो रणजीत कुमार चौधरी, प्रो प्रणवीर सिंह, प्रो आशीष श्रीवास्तव, प्रो सुनील महावर, प्रो देवदत्त चतुर्वेदी, प्रो पवनेश कुमार, ओएसडी (प्रशासन) श्री सच्चिदानंद सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ कृष्ण कांत उपाध्याय, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

MGCU Celebrates Republic Day with Enthusiasm and Fervour.



M

GCU NEWS. In a vibrant display of patriotism, Mahatma Gandhi Central University (MGCU) celebrated the 75th Republic Day with enthusiasm and fervour. The campus was adorned with national tricolour, and the air echoed with the sounds of slogans of unity as students, faculty, and staff came together to commemorate this significant day at Gandhi Bhawan.

The day commenced with the solemn hoisting of the national flag by Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, symbolizing the unity and diversity that defines our great nation.

In his powerful and thought-provoking speech, Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava emphasized the significance of democracy, unity, and the responsibilities of the academic community and reminded everyone of their patriotic duty as educators and learners. He stressed the need for active participation in national development and urged all to contribute their skills and knowledge for the greater good. The Vice-Chancellor took the opportunity to acknowledge and applaud the achievements of students, faculty, and staff. He highlighted notable accomplishments and expressed pride in the collective success of the MGCU community.

Students showcased their talents through cultural performances that celebrated the rich tapestry of Indian heritage. Dance, music, and other cultural presentations captivated the audience. In a stirring conclusion to the Republic Day celebrations, Campus Director Prof. Prasoon Dutt Singh, in his Vote of Thanks, reiterated the institution's unwavering commitment to the vision of "Viksit Bharat" - a developed and progressive India. On the occasion of Republic Day, MGCU proudly inaugurated the annual sports extravaganza, Umang, igniting the spirit of competition and camaraderie among the university community.

The Umang Sports Fest, organized by the University Sports Board, is a week-long celebration of sportsmanship, teamwork, and physical fitness. The fest witnessed



सुखं हि दुःखान्यनुभूय शोभते । मृच्छ११०
दुख के पश्चात् सुख का अनुभव आनन्ददायी होता है ।

various sports and games, fostering a sense of healthy competition and community spirit. As the emcee of the event, Prof. Bimlesh Kumar Singh brought energy and eloquence, steering the program with grace and enthusiasm.

Prof. Shirish Mishra, Prof. Ranjeet Kumar Choudhary, Prof. Pranveer Singh, Prof. Asheesh Srivastava, Prof. Sunil Mahawar, Prof. Devdutt Chaturvedi, Prof. Pavnes Kumar, OSD(Admin) Shri Sachchidanand Singh, CoE Dr. Krishna Kant Upadhyaya, Head and faculty members of all Departments, students were present at the event.

The entire MGCUB community came together, transcending boundaries, to celebrate the ideals of justice, liberty, equality, and fraternity that form the foundation of our democratic republic.

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में खेल सप्ताह 'उमंग-२०२४' का हुआ आयोजन



* उमंग-२०२४ कार्यक्रम के अंतर्गत कब्बड़ी, दौड़, चेस, कैरमबोर्ड में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

* खेल युवाओं को शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक -प्रो. संजय श्रीवास्तव

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स फेस्ट उमंग-२०२४ के अंतर्गत फिट इंडिया वीक का आयोजन किया गया । इस खेल सप्ताह का उद्घाटन



म

हात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बैलून उड़ाकर किया । खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल में जीत और हार मायने नहीं रखती बल्कि हमारा प्रयास मायने रखता है । खेल युवाओं को शारीरिक, मानसिक रूप से सशक्त बनाता है, साथ ही उनमें सामाजिक सौहार्द की भावना को बढ़ाता है ।

उन्होंने बताया कि विवि में आने वाले समय में योग प्रशिक्षण और छात्राओं के लिए मार्शल आर्ट्स का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा । साथ ही जब स्थाई कैम्पस बनेगा तो उसमें स्पोर्ट्स हॉस्टल भी बनाए जाएंगे । संकायाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने बताया कि इस खेल सप्ताह में ३६८ प्रतिभागियों ने भाग लिया है, जिसमें छात्र, छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी भी शामिल हैं ।

इस दौरान सभी संकायों के अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद थे । २०० मीटर पुरुष दौड़ प्रतियोगिता में ऋतिक राज तिवारी एवं महिला वर्ग में निशा रंजन तथा १०० मीटर महिला वर्ग की दौड़ में साजिया तबरेज़ ने मारी बाजी ।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स फेस्ट उमंग-२०२४ के अंतर्गत पुरुष वर्ग के २०० मीटर रेस का आयोजन किया गया । जिसमें तीन राउंड में लगभग तीस विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया । जिसमें बीटेक तृतीय सेमेस्टर के छात्र ऋतिक राज तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । वहीं, बीटेक प्रथम सेमेस्टर के पंकज कुमार सिंह ने द्वितीय तथा बीटेक प्रथम सेमेस्टर के प्रतीक पांडेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । वहीं महिला २०० मीटर रेस में बीटेक पांचवे सेमेस्टर की निशा रंजन ने प्रथम स्थान, बीटेक सातवें सेमेस्टर की हीं ऋषिता श्रीवास्तव ने द्वितीय स्थान और एमटेक प्रथम सेमेस्टर की काजल कुमारी तृतीय स्थान





१०० मीटर महिला वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मीडिया अध्ययन विभाग की बीएजेएमसी पांचवीं सेमेस्टर की छात्रा साजिया तबरेज, द्वितीय स्थान कॉमर्स विभाग की छात्रा अदिति कुमारी एवं तृतीय स्थान मीडिया अध्ययन विभाग की तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ज्योति कुमारी ने प्राप्त किया। रेफरी की भूमिका निखिल कुमार एवं दिवाकर सिंह ने निभाई। विभिन्न खेलों के आयोजन में विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के सदस्य डॉ. सपना सुगन्धा, डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय, डॉ. असलम, डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. उपमेश कुमार, डॉ. सुनील दीपक घोड़के, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, डॉ. विश्वेश और विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में उमंग २०२४ फिट इंडिया सप्ताह के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उमंग २०२४ फिट इंडिया सप्ताह के अंतर्गत एकल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया है, जो विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों के बीच हुआ। इस मुकाबले में विभागीय सदस्यों के बीच एक स्तरीय प्रतिष्ठान हुआ। इस प्रतियोगिता में शोफालिका मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी, ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही हिंदी विभाग की डॉ. गरिमा तिवारी और पुस्तकालय विभाग की डॉ. मधु पटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जनसंपर्क अधिकारी शोफालिका मिश्राने कहा कि "यह साबित करता है कि हमारे विभागों के सदस्यों में खेल क्षमता और उत्साह की कमी नहीं है, और हम सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हैं जिन्होंने प्रतियोगिता में अपनी शक्तियों को प्रदर्शित किया।"

दूसरी ओर, पुरुष डबल बैडमिंटन में एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्र आदर्श राज और विवेक रंजन ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि बीटेक तृतीय व पहले सेमेस्टर के छात्र राजीव कुमार और प्रदीप यादव ने दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया। पुरुष शिक्षकों के डबल बैडमिंटन में डॉ. अभय विक्रम सिंह एवं डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने बाजी मारी। डॉ. नीलाभ श्रीवास्तव और डॉ. कुंदन किशोर रनरअप रहे।

भारतीय राजनीति में महात्मा गांधी सबसे स्वीकार्य नेता के रूप में चम्पारण से स्थापित हुए-कुलपति

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक दिवसीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय शिक्षा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्र भूषण शर्मा मुख्य वक्ता रहे। प्रो. शर्मा ने "२१वीं सदी का भारत और गांधी-दर्शन की प्रासंगिकता" विषय पर

व्याख्यान दिया। परिसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने न केवल भारतीय समाज को नई दिशा प्रदान की, अपितु वैश्विक स्तर पर भी सत्य एवं अहिंसा को नवीनसंदर्भों में प्रासंगिक प्रमाणित किया। गांधीजी ने सत्याग्रह के द्वारा गांधीवादी विचारधारा से असहमत रहने वाले लोगों को भी अपनी इस विचारधारा से प्रभावित किया है।

परिसंवाद के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में महात्मा गांधी के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि 'गांधीजी का भारत में पहला जन-संघर्ष चम्पारण से ही आरम्भ हुआ था और यहीं से गांधी भारतीय राजनीति में सबसे स्वीकार्य नेता के रूप में स्थापित हुए। अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन गांधी भवन परिसर के निदेशक तथा मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। प्रो. सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी की आत्मकथा के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि उनके सत्य का अनुप्रयोग हम सभी के लिए अनुकरणीय है। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि २१वीं सदी में भी सम्पूर्ण विश्व गांधीजी के विचारों से प्रभावित हैं।

एमजीसीयू में आयोजित खेल सप्ताह 'उमंग २०२४' का समापन, नई प्रतिभाएं आई सामने

- व्यक्तित्व विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी आवश्यक : प्रो संजय श्रीवास्तव
- पांच सौ से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में लिया भाग
- क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, दौड़

और टग ऑफ वॉर में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में उमंग २०२४ के अंतर्गत चल रहे खेल प्रतियोगिता का गुरुवार को विधिवत समापन हुआ। इस खेल सप्ताह के समापन समारोह की शुरुआत मंचासीन





छोटा लक्ष्य जुर्म है, महान लक्ष्य होना चाहिये। -एपीजे अब्दुल कलाम



केविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, खेल बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा, मानविकी एवं भाषा विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. अर्त्तात्राण पाल एवं प्रबंधन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवनेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उमंग २०२४ के अंतर्गत आयोजित खेल सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए एमजीसीयू के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह काफी हर्ष का विषय है कि हमने एक सप्ताह के इतने बड़े आयोजन को आप सभी की सहभागिता के साथ सफलता पूर्वक संपन्न कर रहे हैं। विवि के खेल बोर्ड के गठन के पीछे का हमारा मुख्य उद्देश्य यह था कि हम अपने बीच की छुपी हुई प्रतिभाओं को सामने ला सकें।



समापन समारोह का विषय प्रवेश करते हुए खेल बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने बताया कि इस खेल सप्ताह में ५ सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें कैरम में २४ पुरुष व ८ महिला, बैडमिंटन में ६० पुरुष तथा ३० महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्रिकेट में १५० पुरुष तथा ६० महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा टग ऑफ वॉर में ७२ पुरुष तथा ७२ महिला, वॉलीबॉल में ६४ पुरुष तथा १६ महिला प्रतिभागी, शतरंज में ६० प्रतिभागी, कबड्डी में ९० एवं दौड़ में २१० महिला तथा पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मानविकी एवं भाषा विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह, डीएसडब्ल्यू प्रो. अर्त्तात्राण पाल एवं प्रबंधन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवनेश कुमार ने भी समापन समारोह को संबोधित करते हुए अपने-अपने विचार रखें। खेल सप्ताह का यह कार्यक्रम २६ जनवरी से चल रहा था। खेल सप्ताह के दौरान विश्वविद्यालय के गाँधी भवन स्थित मैदान में छात्र, छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों

ने क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, दौड़ और टग ऑफ वॉर में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह के दौरान सभी संकायों के निदेशक, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थी, सकड़ों छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे। स्वागत प्रो. शिरीष मिश्रा ने की। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. उमेश पात्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन सह-प्राध्यापक डॉ. असलम खान ने किया।

डिजिटल मीडिया में भाषाई गिरावट प्रमुख समस्या - डॉ. शर्मा

● मीडिया अध्ययन विभाग,
एमजीसीयूबी में डिजिटल
मीडिया पर संगोष्ठी
एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी
केंद्रीय विश्व विद्यालय के
मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा

डिजिटल पत्रकारिता : संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता आईआईएमसीकी एसोसिएट प्रोफेसर



डॉ रचना शर्मा थी अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की।

मुख्य वक्ता डॉ रचना शर्मा ने कहा कि प्रिंट और रेडियो माध्यम भी डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। टाइपिंग के लिए भी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है, जो कि सम्मिलित माध्यम का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। डिजिटल पत्रकारिता केवल डेटा केन्द्रित है। डिजिटल माध्यम के आने से खबरों का संप्रेषण सुलभ हो गया है। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया में अंतर समझने की आवश्यकता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि डिजिटल पत्रकारिता में तथ्य की जांच नहीं की जाती, जो कि चिंता का विषय भी है। हालांकि उन्होंने कहा कि आजकल मुख्य धारा के चैनलों पर भी इसका ज्यादातर प्रयोग होने लगा है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण ने कहा कि आजकल पत्रकारिता डिजिटल की ओर जा रही है। भारत चीन के बाद दूसरा इंटरनेट उपभोक्ता देश है। कार्यक्रम में



केविवि में विकसित भारत @२०४७ नवाचार और राष्ट्र निर्माण पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय परिसर में विकसित भारत २०४७: राष्ट्र निर्माण और नवाचार विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव थे जबकि मुख्य वक्ता प्रो. आर.के.सिंह तथा अध्यक्षता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने की ।

मुख्य वक्ता प्रो. सिंह ने कहा कि भारत को विकसित बनाने में शिक्षण संस्थान का बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है । विकसित भारत के बारे में विद्यार्थी और शोधार्थी क्या सोचते हैं, यह जानना जरूरी है । अगर नवाचार की बीज नहीं बोएंगे तो विकास की फसल नहीं काट पायेंगे । हमें भारत को विकसित बनाने के लिए अनवरत प्रयास करना होगा । खासकर युवा पीढ़ी को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है ।

अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि आज का हमारा हर सकारात्मक कदम विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है । हमें विकसित भारत बनाने का संकल्प लेने के साथ उस दिशा में बेहतर कार्य करना चाहिए । कार्यक्रम संयोजक डॉ. अवनीश कुमार, सह संयोजक एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीषा रानी ने किया । कार्यक्रम में डॉ. रविश चंद्र वर्मा , डॉ. श्यामनंदन , डॉ. स्नेहा चौरसिया, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. बबलू पाल एवं विभाग के सभी छात्र-छात्राएं और शोधार्थी मौजूद थे ।

MGCU TAKES A REMARKABLE STEP IN RESEARCH ADVANCEMENT WITH THE APPROVAL OF ४६ PROPOSALS UNDER THE RESEARCH PROMOTION SCHEME

MGCUNews. Mahatma Gandhi Central University has made a significant stride in the realm of academic research with the approval of ४६ research proposals under the Research Promotion Scheme. This momentous decision follows the meticulous evaluation and endorsement by the Standing Committee on the Research Promotion Scheme, subsequently gaining approval from the Competent Authority.

This announcement underscores the university's dedication to fostering a vibrant culture of research and innovation. It reflects our belief in the transformative power of academic inquiry and our commitment to providing the necessary resources for our faculty members and researchers to explore new frontiers of knowledge.

VC Prof. Sanjay Srivastava said, "The Research Promotion Scheme, a cornerstone of our commitment to academic excellence, aims to nurture and propel innovative research initiatives within our academic community. The approved proposals, covering a diverse array of disciplines, have been granted a substantial sanction of Rs २.० Lakhs each as seed money. This financial backing is designed to catalyse the initiation and development of pioneering research projects across various domains."

Public Relations Officer Shephalika Mishra stated that "The approval of these ४६ research proposals is a testament to the collective brilliance and dedication of our academic

community. It is a remarkable step forward in our ongoing efforts to promote and facilitate cutting-edge research that contributes to the advancement of knowledge."

The sanctioned research projects are poised to make a meaningful impact on diverse academic disciplines and elevate the research landscape of MGCU.

एमजीसीयू ने अनुसंधान संवर्धन योजना के तहत ४६ प्रस्तावों को 'सीड मनी' की स्वीकृति देकर अनुसंधान उन्नति में एक उल्लेखनीय कदम उठाया

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित अनुसंधान संवर्धन योजना के तहत ४६ अनुसंधान प्रस्तावों को स्वीकृति देकर अकादमिक अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति की घोषणा की है । यह महत्वपूर्ण निर्णय अनुसंधान संवर्धन योजना पर स्थायी समिति द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और समर्थन के बाद लिया गया है, जिसके बाद सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त हुआ है ।

यह घोषणा अनुसंधान और नवाचार की जीवंत संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करती है । कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, "अनुसंधान संवर्धन योजना, अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की आधारशिला है, जिसका उद्देश्य हमारे शैक्षणिक समुदाय के भीतर नवीन अनुसंधान पहलों को पोषित करना और आगे बढ़ाना है । विभिन्न प्रकार के विषयों को कवर करने वाले अनुमोदित प्रस्तावों को सीड मनी के रूप में २.० लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है । यह वित्तीय सहायता विभिन्न डोमेन में अग्रणी अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत और विकास को उत्प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन की गई है ।"

जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा ने कहा कि "इन ४६ शोध प्रस्तावों की मंजूरी हमारे शैक्षणिक समुदाय की सामूहिक प्रतिभा और समर्पण का एक प्रमाण है । यह अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और सुविधा प्रदान करने के हमारे चल रहे प्रयासों में एक उल्लेखनीय कदम है ।" स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं विविध शैक्षणिक विषयों पर सार्थक प्रभाव डालेंगी तथा एमजीसीयू के अनुसंधान परिदृश्य को और बेहतर बनाएंगी ।

Mahtma Gandhi Central University Faculty Members Shine with Prestigious Research Fellowships

• Dr. Preeti Bajpai and Dr. Amit Ranjan selected for ICMR-DHR International Fellowships.

MGCU NEWS. Two Faculty members from the Department of Zoology, MGCU, Dr Preeti Bajpai and Dr Amit Ranjan, have been offered the prestigious I C M R - D H R



International Fellowship, recognizing their outstanding contributions to their respective research fields. This



अपने आदर्श को पाने के लिए सैकड़ों बार असफल होने पर भी आगे बढ़ो । - स्वामी विवेकानंद

prestigious fellowship was awarded by the Indian Council of Medical Research (ICMR) in collaboration with the Department of Health Research (DHR).

Dr. Preeti Bajpai has been selected for the Short-Term ICMR-DHR International Fellowship for Senior Scientists २०२३-२४. Dr. Bajpai's dedication to advancing scientific knowledge in the field of zoology has earned her this esteemed fellowship, which provides an opportunity for international collaboration and research exchange for a duration of ३ months.

Dr. Amit Ranjan has been selected for the Long-Term ICMR-DHR International Fellowship for Young Scientists २०२३-२४. Dr. Ranjan's commitment to cutting-edge research and scholarly pursuits has been recognized through this prestigious fellowship, which offers a duration of 12 months for engaging in transformative research endeavours on an international scale. These selections highlight MGCU's commitment to fostering excellence in research and scholarly activities among its faculty members. Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava congratulated Dr. Preeti Bajpai and Dr. Amit Ranjan for their remarkable achievements and said, "MGCU remains committed to supporting its faculty members in their pursuit of excellence, fostering a culture of innovation and discovery, and contributing to meaningful advancements in various research fields."

Prof. Pranveer Singh, Dean of the School of Life Sciences and Head of the Department of Zoology, said, "Their success reflects the calibre of our faculty members and the university's dedication to advancing research and scholarship. We congratulate them on their well-deserved recognition and wish them continued success in their research endeavors."

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य को मिला प्रतिष्ठित अनुसंधान फेलोशिप

- प्रीति बाजपेयी और डॉ. अमित रंजन आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप से सम्मानित ।

एमजीसीयू न्यूज । एमजीसीयू के जंतु विज्ञान विभाग के दो संकाय सदस्य, डॉ. प्रीति बाजपेयी और डॉ. अमित रंजन को अनुसंधान के अपने संबंधित क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित आईसीएमआर-डीएचआर इंटरनेशनल फेलोशिप दी गयी है। यह प्रतिष्ठित फेलोशिप भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के सहयोग से प्रदान की जाती है।

डॉ. प्रीति बाजपेयी को वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए अल्पकालिक आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप २०२३-२४ के लिए चुना गया है। जीव विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. बाजपेयी के समर्पण के कारण उन्हें यह प्रतिष्ठित फेलोशिप मिली है, जो ३ महीने की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अनुसंधान

आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती है।

डॉ. अमित रंजन को युवा वैज्ञानिकों के लिए दीर्घकालिक आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप २०२३-२४ के लिए चुना गया है। अत्याधुनिक अनुसंधान और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के प्रति डॉ. रंजन की प्रतिबद्धता को इस प्रतिष्ठित फेलोशिप के माध्यम से मान्यता दी गई है, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तनकारी अनुसंधान प्रयासों में संलग्न होने के लिए १२ महीने की अवधि प्रदान करती है।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने डॉ. प्रीति बाजपेयी और डॉ. अमित रंजन को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए बधाई दी और कहा "ये उपलब्धियां अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के प्रति हमारे संकाय सदस्यों की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

प्रो. प्रणवीर सिंह, संकायाध्यक्ष, जैव विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, जंतु विज्ञान ने अपने संकाय सदस्यों के अद्वितीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा "उनका योगदान हमें सभी के लिए प्रेरणा स्थापित करता है और हमारे जीव विज्ञान के ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

'जनसंचार शोध' पुस्तक का कुलपति ने किया लोकार्पण



एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील दीपक घोड़के के संयुक्त संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'जनसंचार शोध' का लोकार्पण कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा किया गया।

पुस्तक के लोकार्पण पर शुभकामनाएं देते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि जनसंचार शोध के विविध आयामों पर आधारित यह पुस्तक जनसंचार और पत्रकारिता के पठन-पाठन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी तथा मीडिया शोध अध्येताओं का बेहतर मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा तथा सहायक प्रोफेसर सुनील दीपक घोड़के के संयुक्त एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप इस पुस्तक की संकल्पना साकार हो पाई है।

मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने इस अवसर पर पुस्तक की अंतर्वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पुस्तक में संचार एवं सामाजिक शोध, संचार शोध की विकास यात्रा, साहित्य



समीक्षा, संचार शोध प्रक्रिया, निदर्शन, संचार शोध में सांख्यिकी का महत्व, जनसंचार शोध के वर्गीकरण, संचार शोध में नैतिकता एवं साहित्यिक चोरी विषयों पर अध्यायों का लेखन किया गया है जो मीडिया अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

डॉ. घोड़के ने कहा कि पुस्तक में जनसंचार शोध के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों पर प्रमुखता से ध्यान देते हुए अध्यायों को शामिल किया गया है। जनसंचार शोध पर अध्ययन सामग्री का अभाव है। पुस्तक इस अभाव को पूरा करने में अध्ययताओं और शोधार्थियों का मार्गदर्शन करेगी। विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने पुस्तक की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जनसंचार शोध के विविध आयामों पर आधारित यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए पठनीय तथा उपयोगी है।

एमजीसीयूबी के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन



एमजीसीयू न्यूज। रसायन विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'नवीनतम रासायनिक विज्ञान में हाल के रुझान (RTCS-२०२४)' पर आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, जेएनसीएसआर बेंगलुरु से प्रोफेसर एच. इला, और आईआईटी, कानपुर के रसायन विज्ञान विभाग से प्रो. एम. एल. एन. राव समेत अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं और प्रतिभागियों की उपस्थिति थी।

प्रो. श्रीवास्तव ने रासायनिक विज्ञान को सभी विज्ञान के विषयों को माँ के रूप में बताया। उन्होंने दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन करने की महत्ता पर जोर दिया, विशेष रूप से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर, जो सभी प्रतिभागियों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रोफेसर एच. इला ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में हेटेरोसाइक्लिक यौगिकों के संश्लेषण के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की, जो रासायनिक अनुसंधान के इस क्षेत्र में मूल्यवान दर्शन प्रदान करती है। मुख्य वक्ता के रूप में, प्रोफेसर एम. एल. एन. राव, त्रिआरिलबिस्मूथ रीएजेंट का उपयोग करके क्रॉस-कपलिंग प्रतिक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की, जो एक विशेष रासायनिक प्रक्रिया की गहन समझ प्रदान करती है।

इसके अतिरिक्त, प्रो. स्वेतलाना त्सोगोएवा ने ऑनलाइन मोड में अपने मुख्य वक्तव्य को प्रस्तुत किया, हेटेरोसाइक्लिक रासायनिक और इसके

औषधीय रसायन की महत्त्वता पर चर्चा की। सम्मेलन में विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों और शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं। आईआईटी, पटना से डॉ. अमित कुमार और एनआईटी, पटना से डॉ. रीमा ठाकुर ने कार्बोहाइड्रेट रासायनिक पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। टीएनबी कॉलेज, भागलपुर से डॉ. गरिमा त्रिपाठी ने सौंदर्य और संबंधित उत्पादों में टाइरोसिनेज अवरोधक के महत्व पर चर्चा की। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय से डॉ. हिमानी पांडेय ने अपने अनुसंधान को माइक्रोऑर्गेनिज्म पर आधारित जैव ईंधन पर प्रस्तुत किया, जो सतत ऊर्जा स्रोतों पर प्रकाश डालता है।

इसके अलावा, भागलपुर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग से डॉ. आशोक झा ने पानी में भारी धातु विषाणु की महत्वपूर्णता पर चर्चा की, जल गुणवत्ता प्रबंधन के महत्व को जोर दिया। जादवपुर विश्वविद्यालय से डॉ. राज कुमार नंदी ने हेटेरोसाइक्लिक रासायन के संबंधित विषयों पर चर्चा की। असम से डॉ. संचयिता राजखोवा ने आइयॉनिक तरलों और डॉ. ज्योतिर्मय सर्मा ने अधिक संग्रहालय प्रणाली पर विचार किया।

MGCU NEWS. An International Conference on Recent Trends in Chemical Sciences (RTCS-२०२४) commenced today, February २८, २०२४, organized by the Department of Chemistry, Mahatma Gandhi Central University (MGCU). The inaugural function witnessed the presence of esteemed dignitaries including Vice-Chancellor Professor Sanjay Shrivastav, Professor H. Ila from JNCASR Bangalore, and Professor M. L. N. Rao from the Department of Chemistry, IIT Kanpur, among other eminent speakers and participants from across the country.

In his address, Vice-Chancellor Professor Sanjay Shrivastav emphasized the pivotal role of chemistry as the foundation of all science subjects. He highlighted the significance of organizing a two-day conference, particularly on National Science Day, underscoring its importance for all participants.

Professor H. Ila delivered a plenary lecture discussing various methodologies employed for the synthesis of heterocyclic compounds, offering valuable insights into this area of chemical research. Professor M. L. N. Rao, the keynote speaker, elaborated on cross-coupling reactions using triarylbiismuth reagents, providing an in-depth understanding of this specialized chemical process.

Additionally, Professor Svetlana Tsogoeva delivered a keynote lecture in an online mode, emphasizing the importance of heterocyclic chemistry and its applications in medicinal chemistry. The conference featured presentations by esteemed scholars and researchers from various institutions. Dr. Amit Kumar from IIT Patna and Dr. Rima Thakur from NIT Patna shared their insights on carbohydrate chemistry. Dr. Garima Tripathi from TNB College Bhagalpur discussed the significance of tyrosinase inhibitors in cosmetics and related products. Dr. Himani Pandey from MGCU presented her research on microorganism-based biofuels, shedding light on



चरित्र सम्बन्धी उन्नति के माने हैं खुदी से खुदी को मिटाने की ओर बढ़ना ।

sustainable energy sources.

Furthermore, Dr. Ashok Jha from the Department of Chemistry, Bhagalpur University, addressed the issue of heavy metal poisoning in water, emphasizing the importance of water quality management. Dr. Raj Kumar Nandi from Jadavpur University and Dr. Sanchayita Rajkhowa from Assam discussed topics related to heterocyclic chemistry and ionic liquids, respectively, providing valuable contributions to the conference proceedings. Dr. Jyotirmoy Sharma also presented on colloidal systems, adding to the diverse range of topics covered during the event.

The International Conference on Recent Trends in Chemical Sciences served as a platform for interdisciplinary exchange and collaboration, fostering innovation and advancement in the field of chemistry. The presentations and discussions held during the conference are expected to contribute significantly to the body of knowledge in chemical sciences.

प्रकृति की दायरे में जो रहेगा उसी से सतत विकास होगा- प्रो. आशीष वाजपेयी



एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में गुरुवार को सतत व्यावसायिक प्रक्रिया: पर्यावरण व सामाजिक खुशहाली पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल, पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, विशेष अतिथि प्रो. आशीष वाजपेयी निदेशक प्रबंधन विज्ञान संस्थान, बीएचयू थे । कार्यक्रम के संरक्षक एमजीसीयूबी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे । संयोजक प्रो. शिरिष मिश्रा, डीन स्कूल ऑफ संकायाध्यक्ष वाणिज्य प्रबंधन विभाग ने अतिथियों का स्वागत किया ।

प्रो. आशीष वाजपेयी ने कहा कि प्रकृति की दायरे में जो रहेगा, उसी से सतत विकास होगा । समाज की चेतना किसी भी हालत में आहत नहीं होनी चाहिए । एमजीसीयूबी के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव ने कहा कि हमें सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, विशेष तौर पर जो व्यापार के क्षेत्र में है । पर्यावरणीय विकास की जरूरत पर बल देते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने गलत रसायनों के प्रयोग से हो रहे नुकसान से आगाह किया ।

प्रो. अग्रवाल ने कहा कि आज भी सामाजिक और आर्थिक विषमताएं कायम हैं । ई कामर्स और ऑनलाइन कोर्स को बढ़ावा देते हुए कहा कि समाज में असमानताएं कायम हैं । उन्होंने जीएसटी में अप्रत्याशित इजाफा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तमाम समस्याओं के बाद

भी देश में अमीरों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है ।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो शिरिष मिश्रा ने कहा कि ई कामर्स से खरीदारी काफी आसान हो गयी है । देश की अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है । मोदी सरकार में आर्थिक उन्नति बढ़ी है । कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री अरुण कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ शिवेंद्र सिंह ने की ।

भारतीय संस्कृति, संस्कृत और योग में निहित है विश्व कल्याण - डॉ. उपाध्याय



एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी एवं भाषा संकाय द्वारा 'संस्कृत - संस्कृति एवं योग' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया । अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया जबकि मुख्यवक्ता महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ भूषण कुमार उपाध्याय थे । मानविकी एवं भाषा संकायाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और "संस्कृत, संस्कृति और योग" की प्रस्तावना रखी ।

मुख्यवक्ता डॉ उपाध्याय जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी समुदाय के लोगों की मंगलकामना करती है जबकि अन्य किसी समुदाय, वर्ग, जाति, पन्थ में ये बातें नहीं दिखलाई पड़ती हैं । यह बात इस श्लोक से स्पष्ट भी हो जाता है - "अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् । उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्" । वहीं, सर्वत्र मंगलकामना के साथ ही जन समुदाय के अतिरिक्त प्रकृति में भी शान्ति की स्थापना की बात की गई है । यहां विश्व के सभी समुदाय, वर्ग के सुख-समृद्धि की बात को बताया गया है - 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ।' महाकवि कालिदास ने भी रघुवंश महाकाव्य के मंगलाचरण में ही जगत् के परमेश्वर कहकर भगवान् शंकर की वन्दना की गई है - जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ । इससे स्पष्ट होता है कि भगवान् शंकर के नामोल्लेख मात्र से केवल संस्कृत साहित्य या भारत के ही नहीं अपितु जगत् के परमेश्वर कहने से ही विश्व कल्याण की भावना दृष्टिगत होती है ।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति हमें विनम्रता और सम्मान करना सिखाती है । प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति में हमें विभिन्न समस्याओं का समाधान मिल जाता है । श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन सभी को अवश्य ही करना चाहिए क्योंकि गीता हमें कर्मों में कुशलता को बतलाती है - 'योगः कर्मसु

कौशलम् । विवेकानन्द ने भी कहा था कि वेद कभी गलत नहीं हो सकते हैं । अतः भारतीय संस्कृति को जानने हेतु संस्कृत विषय के अन्तर्गत वेद, उपनिषद्, आरण्यक, वेदान्त, षड् दर्शन इत्यादि का अध्ययन अवश्य ही करना चाहिए । प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि योग एक दर्शन है और यह दर्शन आध्यात्म पर आधारित है । संचालन संयोजक डॉ. उमेश पात्रा ने किया । धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार झा ने प्रस्तुत किया । संस्कृत विभाग के शोधार्थी सुखेन घोष ने वैदिक मंगलाचरण तथा गोपाल कृष्ण मिश्र ने लौकिक मंगलाचरण किया ।

डॉ. जैन को यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च (ईएसीआर) डेवलपमेंट रिसर्च अवार्ड

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के सहायक प्रो. डॉ. बुद्धि प्रकाश जैन ने २७ फरवरी से २९ फरवरी, २०२४ तक आयरलैंड के डबलिन में आयोजित ईएसीआर सम्मेलन में "स्तन कैंसर की प्रगति के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव मापदंडों का मूल्यांकन" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया । डॉ. जैन



को यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ कैंसर रिसर्च (ईएसीआर) डेवलपमेंट रिसर्च अवार्ड मिला । यह सम्मेलन डॉ. जैन के द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुसंधान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उजागर करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे स्तन कैंसर के इलाज में नई दिशाएँ स्थापित की जा सकती हैं ।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने डॉ. जैन को बधाई दी और कहा, यह उपलब्धि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अध्ययन क्षेत्र में विशेषता का प्रमाण है । प्राणीशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. अर्तत्राण पाल, डॉ. प्रीति बाजपेयी, डॉ. अमित रंजन, डॉ. कुंदन किशोर रजक, डॉ. श्याम बाबू प्रसाद और विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने डॉ. जैन को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी ।

एमजीसीयू में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित

एमजीसीयू न्यूज । शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत दिनांक २८ फरवरी २०२४ से ६ मार्च २०२४ तक विभिन्न कार्यक्रम जैसे 'चुनाव एवं भारत' विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा, निबन्ध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग एंड फोटोग्राफी कंपटीशन, 'चुनाव का पर्व : देश का गर्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया ।

व्याख्यान में रोहित खरे (संयुक्त आयुक्त, सीमा शुल्क विभाग, भारतीय राजस्व सेवा) ने मतदान और मतदान अधिकार तथा कर्तव्यों पर अपना मत व्यक्त किया । एक वोट का राष्ट्र की उन्नति में प्रभाव पर अपनी सूक्ष्म



दृष्टि प्रकट की । इस सन्दर्भ में महिलाओं को वोट देने के अधिकारों पर भी अपना मत व्यक्त किया । अपने उद्बोधन में उन्होंने मतदान न करने सम्बन्धी कारणों एवं चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला । चुनाव जागरूकता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत ही विश्वविद्यालय में मतदान सम्बन्धी स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । उक्त सभी कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के १०० से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया । मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया । चुनाव जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह और रुची के साथ भाग लिया । मतदान जागरूकता अभियान के प्रचार प्रसार हेतु विश्वविद्यालय की डी एस डब्ल्यू समिति के सदस्य प्रो. आर्तत्राण पाल, डॉ. श्वेता, डॉ. बल्लू पाल तथा डॉ. मनीषा रानी ने बहुत ही उत्साह के साथ सभी कार्यक्रम कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराए ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित



एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) ने आज दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का सम्मान करते हुए गर्व से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया । राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने इस महत्वपूर्ण अवसर को उत्साह और समर्पण के साथ मनाया । मुख्य वक्ता डॉ. हेना चंद्रा ने महिला सशक्तिकरण विषय पर दर्शकों को संबोधित किया । उन्होंने लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने में इन कारकों की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए इस बात पर जोर दिया कि सच्चा सशक्तिकरण केवल शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है ।



पवित्रता के लिए एकाग्रता का कोई मूल्य नहीं होता ।

-स्वामी शिवानंद

संरक्षक के रूप में सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील महावर उपस्थित थे। प्रोफेसर शहाना मजूमदार अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. सरिता तिवारी ने संयोजक की महत्वपूर्ण भूमिका शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने धन्यवाद दिया। संचालन डॉ. मनीषा ने किया।

संस्कृति हमारी भावनाओं एवं पहचान का आधार- प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी, बिहार के चाणक्य परिसर स्थित राजकुमार शुक्ल सभागार में हिंदी विभाग की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भाषा, साहित्य और संस्कृति' का शुभारंभ किया गया।

संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रवाद हमारी भावनाओं एवं पहचान पर निर्भर करती है। औपनिवेशिकता के प्रतिकार के रूप में यह आता है। इस प्रति उत्तर का आधार भारत की संस्कृति थी। सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से पधारे आचार्य प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा संस्कृति की संवाहिका होती है। भाषा से हम उसकी संस्कृति को जान सकते हैं। १८५७ की क्रांति ने जनमानस को यह प्रेरणा दिया कि देश के लिए कुछ करना चाहिए।

मुख्य वक्ता गोरखपुर के आचार्य प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव ने कहा कि औपनिवेशिक सत्ता ने भारत का २०० वर्षों तक अनुसंधान किया जिससे वह यहां की संस्कृति को जीत सके। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई नब्बे वर्षों की नहीं है बल्कि यह आज भी भाषा के स्तर पर जारी है। सत्र में भाषा एवं मानविकी संकाय के अधिष्ठाता एवं गाँधी भवन परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नए तरंगों को प्रस्फुटित करना है। भारतीय स्वतंत्रता का आंदोलन इसलिए भी अनूठा रहा कि इसमें संस्कृति सदैव विद्यमान रही और इसके ही दम पर हम लोगों ने ब्रिटिश सत्ता को परास्त किया। संगोष्ठी में स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन नब्बे वर्षों का है। जिसमें १८५७ से लेकर १९३६ के समय को कई विद्वान कई नाम एवं उद्धरण से अपने लेखन में प्रस्तुत करते हैं परन्तु नाटक, उपन्यास एवं

अन्य विधाओं ने इसे एक नया रूप दिया। संगोष्ठी में विषय प्रवेश करते हुए हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा ने कहा कि भारतेंदु ने भाषा के लिए कार्य किया और यही से चिंतन प्रारंभ होता है। साहित्य के स्तर पर इस काल में भारतेंदु ने अंतर्वस्तु एवं रूप दोनों को बदल दिया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन ने किया।

भारत देश दुनिया में ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में तेजी से अग्रसर - कुलपति



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बुद्ध परिसर स्थित बृहस्पति सभागार में भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा ३ सेमीकंडक्टर सुविधाओं के ऐतिहासिक आधार शिला रखने के उपलक्ष्य में माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारम्भ अकादमिक मामलों के निदेशक प्रो. आशीष श्रीवास्तव के स्वागत भाषण सह विषय प्रवर्तन के रूप से हुआ।



कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत देश दुनिया में ज्ञान, विज्ञान के क्षेत्र में लोहा मनवा रहा है, आज का यह दिन देश के प्रगति, विकास, समृद्धि, एवं रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगी। यह सब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम है। तदुपरांत विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. संतोष कुमार त्रिपाठी, भौतिक विज्ञान विभाग एवं प्रो. विकास पारीक, विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान विभाग के द्वारा सेमीकंडक्टर की उपयोगिता, महत्व आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया जिसमें प्रधानमंत्री के विचारों को समस्त विद्यार्थियों एवं प्राचार्यगणों की उपस्थिति में सुना गया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में रांची विश्वविद्यालय के डॉ आनंद कुमार ठाकुर का उद्बोधन एवं बी आई टी (बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा रांची से डॉ विजय नाथ का ओजस्वी उद्बोधन आभासी माध्यम से प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन शैक्षिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पाथलोथ ओमकार द्वारा किया गया।

यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) के सहयोग से ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) के सहयोग से ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य अपने प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों को प्रतिष्ठित फेलोशिप अवसरों का लाभ उठाने के बारे में मार्गदर्शन करना था ।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने उपस्थित लोगों को अपना समर्थन और प्रोत्साहन दिया । यूएसआईईएफ कोलकाता के क्षेत्रीय अधिकारी सुमंत बसु ने एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न फेलोशिप कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी से दर्शकों को अवगत कराया । शिक्षा संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया । एक इंटरैक्टिव सत्र ने प्रतिभागियों को स्पष्टीकरण मांगने और चर्चा में शामिल होने का अवसर दिया ।

ओरिएंटेशन का उद्देश्य प्रतिभागियों को अकादमिक उत्कृष्टता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों से लैस करना था ।

गांधी का संपूर्ण ज्ञान सामाजिक बदलाव पर केंद्रित- प्रो. रजनीकांत पाण्डेय



- गांधी जी ने अपने सिद्धांतों के द्वारा जाति व्यवस्था, धार्मिक अलगाव जैसी समस्याओं के निराकरण पर बल दिया -प्रो. श्रीवास्तव
- विकसित भारत में समाजिक परिवर्तन की गांधी दर्शन की कल्पना: संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग एवं गांधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग के द्वारा विकसित भारत में सामाजिक परिवर्तन गांधी दर्शन की कल्पना: संभावनाएं एवं चुनौतियां

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की । मुख्य अतिथि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर डुग्गर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो रजनीकांत पांडे उपस्थित रहे । बीज वक्ता के रूप में गांधी एवं शांति निदेशालय, जयपुर के अध्यक्ष प्रो बी एम शर्मा की उपस्थिति रही । सामाजिक विज्ञान विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो सुनील महावर ने अतिथियों का स्वागत किया।



प्रो. पाण्डेय ने गांधी के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि बुद्ध के बाद गांधी पहले व्यक्ति थे जिन में दुनिया के नेतृत्व करने की क्षमता थी । गांधी का संपूर्ण ज्ञान सामाजिक बदलाव पर केंद्रित है एवं गांधी व्यक्ति की सत्ता पर विश्वास रखते हैं । प्रो बी एम शर्मा ने गांधीजी जीवनी के माध्यम से उनके विचारों को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया । प्रो शर्मा ने कहा कि गांधी से बड़ा कोई परिवर्तन का प्रणेता नहीं है । कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि गांधी ने अपने सिद्धांतों के द्वारा जाति व्यवस्था, धार्मिक अलगाव जैसी समस्याओं के निराकरण पर बल दिया । वैश्विक परिदृश्य में उपनिवेशवाद की समाप्ति के वह प्रणेता रहे । युवाओं को गांधी के तीन सिद्धांत सत्य, अहिंसा एवं नेचर ऑफ कनफ्लिक्ट के बारे में अध्ययन करना चाहिए ।

प्रो बी आर डुग्गर ने कहा कि गांधी के विचार पूरे विश्व को दिशा दे रहे हैं । उन्होंने कहा कि संयम, श्रम और सादगी गांधी के विचारों के केंद्र में दिखाई पड़ते हैं । उन्होंने गांधी की इच्छा विहीनता का सिद्धांत एवं गांधी के सत्य के सिद्धांत को आत्मसात करने पर बल दिया । दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए इंडियन सोसाइटी ऑफ गांधियन स्टडीज के अध्यक्ष प्रो सतीश कुमार राय ने गांधी के जीवन वृत्तांत के माध्यम से उनके सिद्धांतों पर प्रकाश डाला ।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. बंसीधर पाण्डेय ने सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पक्षों के माध्यम से गांधीवादी सिद्धांतों पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि गांधी की निर्भीकता आज के युवाओं के लिए उदाहरण है । इस सत्र के समन्वयक महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय सह आचार्य डॉ नरेंद्र कुमार आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

तकनीकी सत्र का संचालन आभाषी मंच के माध्यम से किया गया । सत्र के अध्यक्ष के रूप में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के प्रो राजबीर सिंह दलाल एवं बीज वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो संतेष कुमार सिंह की उपस्थिति रही । प्रो. आर. पी. द्विवेदी एवं डा. सुमन के द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया । दोनों सत्रों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया ।



पवित्रता के लिए एकाग्रता का कोई मूल्य नहीं होता ।

-स्वामी शिवानंद

संवाददाता सम्मेलन आयोजित

विवि की बुनियादी ढांचे के विस्तार में प्रगति: प्रो. श्रीवास्तव

एमजीसीयू न्यूज । विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विस्तार में हुए उल्लेखनीय विकास की घोषणा करने के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी । कॉन्फ्रेंस में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि एमजीसीयू को अतिरिक्त १२७.२६ एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जिससे कुल भूमि पिछले १३४ एकड़ से बढ़कर २६१.२६ एकड़ हो गई है । बिहार कैबिनेट द्वारा अनुमोदित यह आवंटन विश्वविद्यालय के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी ।

प्रो. श्रीवास्तव ने इस परिवर्तनकारी प्रयास को सुविधाजनक बनाने में उनके अटूट समर्थन और सहयोग के लिए राज्य और केंद्र सरकार दोनों को हार्दिक धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि सक्रिय और सकारात्मक

प्रयास विश्वविद्यालय के विकास और उत्कृष्टता के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक रहे हैं । अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण नवाचार, अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एमजीसीयू की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है । यह समग्र शिक्षा और विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के प्रति केंद्रीय विश्वविद्यालय के समर्पण को दर्शाता है । केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूमि संपत्तियों का विस्तार शैक्षणिक समुदाय की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं और सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक विश्वविद्यालय परिसर की स्थापना के लिए मंच तैयार करता है । यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की एमजीसीयू की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है ।

इस प्रक्रिया में एक आवश्यक कदम निकट भविष्य में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होगा । इसके बाद, एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी नई अधिग्रहीत भूमि के लिए व्यापक विकास

योजनाओं की रूपरेखा तैयार करेगी ।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रो. आशीष श्रीवास्तव और प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने विस्तार से इसके महत्व पर प्रकाश डाला । जनसंपर्क अधिकारी शोफालिका मिश्र ने कहा "हमें विश्वास है कि इस अतिरिक्त भूमि के अधिग्रहण से एमजीसीयू एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर सकेगा और उत्कृष्टता की दिशा में अपनी यात्रा जारी रख सकेगा ।"

Mahatma Gandhi Central University (MGCU) announced a remarkable development in the university's infrastructure expansion.

MGCU NEWS. MGCU has been granted an additional 127.26 acres of land, significantly augmenting our total landholding from the previous 135 acres to a substantial 262.26 acres. This allocation, approved by the Bihar Cabinet, represents a significant milestone in the university's growth trajectory.

The expansion of the university's land assets sets the stage for the establishment of a state-of-the-art university campus equipped with modern facilities and amenities to cater to the evolving needs of our academic community. This initiative underscores MGCU's commitment to providing a conducive environment for quality education and research.

An essential step in this process will be signing a Memorandum of Understanding (MoU) with the Central Public Works Department (CPWD) soon. Subsequently, the preparation of a Detailed Project Report (DPR) will outline the comprehensive development plans for the newly acquired land.



During the press conference, Prof. Asheesh Srivastava and Prof. Prasoon Dutt Singh were also present to shed light on the significance of this expansion. Public Relations Officer Shephalika Mishra said, "This acquisition aligns with MGCU's strategic vision to become a leading institution in the region, offering quality education and contributing to societal development."

Prof. Sanjay Srivastava extended heartfelt gratitude to both the state and central governments for their unwavering support and collaboration in facilitating this transformative endeavour. Their proactive efforts have been instrumental in realizing the university's vision of growth and excellence. The acquisition of additional land reaffirms MGCU's commitment to fostering innovation, research, and academic excellence. It reflects the university's dedication to creating an environment conducive to holistic learning and development.

महात्मा गांधी केवि के बीटेक विद्यार्थियों का कमाल



- एक ही ब्रांच (कंप्यूटर साइंस) के २४ विद्यार्थी गेट परीक्षा में सफल

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए गेट परीक्षा का मार्च २०२४ में जारी हुआ परिणाम बहुत सुखद रहा है। गेट (ग्रेजुएट एंटीटुड टेस्ट इन इंजीनियरिंग) अभियांत्रिकी की मानक परीक्षा है जिसके द्वारा प्रतिष्ठित पीएसयू में नौकरी और उच्च शिक्षण संस्थानों जैसे आईआईटी में एमटेक और पीएचडी में प्रवेश होता है। इस बार गेट का आयोजन भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु ने किया और शनिवार को परिणाम जारी हुआ है।

विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक ने बताया कि इस बार रिकॉर्ड २४ विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल हुए हैं। इन में से १३ अंतिम वर्ष और ११ तृतीय वर्ष के विद्यार्थी हैं। प्रो. पारीक ने बताया कि पहले भी विभाग से गेट में विद्यार्थी सफल होते रहे हैं।

इस सफलता पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने पूरे विभाग को अपनी शुभकामना प्रेषित करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया है कि किसी भी तरह से संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने हाल ही में अर्जित अतिरिक्त भूमि पर शीघ्र निर्माण प्रारम्भ होने के साथ ही आधारभूत ढाँचे के त्वरित विकास की बात कही। विभाग के शिक्षकों डॉ. विपिन कुमार, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. अतुल त्रिपाठी और शुभम कुमार ने बताया कि गेट परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को निरंतर प्रशिक्षित किया गया। इसके लिए समय समय पर अतिरिक्त कक्षाओं का भी आयोजन

किया गया है।

इस परीक्षा में अंतिम वर्ष के आकाश हर्ष, कुणाल कुमार, आकांक्षा, मोहम्मद कैफ, आर्यन राज, प्रिया कुमारी, मुस्कान राज, आदित्य कुमार, ऋषिता श्रीवास्तव, श्वेता, मुकुल आनंद, शिल्पी और शिखा कुमारी सफल हुए हैं। वहीं तृतीय वर्ष से आयुष राज तिवारी, मोहम्मद फ़रहान, अवनीश कुमार, आरोभ, शुभम कुमार, विशाख अनंत, सिमरन साहीवाल, उत्सव कुमार, अमित आशीष, विभांशु कुमार और साक्षी सिंह ने गेट में सफलता अर्जित की है।

ध्यातव्य हो कि महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में अभी केवल कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग ब्रांच में बीटेक व पांच वर्षीय एकीकृत एमटेक पाठ्यक्रम चल रहे। विभागाध्यक्ष और वित्त अधिकारी प्रो. विकास पारीक ने बताया कि कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बीज निधि (सीड मनी) और वार्षिक वित्तीय अनुदान से संसाधन विकास और संरचना निर्माण के लिए पर्याप्त कोष मुहैया करवाया है और इसके परिणाम जल्दी ही बेहतर प्रयोगशालाओं और उन्नत शिक्षण के रूप में दिखने लगेंगे।

मानविकी एवं भाषा संकाय द्वारा द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

एक शिक्षक ही श्रेष्ठ एवं योग्य राजा का निर्माण कर सकता है- प्रो. श्रीवास्तव



एमजीसीयू न्यूज । उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने उद्घोषण में कहा कि कालिदास ने अभिज्ञानशाकुंतलम और अपने अन्य ग्रंथों के माध्यम से लोककल्याण और राजधर्म से हमें अवगत कराया है। वह कवियों के कवि हैं। कालिदास ने हमारे अंदर एक जिज्ञासाजगाने का काम किया है। मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र ने भारतीय संस्कृति के अनछुए पहलुओं की ओर श्रोताओं का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि विश्वज्ञान का स्रोत भारतीय संस्कृति है। महाभारत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व में ज्ञान का प्रसार वेदव्यास ने किया है। वेदव्यास ने महाभारत के शांतिपर्व में राजधर्म की विस्तार से चर्चा की है। भारत के राजधर्म का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण राम का राजधर्म है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि भारतीय चिन्तन से ओत-प्रोत साहित्य ही भारतीय साहित्य है। संपूर्ण भारतीय साहित्य



पवित्रता की भावना ही त्याग का स्वरूप है।

-स्वामी रामतीर्थ

लोककल्याण की भावना से प्रेरित है। शास्त्र हमें अनुशासित भी करते हैं और बोध भी कराते हैं।

सम्मानित अतिथि धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने राजा के गुणों की चर्चा करते हुए राजा को सदैव सर्वकल्याण में तत्पर रहने वाला होना चाहिए। राजा को सभी प्रकार के संबंधों एवं पूर्वाग्रह से मुक्त होकर न्याय करना चाहिए। शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि मानव कल्याण तभी सम्भव है जब हम सही संदर्भों एवं सही परिप्रेक्ष्य में मानव बनें। विविध नीतिपरक श्लोकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये दोहे, ये श्लोक हमारे जीवन को गढ़ते हैं- जासु राज प्रिय प्रजा का दुखारी, सो नृप अवस नरक अधिकारी।। स्वागत वक्तव्य और विषय प्रवेश में मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि भारत का सम्पूर्ण साहित्य सत्यम शिवम सुंदरम, वसुधैव कुटुम्बकम् एवं सर्वे भवन्तु सुखिनः पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य सार्वभौमिकता की बात करता है। सर्वकल्याण की बात करता है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप कुमार झा ने वेदों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वेद साक्षात् विष्णु हैं। सारस्वत अतिथि डॉ. द्विवेदी ने कहा कि कालिदास ने अपनी पुस्तक अभिज्ञानशाकुंतलम् में राजधर्म की विस्तार से चर्चा की है। वक्ता देवेश चन्द्र पाठक ने कहा कि मानव कल्याण के लिए अपने जीवन को सरल बनाना आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्याम कुमार झा ने कहा कि मानव कल्याण से बड़ा धर्म कोई नहीं है। यह संगोष्ठी कुल पांच सत्रों में संपन्न हुई जिसमें कुल ५२ शोधार्थी ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विश्वजित बर्मन ने किया।

विकसित भारत @ २०४७: ए पाथवे टू रामराज्य विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय विकसित भारत @ २०४७: ए पाथवे टू रामराज्य था। उद्घाटन सत्र बुद्ध परिसर के बृहस्पति सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकीकृत मानवतावाद की संकल्पना के द्वारा रामराज्य को समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में शोध का आधार भारतीय ज्ञान परंपरा एवं मानवीय मूल्यों का बोध है।

मुख्य अतिथि जयप्रकाश नारायणविश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेश्वर कुमार बाजपेई ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में एकात्मकता की भावना पर जोर दिया गया है। प्रतिस्पर्धा की भावना का अभाव है। रामराज्य सर्वमत का शासन है, सिर्फ बहुमत का शासन नहीं। निष्काम कर्म की भावना से ही रामराज्य की स्थापना होगी। संगोष्ठी के बीजवक्ता उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रो. ए. पार्थसारथी ने कहा कि चंपारण की धरती से ही महात्मा गांधी ने सन १९१७ में ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी। भारत से विकसित भारत की यात्रा को समर्पित इस संगोष्ठी की महत्ता अत्यधिक है। विशिष्ट अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय

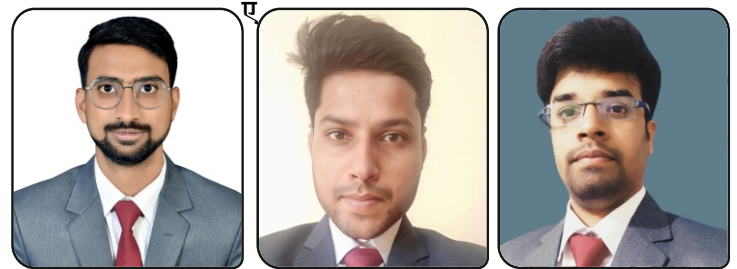
भारद्वाज ने कहा कि रामराज्य का केंद्रीय बिंदु कर्तव्य पर जोर देना है ना कि अधिकारों पर। हमारी संस्कृति वासुदेव कुटुम्बकम् का उद्घोष करती है।

सामाजिक चिंतक देवव्रत प्रसाद ने व्यक्ति, परिवार, समाज, देश एवं राष्ट्र को क्रमशः त्यागनिष्ठ प्रेमनिष्ठ सेवानिष्ठ एवं कल्याणनिष्ठ बनाने का आह्वान किया। समाज विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने कहा कि राम कर्तव्य एवं त्याग की प्रतिमूर्ति एक स्थित प्रज्ञा राष्ट्र नायक है। राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सरिता तिवारी ने कहा कि राम राज्य की संकल्पना “दैविक, दैहीक भौतिक तापा, रामराज्य काहू नहीं व्यापा”, विकसित भारत २०४७ का लक्ष्य यही होना चाहिए।

संगोष्ठी के संयोजक राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी वर्तमान समय की सर्वाधिक संदर्भित आवश्यकता है। इस संगोष्ठी का संचालन गांधी एवं शान्ति अध्ययन के सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह ने किया।

केवि वि के तीन छात्रों को सालाना ११ लाख रुपए से अधिक के पैकेज पर मिली नौकरी

- प्रबंधन विज्ञान विभाग के फोर्थ सेमेस्टर के हैं सभी तीनों छात्र
- नियुक्ति पर विवि परिवार में है खुशी की लहर



मजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लगातार शानदार प्लेसमेंट मिल रहा। इस कड़ी में प्रबंधन विज्ञान विभाग में फोर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत जनप्रिय, आशीष व नवीन को प्रतिष्ठित कंपनी 'उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक' में नियुक्ति मिली है। कंपनी में तीनों विद्यार्थियों का सालाना पैकेज ११२५००० रुपए होगा। यह जानकारी प्रबंधन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवनेश कुमार ने दी। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस अवसर पर खुशी जाहिर की और कहा कि प्रबंधन विज्ञान विभाग के अध्यापक अपने विद्यार्थियों को इस ढंग से प्रशिक्षित कर रहे हैं कि कठोर प्रतियोगिता के इस दौर में भी हमारे विद्यार्थी लगातार प्लेसमेंट पा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

द्वि-दिवसीय नेशनल कान्फेंस 'ग्लोबल वेल्थ बीइंग @ग्लोबल सिटिज़न शीप; पर आयोजित

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षिक अध्ययन विभाग शिक्षा संकाय द्वारा दो दिवसीय नेशनल कान्फेंस ग्लोबल वेल्थ बीइंग @ग्लोबल सिटिज़न शीप विषय पर आयोजित की गयी। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्यमेंसंकायाध्यक्ष प्रो.आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक नागरिकता समाज की मांग है, जिसकी वकालत राष्ट्रीय

शिक्षा नीति २०२० भी करती है.



मुख्य अतिथि प्रो. जे पी लाल, कुलाधिपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखण्ड ने कहा कि भारत वैश्विक नागरिकता की भावना का हमेशा पक्षधर रहा है. भारत की सभ्यता मानव को श्रेष्ठ बनाने की पुष्टि करती है. अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक नागरिकता व्यक्तियों में न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण, सहिष्णु, समावेशी, सुरक्षित भूमिका निभाने और साथ ही साथ उसे सशक्त बनाना है. मुख्य वक्ता प्रो. राकेश चंद्रा (दर्शन विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय) ने कहा कि शिक्षा जानकारी के लिए नहीं, बल्कि एक अच्छे इन्सान के रूप में पहचान दिलाना है.

विशिष्ट अतिथि प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, वैदिक साइंस बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने भारतीय दर्शन के महत्त्व के बारे में विस्तृत चर्चा की. उन्होंने पञ्चभूतों की चर्चा करते हुए उसकी विशेषता, उपयोगिता और ज्ञान आदि पर चर्चा की. शैक्षिक अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम में तीन प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में क्रमशः प्रो. ज्ञान देवमणि त्रिपाठी, पूर्व संकायाध्यक्ष, आर्यभट्ट नॉलेज विश्वविद्यालय, डॉ. सुनीता सिंह, शिक्षा संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय श्री आस्तिक मिश्र, शोध छात्र, शैक्षिक अध्ययन विभाग का उद्बोधन प्राप्त हुआ. एकेडमिक आयोजन के तत्पश्चात सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया. इस मौके पर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार से प्रो. प्रणवीर सिंह, डॉ. परमानंद त्रिपाठी, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ. गरिमा त्रिपाठी, प्रो. बृजेश पांडेय, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. विमलेश सिंह ने सत्र अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष आदि के रूप में सक्रिय सहभागिता की।

गणित विभाग के द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन में देश एवं विदेश के प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. लीना मल्लोज़्जी (यूनिवर्सिटी ऑफ़ नैप्लस II) (इटली), प्रो. राम एन. महापात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ़ सेंट्रल फ्लोरिडा ऑरलैंडो, (यूएसए), प्रो. पेरी रेने मार्कल (फ्रांस), (ऑनलाइन माध्यम), प्रो. के. सी. सिन्हा (कुलपति, नालंदा खुला विश्वविद्यालय), प्रो. आर. के. उपाध्याय (आई. आई. टी. धनबाद), प्रो. बी. तिवारी (बी.एच.यू.), प्रो. एस. मुखोपाध्याय (आई. आई. टी. बी.एच.यू.), प्रो. ओम. प्रकाश (आई. आई. टी. पटना), प्रो. रौशन कुमार (सी. यु. एस. बी.) एवं प्रो. गोपाल दत्त (दिल्ली

विश्वविद्यालय), राजकुमार शुक्ला सभागार में उपस्थित रहे.



शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. के. सी. सिन्हा, कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव एवं सम्मेलन के अध्यक्ष ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की. गणित विभागाध्यक्ष एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी ने सभी गणितज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया.

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने गणितीय शोध और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के सहयोगी प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया. मुख्य अतिथि प्रो. के. सी. सिन्हा ने अपने ज्ञानवर्धक विचारों को साझा किया और विभिन्न विषयों के सैद्धांतिक समस्याओं को गणितीय अवधारणा के द्वारा समाधान के लिए प्रेरित किया. सम्मेलन के संयोजक श्री अमिताभ ज्ञान रंजन ने सभी प्रतिभागियों एवं कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी व्यक्तियों के संयुक्त प्रयासों की प्रशंसा की. दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष व्याख्यानों की श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसमें गणित के प्रमुख विद्वान प्रो. लीना मल्लोज़्जी, प्रो. एस. के. मिश्रा, प्रो. ओमप्रकाश, प्रो. गोपाल दत्त, प्रो. आर. के. उपाध्याय, डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रो. एस. के. पांडे, प्रो. प्रभात चंद्र, प्रो. रा. न. महापात्र, प्रो. पेरी रेने मार्कल, प्रो. एस. मुखोपाध्याय, प्रो. रोशन कुमार, प्रो. बी. तिवारी, प्रो. एम. के. पटेल, डॉ. वरुण कुमार, डॉ. मयंक श्रीवास्तव, डॉ. जे. पी. त्रिपाठी, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. त्रिलोकी नाथ, डॉ. रवि श्रीवास्तव, डॉ. ए. के. पांडे ने शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित की विभिन्न विषयों पर अपने नवीनम अनुसंधान पर व्याख्यान दिए. सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए संयोजक की भूमिका में प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी, डॉ. राजेश प्रसाद, श्री अमिताभ ज्ञान रंजन एवं आयोजन सचिव की भूमिका में डॉ. बबीता मिश्रा, डॉ. शिव कुमार सिंह ने कार्य किया. गणित विभाग के शोधार्थी अपूर्वा भारती, हामदा ईमाम, कंचन सिंह, रमेश कुमार, अजीत कुमार, प्रवीण कुमार, सुदेश कुमार, अवनीय कुमार, रीतेश कुमार पाठक छात्र-छात्राओं एवं रसायन शास्त्र विभाग के शोधार्थी राहुल वर्मा भी उपस्थित थे.

डिजिटल और तकनीकी प्रगति से पुस्तकालय समृद्ध- प्रो. श्रीवास्तव

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, संगणक विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'डिजिटल एंड टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट फॉर सस्टेनेबल लाइव्हेरीज' विषय पर बनकट स्थित बुद्ध परिसर के बृहस्पति सभागार में आयोजित हुई।



अन्धा वह नहीं है जो देख नहीं सकता ।
अन्धा वह है जो देखकर भी अपने दोषों पर पर्दा डालने का प्रयास करता है ।
- महात्मा गांधी



संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की और मुख्य अतिथि प्रो. के. एल. महावर, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय विज्ञान विभाग, बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ थे । स्वागत संगोष्ठी के आयोजन सचिव प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने की । अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि तकनीकी के निरंतर विकास और परिवर्तन से पुस्तकालयों को उसके अनुरूप ढालने की चुनौती बढ़ गई है । आज ई-लाइब्रेरी की अवधारणा तेजी से फलीभूत हुआ । डिजिटल और तकनीकी प्रगति से पुस्तकालय समृद्ध हुई है लेकिन शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उसके सुविधा के अनुरूप सामग्री उपलब्ध कराना आवश्यक है ।



मुख्य अतिथि प्रो. महावर ने कहा कि डिजिटल और तकनीकी प्रगति से पुस्तकालय की संरचना में अभूतपूर्व बदलाव आए है । इससे परंपरागत पुस्तकालय की महत्ता समाप्त नहीं हो जाती है । लेकिन समय की मांग है कि तकनीकी के अनुरूप पाठक और पुस्तकालय प्रदाता अपने को ढाल लें । की-नोट स्पीकर प्रो. आदित्य त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय विज्ञान विभाग बीएचयू ने विषय की प्रासंगिकता और उसके विविध आयामों पर प्रकाश डाला । स्वागत भाषण में प्रो. चौधरी ने संगोष्ठी की आवश्यकता को बताते हुए अतिथियों का स्वागत किया । संगोष्ठी के

प्रथम दिन दो तकनीकी सत्रों का भी आयोजन हुआ । जिसमें शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र पढ़े । तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो. आदित्य त्रिपाठी ने की । वक्ता डॉ. स्नेहा त्रिपाठी और रेपोर्टियर्स डॉ. अभिलाषा प्रियदर्शनी और डॉ. कंचन लता भारती थी । संगोष्ठी में प्रो. संगीता सिंह, आशीष कौशिक, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. मनीष यादव, प्रो. मोहमद असलम खान आदि शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए । धन्यवाद ज्ञापन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सपना ने की । संगोष्ठी में कुल ४६ शोध पत्र प्राप्त हुए जिसमें से २८ शोध पत्र शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए । संगोष्ठी में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव द्वारा 'डिजिटल एंड टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट फॉर सस्टेनेबल लाइब्रेरीज' पर आधारित सारांश पुस्तक का लोकार्पण किया गया ।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय गुणात्मक एवं मात्रात्मक कार्यशाला सम्पन्न

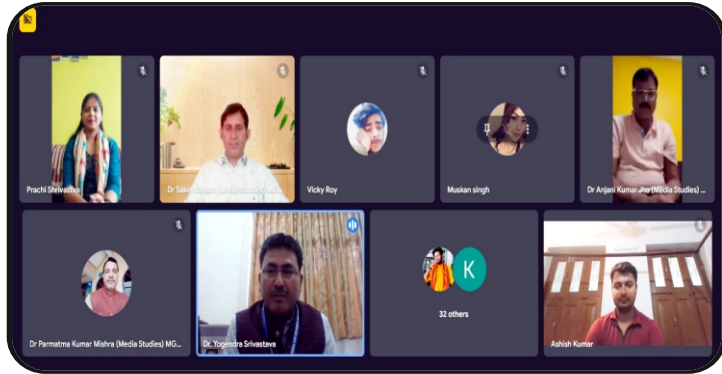


एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में चार दिवसीय गुणात्मक एवं मात्रात्मक कार्यशाला आयोजित हुई । कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कार्यशाला का उद्घाटन किया । कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में प्रो. मनीषा मल्होत्रा, अर्थशास्त्र विभाग, बीएचयू, और प्रो. मनोज कुमार जेना सीएसएसएस जेएनयू, नई दिल्ली उपस्थित थे । कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक विज्ञान विभाग के अधिष्ठाता प्रो. सुनील महावर के स्वागत भाषण से हुई । अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश प्रधान ने विभाग में कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने विषय की प्रासंगिकता की चर्चा करते हुए छात्रों को शोध की दिशा में प्रेरित करते हुए सफलता की कामना की ।



प्रो. जेना ने मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान तकनीकों पर एक वैचारिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में, आईआईटी पटना के सहायक प्रो. डॉ. राजेंद्र प्रमाणिक ने सरल और एकाधिक प्रतिगमन मॉडल के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार चौधरी ने एक सत्र में सिद्धांत, विधि और व्यवहार पर व्याख्यान दिया। समारोह के अंतिम दिन प्रो. मृत्युंजय मिश्रा, (बीएचयू) मुख्य अतिथि थे। उन्होंने शोध की बारीकियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में भारत के अलग-अलग राज्यों से छात्रों ने भागीदारी ली। समारोह में संयोजक समिति के डॉ. बिधु भूषण मिश्र, डॉ. संजय सिंह, डॉ. मृत्युंजय व डॉ. श्वेता, डॉ. इरशाद व डॉ. उमेश तलवार उपस्थित थे।

नई संसद वास्तविक स्वतंत्रता का परिचायक : प्रो. श्रीवास्तव
● नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ पर केविवि में व्याख्यान आयोजित



एमजीसीयू न्यूज। मीडिया अध्ययन विभाग महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - २०२३ विषयक संगोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अंजनी कुमार झा ने की। मुख्य अतिथि हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव रहे।

स्वागत उद्बोधन देते हुए मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ के संदर्भ में एक जुलाई २०२४ से कानून में होने वाले परिवर्तन की विस्तृत जानकारी होनी आवश्यक है, ताकि अपने अधिकारों को लेकर भविष्य के पत्रकार सजग हो सकें।

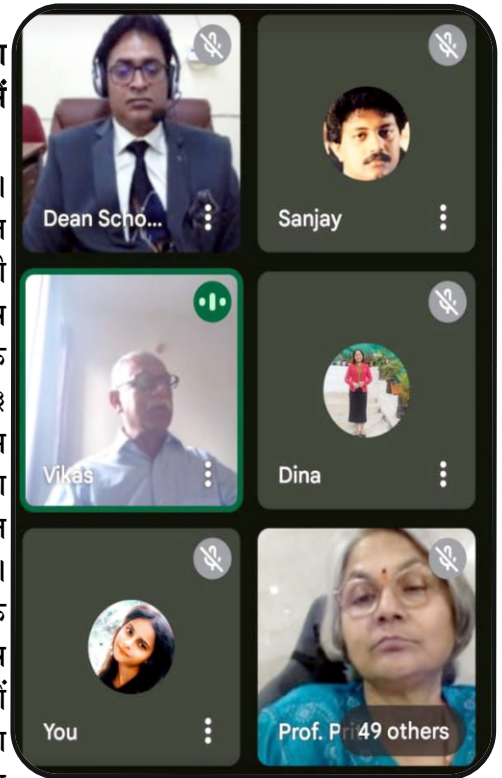
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नई संसद हमारी वास्तविक स्वतंत्रता का परिचायक है। यह संसद और भारतीय नागरिक संहिता २०२३ भारत के स्वतंत्र विचार को स्थापित करता है। उन्होंने भारतीय नागरिक संहिता, भारतीय दंड संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता पर प्रकाश डालते हुए सीआरपीसी के कमियों को समझाया। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ संविधान से दासता के प्रभाव को खत्म करने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आयोजन समिति में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा, डॉ. सुनील दीपक घोड़के एवं डॉ. उमा यादव शामिल रहे। संचालन प्राची श्रीवास्तव, अतिथि

परिचय आशीष कुमार जबकि धन्यवाद ज्ञापन मुस्कान सिंह ने दिया। कार्यक्रम में प्रतीक कुमार, आकाश सिंह राठौर, आर्यन सिंह, रुचि भारती, अंजली चौधरी व रविशंकर मिश्रा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

'नया आपराधिक कानून' पर ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का आयोजन
एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संगणक विज्ञान, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा 'नया आपराधिक कानून' पर ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि प्रो. प्रीति सक्सेना, पूर्व डीन स्कूल आफ लीगल स्टडीज बीबीएयू, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि श्री विकास सक्सेना, माननीय न्यायिक सदस्य यूपी स्टेट उपभोक्ता निवारण आयोग लखनऊ तथा की-नोट स्पीकर श्री महेंद्र सिंह, माननीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उच्च न्यायालय इलाहाबाद थे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. रंजीत कुमार चौधरी डीन, एससीएसआईसीटी थे।

न्याय संहिता में भारत शब्द समागम और एकात्मकता का प्रतीक : प्रो. शाही

- केविवि के मीडिया अध्ययन विभाग में व्याख्यान आयोजित
एमजीसीयू न्यूज। मीडिया अध्ययन विभाग महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - २०२३ के विविध आयाम विषयक संगोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया अध्ययन



विभाग के अध्यक्ष प्रो. अंजनी कुमार झा ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर स्कूल ऑफ लॉ, केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. सर्वेश कुमार शाही व विशिष्ट वक्ता स्कूल ऑफ स्कूल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. केशरीनंदन शर्मा उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता डॉ. केशरीनंदन शर्मा ने मीडिया और भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम २०२३ पर प्रकाश डाला। डॉ. शर्मा ने अपने वक्तव्य की शुरुआत कम्प्यूनिटी सर्विस और दंड प्रावधानों से की। उन्होंने कहा कि नए कानूनों और प्रावधानों के माध्यम से आईपीसी की कमियों में

सुधार की सार्थक पहल की गई है। साथ ही उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और प्रिंट पत्रकारिता से जुड़े दंड प्रावधानों को भी समझाया। मुख्य वक्ता डॉ. सर्वेश कुमार शाही ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता के शीर्षक का प्रयोग ही साफ नियत को दिखाती है। यह न्याय संहिता हमें १६३ साल पुरानी दासता प्रभावित कानूनों से स्वतंत्रता दिलाएगी। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता २०२३ के माध्यम से डीपफेक जैसे साइबर क्राइम में भी अपराधियों को दंडित किया जा सकता है।

जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

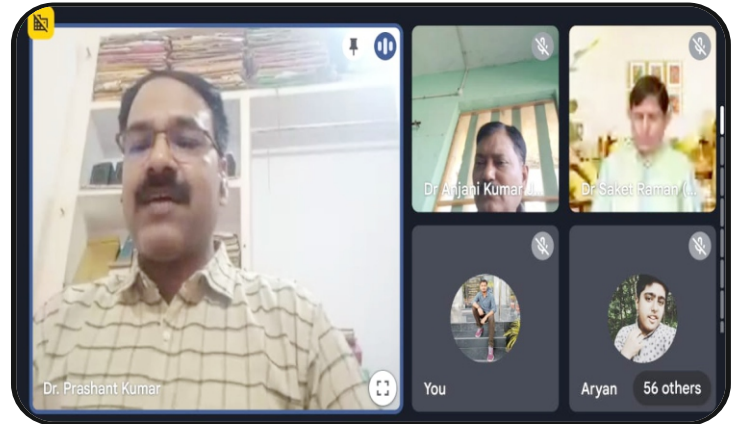


एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने नए आपराधिक कानूनों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से संबंधित कानूनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वकील श्री शुभम सौरव थे। व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर विशेष ध्यान देने के साथ आपराधिक कानूनों में हाल के संशोधनों के बारे में शिक्षित करना था। श्री सौरव ने नए संशोधनों के बारे में जानकारी प्रदान की, जिससे प्रतिभागियों की कानूनी रूपरेखाओं और प्रक्रियाओं के बारे में समझ बढ़ी। स्वागत भाषण जेंडर



सेंसिटाइजेशन सेल की अध्यक्ष डॉ. सपना सुगंधा ने दिया, जिसमें उन्होंने विषय के महत्व और लैंगिक समानता और न्याय को बढ़ावा देने के लिए सेल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कार्यक्रम में छात्र, संकाय सदस्य, वरिष्ठ प्रोफेसरों सहित ८५ से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे। व्याख्यान और वार्ता के अलावा, जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने छात्रों को शामिल करते हुए जागरूकता अभियान चलाया। ऐसी ही एक पहल में नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता से संबंधित नारा-लेखन गतिविधियों का आयोजन शामिल था। इन अभियानों में छात्रों को सक्रिय रूप से शामिल करके, सेल का उद्देश्य विश्वविद्यालय समुदाय के बीच जागरूकता और वकालत की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

मीडिया ट्रायल और डिजिटल साक्ष्य का महत्व सबसे अधिक : डॉ. प्रशांत



एमजीसीयू न्यूज। मीडिया अध्ययन विभाग महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय साक्ष्य अधिनियम २०२३ और मीडिया विषयक संगोष्ठी का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अंजनी कुमार झा ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, एसआरएम विश्वविद्यालय लखनऊ के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव व विशिष्ट वक्ता सहायक प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. साकेत रमण ने दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता डॉ. महेंद्र कुमार ने मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज में सकारात्मकता लाने का काम करती है तथा कानूनों के अनुपालन में इसका बड़ा योगदान है। मीडिया के माध्यम से ही समाज के समस्याओं को प्रकाश में लाया जा सकता है। मुख्य वक्ता डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मीडिया ट्रायल और डिजिटल साक्ष्य का किसी भी मुकदमे में सबसे अधिक महत्व होता है। साक्ष्य के आधार पर ही सूचना का सत्यापन संभव है अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि पत्रकारों के पास भी कानून की व्यापक जानकारी होनी चाहिए। आयोजन समिति में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्रा, डॉ. सुनील दीपक घोड़के एवं डॉ. उमा यादव शामिल रहे। संचालन प्राची श्रीवास्तव, अतिथि परिचय रविशंकर कुमार मिश्र व अंजली चौधरी जबकि धन्यवाद ज्ञापन आर्यन ने दिया।



परिस्थितियाँ बदलने से चरित्र का दोष दुरुस्त नहीं हो जाता ।

- एमर्सन

उपलब्धियों भरा रहा कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव का एक वर्ष

● इस एक वर्ष में विश्वविद्यालय परिवार ने अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल की

● एमजीसीयू ने अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति



प्रो. संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में पिछले एक वर्ष में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल की। विश्वविद्यालय ने १९ अक्टूबर, २०२३ को अपने पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विश्वविद्यालय ने २०१८, २०१९, २०२०, २०२१, २०२२ और २०२३ बैच के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को आधिकारिक रूप से सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सम्मिलित हुईं। समारोह में श्री राजेंद्र विश्वनाथ अल्लेकर, राज्यपाल, बिहार, श्री नीतीश कुमार, बिहार के मुख्यमंत्री, और श्री राधा मोहन सिंह, पूर्वी चंपारण के सांसद, सम्मानित अतिथि बने।

इस एक वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए -

- एमजीसीयू को अतिरिक्त १२७.२६ एकड़ भूमि प्रदान किया गया है, जिससे कुल भूमि १३४ एकड़ से बढ़कर २६१.२६ एकड़ हो गई है। यह आवंटन बिहार कैबिनेट द्वारा अनुमोदित हुआ है और यह एमजीसीयू के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। जिसके परिणामस्वरूप भवन निर्माण हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) पर कार्य शुरू हुआ।
- अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में अनुदान की शुरुआत की गयी। जिसका उद्देश्य अनुसंधान विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, उन्हें अपनी नवीन परियोजनाओं को जोश और समर्पण के साथ आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना है। अनुसंधान प्रोत्साहन योजना में सहायक प्रोफेसरों के लिए २ लाख सीड मनी अनुदान के रूप में दिया गया।
- एमजीसीयू ने शुल्कों में सुधार का कदम उठाकर अपने छात्रों और शोधकर्ताओं को एक और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया।
- पीएचडी के लिए एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की गई है। लगभग ४० से अधिक शोधार्थी अपने शोध प्रबंध मूल्यांकन हेतु जमा कर चुके हैं।
- विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के सुचारू संचालन और बेहतर प्रबंधन को सुनिश्चित करने, प्रशासनिक, शैक्षणिक और वित्तीय संचालन को

सुव्यवस्थित करने के लिए एक अत्याधुनिक पोर्टल समर्थ को अपनाया गया है।

- बुद्ध परिसर में स्थित बृहस्पति सभागार का पूर्ण नवीनीकरण किया गया है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए अधिक अनुकूल और आधुनिक स्थान उपलब्ध हुआ है।
- जीव एवं भौतिक विज्ञान विभाग को रासायनिक और प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद, अनुसंधान बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और उन्नत वैज्ञानिक अध्ययन की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण धन आवंटित किया गया।
- शोध प्रबंधों के लिए रासायनिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों में व्यापक और उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने में सक्षम हो सकते हैं।
- एमजीसीयू के कई शिक्षकों ने हाल ही में अपने शोध के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रस्तुति, फेलोशिप, अवार्ड की दिशा में बेहतर प्रदर्शन रहा है।
- अनेक शोधकर्ताओं के अभिलेख विख्यात पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, जो शोधार्थी का विश्वविद्यालय के प्रति समर्पण को प्रतिबिम्बित करते हैं।
- विश्वविद्यालय के कई छात्रों ने अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्राओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कई छात्रों ने न केवल राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) सफलता पूर्वक उत्तीर्ण की है, बल्कि प्रतिष्ठित जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) भी हासिल की है। इसके अतिरिक्त, कई छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए सम्मानित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। प्रसिद्ध कंपनियों और संस्थानों में १०० से अधिक छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की अधिकांश अनुशंसाओं को लागू कर दिया गया है।
- एमजीसीयू राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से मान्यता के लिए आवेदन करने की तैयारी कर रहा है।

भविष्य में विश्वविद्यालय अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं और सीखने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए स्थायी परिसर के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अक्षुण्ण भारतीय संस्कृति के चिंतक - प्रो. श्रीवास्तव



एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के सामाजिक विज्ञान संकाय के तत्वावधान में “राष्ट्र निर्माण में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का योगदान” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन



स्पष्टवक्ता न वञ्चकः । पञ्च.११.५५ स्पष्ट बोलने वाला छल रहित होता है ।



किया गया। डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की १३३वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जीवन के प्रारंभिक दौर में सामाजिक विभेद का शिकार रहे, किंतु उनकी दृष्टि अपने उद्देश्य से नहीं भटकी। उन्होंने सदैव स्वयं को व्यापक संदर्भ से जोड़कर रखा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री राम कुमार (सामाजिक चिंतक) ने कहा कि मन का संकल्प उन प्रश्नों का उत्तर है जो समाज से उपजते हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिष्कार के चिंतक हैं। डॉ. अम्बेडकर जीवन में कर्म के प्रयत्न को महत्वपूर्ण मानते थे। वह अवतारवाद के समर्थक नहीं हैं। उनका अटल विश्वास है कि मनुष्य के 'स्व' में उसका मानव रूप अवस्थित है। मनुष्य होने एवं बने रहने की प्रक्रिया में सार्थक कर्म सहयोगी है।



मुख्य वक्ता प्रो. रिपु सूदन सिंह, आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, समाज विज्ञान संकाय, बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का व्यक्तित्व विभिन्न भूमिकाओं से निर्मित 'ग्लोबल व्यक्तित्व' है। अपनी पुस्तकों में वह 'धर्म' और 'रिलीजन' के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हैं। उनका मानना था कि भारतीय संदर्भ में धर्म रिलीजन नहीं है। धर्म अभ्युदय का मार्ग है। जिसके केंद्र में परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व एवं ब्रह्मांड का उत्कर्ष है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट वक्ता प्रो. नरेंद्र कुमार, आचार्य, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, समाज विज्ञान संकाय जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,

नई दिल्ली ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर की दृष्टि आधारभूत सामाजिक प्रगति के साथ 'हॉलिस्टिक प्रगति' की पक्षधर है। संगोष्ठी के प्रारंभ में सभी का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. मुकेश कुमार ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन विपरीत परिस्थितियों में सतत संघर्ष का संदेश है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक प्रो. सुनील महावर, अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय ने डॉ. अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर महत्व डालते हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित लघु चलचित्र का प्रदर्शन किया गया। लघु चलचित्र का चयन, संयोजन डॉ. अम्बेडकर अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. अभय विक्रम सिंह ने किया।

केवि वि के १६ विद्यार्थियों का कमाल, एक साथ पीएनबी में बनें विशेषज्ञ अधिकारी

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि अंतर्गत प्रबंध विज्ञान विभाग से उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने कमाल कर दिया है। चालू वर्ष में बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) की परीक्षा पास कर एक साथ १६ विद्यार्थियों को पंजाब नेशनल बैंक में विशेषज्ञ अधिकारी विपणन पद पर नियुक्ति मिली है। यह जानकारी प्रबंध विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. पवनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि आईबीपीएस द्वारा तीन चरणों में ली गई परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि हासिल की है। उनकी यह सफलता आगे के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने पीएनबी में विशेषज्ञ अधिकारी विपणन पद पर मिली नियुक्ति पर खुशी जाहिर कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सफल विद्यार्थियों में सत्र २०१९-२१ के अभिनव आशीष, सुमित कुमार व पायल कुमारी, सत्र २०२१-२३ के आयूषी, वत्सला, राज कुमार, प्रियेश, राहुल व चंदन कुमार, सत्र २०२०-२२ के दीपक कुमार दूबे, सत्र २०१६-१८ के अंबिका कुमार, सत्र २०१८-२० के विकास कुमार उपाध्याय, अविनाश कुमार व बन्लू कुमार, सत्र २०१७-१९ के अमित कुमार व कंचन कुमारी रही।



केविवि के तीन विद्यार्थियों को बिहार खाद्य निगम लिमिटेड में सहायक प्रबंधक पद पर मिली नियुक्ति

एमजीसीयू न्यूज। बिहार सरकार के विभाग 'बिहार खाद्य निगम लिमिटेड' में प्रबंध विज्ञान विभाग से उत्तीर्ण तीन विद्यार्थी सहायक प्रबंधक पद पर नियुक्त हुए हैं। इनमें सलोनी कुमारी, श्रुति सिंह व शुभ्रांशु झा शामिल हैं। सलोनी कुमारी प्रबंध विज्ञान विभाग की सत्र २०१८-२० की विद्यार्थी हैं। वहीं श्रुति सिंह सत्र २०१९-२१ की पास आउट हैं। जबकि, शुभ्रांशु झा सत्र २०२०-२२ में प्रबंध विज्ञान विभाग से उत्तीर्ण हुए थे। यह जानकारी प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. पवनेश कुमार ने दी। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता को केंद्रीय विवि खासकर प्रबंध विज्ञान विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी जाहिर कर शुभकामनाएं दी हैं।

डॉ. आंबेडकर का पत्रकारिता में अद्वितीय योगदान-प्रो. सुनील महावर



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में 'बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की पत्रकारिता में सामाजिक- सांस्कृतिक चेतना' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम के संरक्षक एमजीसीयूबी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य वक्ता प्रो. सुनील महावर, अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान संकाय, विशिष्ट वक्ता नीतीश कश्यप, आरएसएस के विभाग प्रचारक, चंपारण थे। अध्यक्षता डॉ. अंजनी कुमार झा, विभागाध्यक्ष मीडिया अध्ययन विभाग तथा संयोजक व संचालक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र थे। धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापिका डॉ. उमा यादव ने की।

बतौर मुख्य वक्ता प्रो. सुनील महावर ने कहा कि देश की आजादी में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का योगदान गांधी जी से कम नहीं था। उनका योगदान केवल दलितों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के लिए था। उनके संविधान में विशेष योगदान को कभी नहीं बुलाया जा सकता है। उन्होंने समाज की तुलना जहाज से करते हुए कहा कि जिस तरह जहाज के किसी एक हिस्से में छेद हो जाता है तो पूरा जहाज डूब जाता है, उसी प्रकार समाज के किसी एक जाति विशेष के साथ यदि अत्याचार होता है तो पूरे समाज को नुकसान उठाना पड़ता है।

विशिष्ट वक्ता नीतीश कश्यप, विभाग प्रचारक, चंपारण ने कहा कि



अंबेडकर को जानने के लिए उन्हें पढ़ना नहीं समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जहां हम पशु, पक्षियों की तरफ भी प्रेम और सद्भावना दिखलाते हैं वहीं, दूसरी तरफ अपने समान मनुष्य के साथ पशु से भी बुरा व्यवहार करते हैं। उनका कहना था कि आज समाज में एकता से ज्यादा समता की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि देश की आजादी में आंबेडकर का योगदान किसी अन्य सेनानी से कम नहीं था परंतु उस समय और आज के आजाद भारत में भी उनके जाति के कारण उनका बहिष्कार हो रहा है। जरूरत है कि हम इस भेदभाव को खत्म कर एक साथ आगे बढ़ें। संचालन करते हुए डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने डॉ. आंबेडकर की पत्रकारिता में सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर का सम्पूर्ण जीवन समाज के निचले वर्गों के साथ समाज और राष्ट्र को समर्पित था। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र सिंह तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक मनु शेखर, पूर्वी चंपारण सहित विभाग के शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष सहयोग लकी कुमार, अपूर्वा त्रिवेदी, अंकित कुमार, आदर्श मिश्र की थी।

Shakespeare's work is still relevant and timeless - Prof. Sanjay Srivastava



MGCU News. An international seminar on the topic "Shakespeare Today in Indian Context" was organized in blended mode on the occasion of the 460th birth anniversary of William Shakespeare, popularly known as the Bard, under the aegis of Harmony, English Literary Society, Department of English, Mahatma Gandhi Central University at Pt. Raj Kumar Shukla Auditorium, Chanakya Campus.

The chief patron and chairman of the seminar, Vice -



अपनी बुराई को अपने से पहले मर जाने दो।

- फ्रेंकलिन



Chancellor Prof. Sanjay Srivastava, in his presidential address, emphasised Shakespeare's intellectual agility and poetic skill. He said that Shakespeare defies classification. He praised the English department for such an exemplary seminar on Shakespeare.

Patron of the symposium, Prof. Prasoon Dutt Singh, Dean, School of Humanities and Languages, MGCU, addressed the gathering, and discussed the enduring relevance of Shakespeare in the modern context and drew parallels between Shakespeare and Kalidas.

Convenor and Head of the English Department, Dr. Bimalesh Kumar Singh, welcomed the guests. Sharing his views on Shakespeare, he said that Shakespeare is the most accepted writer of today's times and his characters are full of the zest of life. The programme was conducted by Co-Convenor, Assistant Professor Dr. Umesh Patra.

The keynote speaker of the programme, Professor R.P. Singh of the Department of English, Lucknow University, delivered his lecture highlighting the enduring relevance of Shakespeare in modern Indian society. Prof. Vipin Kumar Singh of the Department of English, CUSB spoke on the relevance of Shakespeare in the Indian context and emphasized how Shakespeare's focus on universal human emotions makes him accessible to all. Professor Amarnath Prasad, Department of English, JP University, Chapra delivered his lecture, impressively discussing the enduring relevance of Shakespeare in the modern context. Dr. Alka Singh, Department of Legal Studies, RMLNLU also joined the session and shared her views on Shakespeare.

Similarly, Dr. Xandro Maximilian, ELE Department, ITTE, PGRI B Lampung, Indonesia, delivered his speech, discussing the enduring relevance of Shakespeare in the modern context, with a special focus on the teaching perspective. He discussed ways of teaching Shakespeare in English classes, emphasizing on how Shakespeare addresses moral dilemmas and promotes critical thinking. Dr. Kalyani Hajri, Assistant Professor, Department of English, presented the vote of thanks. The role of Assistant Professors in the Department of English, Dr. Umesh Patra, Dr. Kalyani Hajri, Shri Balande Chandoba Narsingh, and Dr. Deepak along with researchers and students Mrityunjay Azad, Ayush Ranjan, Vineet Kumar, and Anand Kumar was commendable in the successful organization of the program.

मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा "फैक्ट चेक" विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गाँधी केंद्रीय विवि के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ल सभागार में "फैक्ट चेक" विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला प्रशिक्षक के रूप में वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया विशेषज्ञ सुमिता जायसवाल उपस्थित थी। अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने की। विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रणवीर सिंह, अध्यक्ष, जंतु विज्ञान विभाग एवं

आईक्यूएसी संयोजक थे। संचालन कार्यशाला संयोजक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील दीपक चोड़के ने की।

बतौर मुख्य प्रशिक्षिका श्रीमती सुमिता जायसवाल ने कहा कि समाचार के विभिन्न माध्यमों विशेषकर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं का प्रसारण कई बार बिना जांच-पड़ताल के ही कर दिया जाता है, जिससे समाज गुमराह होता है और कई समस्याएं खड़ी हो जाती हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि डीप फेक जैसे टूलस के द्वारा फोटो, वीडियो एवं आवाज को बदल कर इसका गलत इस्तेमाल का प्रचलन काफी गंभीर समस्या के रूप में सामने आया है। इसके लिए फैक्ट चेक एक मजबूत हथियार है।



विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रणवीर सिंह ने कहा कि आज सूचनाओं, विचारों और तस्वीर को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। इससे समाज में द्वेष और ईर्ष्या को भी बढ़ावा मिल रहा है जिस पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। संचालन करते हुए डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि मिस-इन्फॉर्मेशन और डिस-इन्फॉर्मेशन से आज समाज में विश्वसनीयता का संकट पैदा हो गया है। विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील



दीपक घोड़के ने धन्यवाद देते कहा कि फैक्ट चेकिंग असत्य सूचनाओं से बचने का कारगर उपाय है। विभागकी सहायक आचार्य डॉ. उमा यादव सहित शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयूबी) ने हाल ही में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल), पटना के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नेतृत्व पर एक कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। ५ दिनों की अवधि के लिए आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य बीएसपीएचसीएल के अधिकारियों को गतिशील व्यावसायिक परिदृश्य के भीतर नेतृत्व भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए आवश्यक नवीनतम अंतर्दृष्टि, रणनीतियों और व्यावहारिक उपकरणों से लैस करना था।

एमजीसीयूबी में प्रबंधन विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सपना सुगंधा ने प्रतिभागियों को प्रभावशाली शिक्षण अनुभव प्रदान करने के प्रयासों का नेतृत्व करते हुए कार्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ. सुगंधा ने सम्मानित सहकर्मियों डॉ. अलका लालहॉल, डॉ. स्वाति कुमारी, डॉ. शिवेंद्र सिंह और डॉ. अवनीश कुमार के साथ मिलकर पूरे कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों को आयोजित किया, अपनी विशेषज्ञता साझा की और प्रतिभागियों को नेतृत्व उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में बीएसपीएचसीएल के भीतर विभिन्न भूमिकाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले ३० अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिनमें महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, उप सचिव, कानून सलाहकार, अवर सचिव, वरिष्ठ प्रबंधक, उप कानून सलाहकार, कानून अधिकारी और ईएसई शामिल थे। प्रतिभागियों के इस विविध मिश्रण ने चर्चाओं को समृद्ध किया और सहयोगात्मक सीखने के माहौल को बढ़ावा दिया। श्री राजीव रंजन चौबे, डॉ. स्नेहा चौरसिया, सुश्री ऐश्वर्या सिंह और सुश्री सुरभि सुमन ने कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वय किया और निर्बाध निष्पादन सुनिश्चित किया।

प्रबंध विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने गोरखपुर का किया शैक्षणिक व औद्योगिक परिभ्रमण

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के अंतर्गत प्रबंध विज्ञान विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थी औद्योगिक व शैक्षणिक दौरे पर गोरखपुर गए। प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवनेश कुमार के नेतृत्व में विद्यार्थी पहले पंडित दीन दयाल उपाध्याय विवि, गोरखपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। जहां व्यवसाय प्रशासन विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें दोनों विवि के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने दोनों विवि के विद्यार्थियों के बीच आयोजित कार्यक्रम को ज्ञान, अनुभव व विनिमय का एक बड़ा मंच बताया। व्यवसाय प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीवर्धन पाठक ने छात्रों को व्यावसायिक परिदृश्य की बेहतर समझ व औद्योगिक अपेक्षाओं के अनुकूल स्वयं में ढालने के लिए शैक्षणिक व औद्योगिक परिभ्रमण को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संयोजन कर रहे प्रो. अनिल कुमार यादव ने विद्यार्थियों को इस प्रकार के दौरों को अवसर के रूप में लेने की बात कही। प्रो. मनीष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मदद मिलती है। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों का दल गोरखपुर मंदिर पहुंचा। जहां पूजा-अर्चना कर विद्यार्थियों ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। फिर विद्यार्थियों का दल औद्योगिक दौरे पर एसडी इंडस्ट्रीज (प्लास्टिक का बोतल का निर्माण होता है) परिसर पहुंचा। प्रो. पवनेश ने बताया कि व्यवसाय के लिए मूलभूत जरूरत और छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए उन्हें इंडस्ट्रीयल विजिट पर लाया गया। इस प्रकार के विजिट से बच्चों में काम को लेकर आत्मविश्वास बढ़ता है। मौके पर प्रबंध विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. कमलेश कुमार व विद्यार्थी उपस्थित थे।

कामना से नहीं, बल्कि उद्यम से ही सभी कार्य होंगे सिद्ध: प्रो. आनंद

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि की वाणिज्य विज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर आयोजित हुई। शिविर की शुरुआत प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक प्रो. पवनेश कुमार एवं सह संयोजक डॉ. अवनीश कुमार ने संयुक्त रूप से पहुंचे प्राध्यापकों का स्वागत कर की। प्रथम सत्र में शिविर को संबोधित करते हुए प्रो. आनंद प्रकाश ने उद्यमिता की सार्थकता पर बात की। उन्होंने उद्यमिता को सभी कार्यों को सिद्ध करने वाला उपकरण बताया। भौतिकी विभाग के प्रो. अजय कुमार गुप्ता ने उद्यमिता के ऐतिहासिक संदर्भ पर चर्चा की। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने शिविर के आयोजन के महत्व को विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। वहीं सफल उद्योगपतियों का उदाहरण देकर विद्यार्थियों का मनोबल भी बढ़ाया। दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुब्रतो राय उद्यमिता में नवाचार पर जोर दिया और प्रेरक उदाहरण के जरिए मौजूद छात्र-छात्राओं को उद्यमिता का महत्व बताया। तीसरे सत्र में वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रविश चंद्र वर्मा ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि के मुताबिक व्यवसाय का चयन करने के बाद इस दिशा में पूरी ताकत से आगे बढ़ने व परिस्थितियों को परखते हुए आगे बढ़ने की सलाह दी। अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कमलेश कुमार ने नए उत्पाद के विकास में रिसर्च एवं डेवलपमेंट को उपयोगी बताया। शिविर का संचालन वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अवनीश कुमार ने किया। मौके पर वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र सिंह, अतिथि प्राध्यापक डॉ. आशुतोष कुमार के अलावा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल कार्यशाला में फिल्मों का प्रदर्शन

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पंडित राजकुमार शुक्ला सभागार में 'ऑब्जरवेशन ऑफ फिल्म एंड विजुअल' विषयक विशेष कार्यशाला का आयोजन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुई। स्वागत भाषण में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण होती है। फिल्मों की गहरी और सूक्ष्म समझ विकसित करना



**If you want to shine like the sun,
first burn like the sun.**

- Dr. APJ Abdul Kalam

फ़िल्म अध्येता और जागरूक दर्शक की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। हमें यह समझना चाहिए फिल्म के हर एक दृश्य में एक संदेश छुपा होता है। फिल्म की प्रस्तुति के बाद विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर सुनील दीपक घोडके द्वारा 'कवि और 'बत्ती' फिल्मों के बारे में छात्रों को बताया की फिल्म में दर्शाए गए दृश्य अद्भुत है।



छात्रा वागीशा श्रीवास्तव द्वारा बाल मजदूरी पर आधारित फिल्म "कवि" की प्रस्तुति की गई जो एक ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म है। फ़िल्म बंधुआ



मजदूर और बाल मजदूरी पर केन्द्रित है। बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के आदित्य कुमार ने "बत्ती ; डॉन्ट जज बुक बाई इट्स कवर" नामक फिल्म की प्रस्तुति की। फिल्म में दर्शाया गया है कि कभी किसी को देखकर उसके बारे में अपनी राय नहीं बनानी चाहिए।

बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र अभिषेक कुमार ने जीरो नामक फिल्म की प्रस्तुति की जो की ब्रह्मानंद फिल्म फेस्टिवल से पुरस्कृत है। फिल्म में दर्शाया गया है कि इंसान धैर्य के साथ यदि निरंतर प्रयास करते रहे तो तकदीर बदलने में समय नहीं लगती। अंत में बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर छात्रा रिया कुमारी ने 'रूपा' नामक फिल्म की प्रस्तुति की जो मुंबई फिल्म फेस्टिवल से पुरस्कृत है। धन्यवाद ज्ञापन प्राची मिश्रा ने की। कार्यक्रम के आयोजन और संयोजन में बीएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र आर्यन सिंह का अहम योगदान रहा।

केविवि के विद्यार्थी को देश की प्रतिष्ठित कंपनी में मिली नियुक्ति

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि अंतर्गत प्रबंध विज्ञान विभाग के फोर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत रौशन सिन्हा को प्रतिष्ठित कंपनी इंडियामार्ट इंटरमेश लिमिटेड कंपनी में मिली नियुक्ति के बाद विवि परिवार में हर्ष व्याप्त है। कंपनी में रौशन का सालाना पैकेज ४ लाख

रूपए होगा। वह अगले माह ६ जून को कंपनी ज्वाइन करेंगे। यह जानकारी प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कंपनी एनसीआर/दिल्ली अंतर्गत शहादरा रौशन का कार्य क्षेत्र होगा। वह यहां पर एग्जीक्यूटिव क्लाइंट सर्विसिंग के पद पर कार्य करेंगे। उन्होंने निकट भविष्य में प्रबंध विज्ञान विभाग में अध्ययनरत और भी विद्यार्थियों के देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्ति मिलने की उम्मीद जाहिर की है। विभाग के प्राध्यापकों ने रौशन की सफलता पर खुशी जाहिर कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रबंध विज्ञान विभाग की प्लेसमेंट कॉर्डिनेटर सह प्राध्यापक डॉ. सपना, डॉ. अरूण कुमार, डॉ. अलका ललहाल, डॉ. कमलेश कुमार आदि ने बधाई दी है।

लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयूबी) सक्रिय उपायों और शैक्षिक पहलों के माध्यम से महिला शिक्षकों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए एक सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, लिंग संवेदीकरण सेल (जीएससी) और आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने लैंगिक संवेदनशीलता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। जीएससी की अध्यक्ष और आईसीसी की सदस्या डॉ. सपना सुगंधा ने मुख्य वक्ता के रूप में सत्र का नेतृत्व किया। आईसीसी की अध्यक्ष प्रो. शहाना मजूमदार ने भी सभा को संबोधित किया, उन्होंने आईसीसी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और जीएससी के साथ-साथ इसके सदस्यों का परिचय दिया। व्याख्यान में लगभग ३० छात्रों ने भाग लिया।

जागरूकता शिविर: असफलता को सीखने के अवसर के रूप में युवा उद्यमी: प्रो. सुनील

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि की कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर शुरू हो गया। जिला स्कूल स्थित विवि के चाणक्य परिसर अंतर्गत राजकुमार शुक्ल सभागार में आयोजित शिविर की शुरुआत प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक प्रो. पवनेश कुमार



एवं सह संयोजक सहायक प्राध्यापक डॉ. विपिन कुमार ने स्वागत कर की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. सुनील श्रीवास्तव ने उद्यमियों की अगली पीढ़ी को किस प्रकार सशक्त बनाएं, इस पर जोर दिया। रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष रफीक उल इस्लाम ने विद्यार्थियों को पढ़ाई पूरी करने के बाद स्वरोजगार की दिशा में बढ़ने और स्वरोजगार के बेहतर भविष्य के निर्माण पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। बायो टेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. सतारूद्र प्रकाश ने अपने अनुभव साझा कर उदाहरण के जरिए उद्यमिता की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की। प्रो. रणजीत चौधरी ने उद्यमिता की सार्थकता के बारे में बताया और छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। वहीं स्वरोजगार को बेहतर विकल्प बताया। प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि उद्यमिता जागरूकता शिविर के रूप में यह पांचवा कार्यक्रम है। दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारिक ने उद्यमिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। समापन सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र कुमार ने कहा कि उद्यमिता में संचार कौशल व दृढ़ इच्छाशक्ति को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उद्यमिता के लिए सरकार की ओर से संचालित योजनाओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मतदाताजागरूकता के लिए विशाल प्रभात फेरी का आयोजन



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतीहारी बिहार के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा मतदाताओं के बीच जागरूकता लाने के लिए विशाल प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक एवं गांधी भवन परिसर के परिसर-निदेशक प्रो० प्रसून दत्त सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है और इस दायित्व से हमें वंचित नहीं होना चाहिए क्योंकि यह लोकतंत्र को मजबूत करने वाला पर्व है। इससे पूर्व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्वेता ने छात्रों को इस रैली के विषय में अवगत कराते हुए मतदान की महत्ता बतलाई। तत्पश्चात् सभी शिक्षकों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर फेरी को रवाना किया गया। यह प्रभात फेरी महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के जिला स्कूल परिसर से होकर चरखा पार्क तक गई। रास्ते में लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न पोस्टर एवं तस्वित्तियों को प्रदर्शित करते हुए नारों से लोगों को जागरूक किया गया। जैसे - 'आपका मतदान - देश का कल्याण', 'पहले मतदान - फिर जलपान', 'चुनाव का पर्व - देश का गर्व' और 'जागरूक मतदाता - भारत का भाग्य विधाता' इत्यादि नारों से लोगों में जन जागृति लाने का

प्रयास किया गया। रैली चरखा पार्क में जाकर समाप्त हुई। रैली में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों एवं विभागों के शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनमें प्रो राजेंद्र सिंह, डॉ. श्याम कुमार झा, डॉ युगल दाधीच, डॉ बबलू पाल, डॉ श्वेता, डॉ गोविन्द प्रसाद वर्मा, डॉ गरिमा तिवारी, डॉ प्रेरणा भादुरी, डॉ पंकज सिंह, डॉ शिवेन्द्र सिंह, डॉ.श्याम बाबू, डॉ कुन्दन कुमार, डॉ उमेश कुमार इत्यादि प्रमुख थे। प्रभात फेरी में



एसएसबी के जवानों का भी विशेष सहयोग प्राप्त रहा, जिसमें एसएसबी के अधिकारी सहित १५ जवान सम्मिलित रहे। इस पूरी रैली में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों सहित तीन सौ से अधिक स्वयंसेवक सम्मिलित रहे।

स्वाध्याय, स्व-जागरण, संयम से स्वधर्म का पालन करें - प्रो. प्रसून दत्त सिंह

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के मानविकी एवं भाषा संकाय के तत्वावधान में 'सामरिक चुनौतियां और विकसित भारत-२०४७'

विषयक एक-दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।

संरक्षक प्रो. संजय

श्रीवास्तव, कुलपतिके मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रसून दत्त सिंह, अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा संकाय ने की। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रो. ने कहा कि भारत भूमि त्याग और समर्पण की भूमि है। यह भूमि ऋषि दधीचि, गार्गी, अपाला की भूमि है। इतिहास साक्षी है कि इस मिट्टी ने विश्व को समभाव एवं बलिदान का संदेश दिया है।

मुख्य वक्तव्य देते हुए झारखण्ड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल प्रो. राजेश कुमार ने कहा कि मैं जन्म से भारतीय हूँ। रक्त से सैनिक हूँ। कर्म से शिक्षाविद् हूँ। शिक्षाविद्, विचारक जे. कृष्णमूर्ति की पुस्तक 'You Are The World' के प्राणवाक्य "You are the





जो सज्जनता का अतिक्रमण करता है उसकी आयु, संपत्ति, यश, धर्म, पुण्य, आशीष, श्रेय नष्ट हो जाते हैं।
- महर्षि वेद व्यास

world. and world is you.” के आलोक में वक्तव्य को विस्तार देते हुए कर्नल राजेश कुमार ने कहा कि जीवन यात्रा दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ प्रवाहित यात्रा है। आपको अपनी प्रवाह यात्रा में अनेक कंटकों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अदम्य साहस एवं धैर्य के साथ इन कंटकों का सामना किया जा सकता है।

विशिष्ट वक्ता प्रो. शिरीष कुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग ने विकास के एलपीजी मॉडल के रूपों उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण को केंद्र में रखकर व्याख्यान दिया। प्रो. कुमार ने कहा कि भारत निरंतर विकास की ओर बढ़ रहा है। विकास के विभिन्न क्षेत्रों में यह प्रभाव परिलक्षित हो रहा है। अतिथियों का स्वागत करते हुए डॉ. श्वेता, नोडल ऑफिसर, विकसित भारत अभियान ईकाई ने अपने अनुभवों से सभा को समृद्ध किया है। डॉ. श्वेता ने कहा कि 'विकसित भारत- २०४७' की संकल्पना में युवाओं का जागरण समाहित है। राष्ट्रीय परिसंवाद के संयोजक डॉ. श्याम नंदन ने कार्यक्रम की संकल्पना एवं मूर्त रूप देने की यात्रा से जुड़े सभी सम्मानित शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन सोनू कुमार ठाकुर, शोधार्थी, हिंदी विभाग ने किया।

नितिश कुमार राष्ट्रीय फैलोशिप एनएफओबीसी के लिए चयनित

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी नितिश कुमार को दिसंबर २०२३ राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) में सहायक प्रोफेसर के लिए योग्यता के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग की राष्ट्रीय फैलोशिप (एनएफओबीसी) योजना के तहत फैलोशिप पुरस्कार के लिए चुना गया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया विभाग निरन्तर प्रगति और नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। स्कूल ऑफ़ कम्प्यूटेशनल साइंस, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अध्यक्ष प्रो. रंजीत कुमार चौधरी ने इस उपलब्धि पर विभाग और छात्र नितिश को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेंगी। मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने बधाई देते हुए कहा कि नितिश के शोध कार्य से समाज को नई दिशा मिलेगी। मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनील दीपक घोडके के निर्देशन में नितिश कुमार पी-एच.डी. शोध कर रहे हैं। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण तथा सहायक आचार्य डॉ. उमा यादव ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

केविवि के तीन विद्यार्थियों को 'ईएसएफ स्माल फाइनेंस बैंक' कंपनी में मिली नियुक्ति

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि अंतर्गत प्रबंध विज्ञान विभाग से उत्तीर्ण तीन विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित 'ईएसएफ स्माल फाइनेंस बैंक' कंपनी में नियुक्ति मिली है। इनमें अंकित कुमार मिश्रा, सोनू कुमार व अंकुश कुमार पांडेय शामिल हैं, जो कार्यकारी प्रशिक्षण के पद पर कार्य करेंगे। कंपनी ने तीनों विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंप दिया है। यह जानकारी प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवनेश कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि तीनों विद्यार्थी प्रबंध विज्ञान विभाग से सत्र २०२२-२४ बैच के पासआउट हैं। कंपनी में तीनों विद्यार्थियों का सालाना पैकेज ४.२५ लाख रूपए होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को मिली सफलता को शिक्षकों एवम विद्यार्थियों की संयुक्त मेहनत का परिणाम बताया। प्रो. पवनेश ने बताया कि ईएसएफ स्माल फाइनेंस बैंक एक भारतीय लघु वित्त बैंक है, जिसका मुख्यालय त्रिशूर (केरल) में है। यह बैंक बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को बैंकिंग सेवाएं और छोटे ऋण प्रदान करता है। प्रेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. सपना ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में प्रबंध विज्ञान विभाग से सौ से अधिक विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्ति मिली है।

एमजीसीयू ने स्थायी परिसर स्थापित करने की यात्रा शुरू की



एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने एमजीसीयू के स्थायी परिसर में भवनों के निर्माण को शुरू करने के लिए आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। मार्च, २०२४ में एमजीसीयू को अतिरिक्त १२७.२६ एकड़ भूमि प्रदान की गई, जिससे कुल भूमि का स्वामित्व पिछले १३४ एकड़ से बढ़कर २६१.२६ एकड़ हो गया। सीपीडब्ल्यूडी के साथ समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय के विस्तार की दिशा में एक आवश्यक कदम है। एमओयू पर एक औपचारिक समारोह में हस्ताक्षर किए गए, जिसमें एमजीसीयू और सीपीडब्ल्यूडी दोनों के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए। अब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने से नई अधिग्रहीत भूमि के लिए व्यापक विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार होगी, जो एमजीसीयू के अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा, "यह समझौता ज्ञापन हमारे छात्रों को विश्व स्तरीय शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें विश्वास है कि सीपीडब्ल्यूडी की विशेषज्ञता के साथ, हम इस लक्ष्य को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से प्राप्त करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि विश्वविद्यालय का परिसर देश का सबसे अच्छा परिसर बनें।"

नए परिसर में आधुनिक कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों,



प्रशासनिक भवनों और छात्रवास सहित व्यापक शैक्षिक गतिविधियों के लिए डिज़ाइन की गई कई सुविधाएँ शामिल होंगी। इस विकास से एमजीसीयू की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने और देश भर से प्रतिभाशाली छात्रों और शिक्षकों को आकर्षित करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। ओएसडी (प्रशासन) श्री सच्चिदानंद सिंह ने कहा, "उन्नत सुविधाओं के साथ हमारे स्थायी परिसर की स्थापना से न केवल हमारे छात्रों के लिए शैक्षणिक अनुभव में वृद्धि होगी, बल्कि हमारे संकाय को उनके शोध और शिक्षण प्रयासों में भी सहायता मिलेगी। हमें विश्वास है कि सीपीडब्ल्यूडी इस परियोजना को समय पर और गुणवत्तापूर्ण पूरा करेगी, जिससे क्षेत्र में शैक्षिक बुनियादी ढांचे के लिए एक नया मानक स्थापित होगा।"

सीओई डॉ. कृष्णकांत उपाध्याय, डीन छात्र कल्याण प्रो. आर्तत्रण पाल, प्रो. शिरीष मिश्रा, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. प्रसून दत्ता सिंह, डॉ. श्याम नंदन, डॉ. शिवेंद्र सिंह, सहायक अभियंता (सिविल) इंजी. कौशलेश कुमार सिंह, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) इंजी. कौस्तुभ शंकर पांडे, कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) इंजी. उत्पल कुमार मौर्य, हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित थे। सीपीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता इं. विजय कुमार झा, कार्यपालक अभियंता (सिविल) इं. राज कुमार, कार्यपालक अभियंता (विद्युत) इं. विवेक कुमार भी उपस्थित थे।

MGCU Begins Journey to Establish Permanent Campus

MGCU and CPWD Sign Historic MoU for New Campus Development

Mahatma Gandhi Central University (MGCU) and the Central Public Works Department (CPWD) have officially signed a Memorandum of Understanding (MoU) to commence the construction of buildings on the permanent campus of MGCU. This MoU is a significant milestone in the university's development, marking a new era of

infrastructure expansion aimed at enhancing the educational environment for students and faculty alike.

MGCU was granted an additional १२७.२६ acres of land in March २०२४, significantly augmenting the total landholding from the previous १२४ acres to a substantial २६१.२६ acres. MoU with the CPWD is an essential step towards the expansion of the University.

The MoU was signed in a formal ceremony attended by key officials from both MGCU and CPWD. Now the preparation of a Detailed Project Report (DPR) will outline the comprehensive development plans for the newly acquired land.

The collaboration will leverage CPWD's expertise in construction and infrastructure development to create state-of-the-art facilities that align with MGCU's vision of fostering academic excellence and innovation.

Speaking on the occasion, Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava said, "This MoU signifies our commitment to providing our students with world-class educational facilities. We are confident that with CPWD's expertise, we will achieve this goal efficiently and effectively."

The new campus will include a range of facilities designed to support comprehensive educational activities, including modern classrooms, laboratories, libraries, administrative buildings, and student housing. This development is expected to significantly boost MGCU's capacity to deliver high-quality education and attract talented students and faculty from across the country and beyond.

Public Relations Officer Shephalika Mishra stated, "This MoU represents a pivotal moment for Mahatma Gandhi Central University. The establishment of our permanent campus with advanced facilities will not only elevate the academic experience for our students but also support our



स्वभावो दुरतिक्रमः । वा.रा.३.५०.११ स्वभाव का बदलना कठिन होता है ।

faculty in their research and teaching endeavours.”

OSD(Administration) Shri Sachchidanand Singh, CoE Dr. Krishna Kant Upadhyay, Dean Student's Welfare Prof. Arttatrana Pal, Prof. Shirish Mishra, Prof. Pranveer Singh, Prof. Asheesh Srivastava, Prof. Prasoon Dutta Singh, Dr. Shayam Nandan, Dr. Shivendra Singh, Assistant Engineer (Civil) Er. Kaushlesh Kumar Singh, Junior Engineer (Civil) Er. Koustubh Shanker Pandey, Junior Engineer (Electrical) Er. Utpal Kumar Maurya, were present at the signing ceremony. Superintending Engineer Er. Vijay Kumar Jha, Executive Engineer (Civil) Er. Raj Kumar, Executive Engineer (Electrical) Er. Bivek Kumar from CPWD were also present. Both MGCU and CPWD have committed to ensuring the highest standards of construction quality and safety, with a clear timeline for project completion.

केविवि में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

एमजीसीयू न्यूज । महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने २१ जून, २०२४ को "स्वयं और समाज के लिए योग" के प्रेरणादायक उद्देश्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया । इस महत्वपूर्ण दिन को चिह्नित करने के लिए विश्वविद्यालय खेल बोर्ड द्वारा चाणक्य परिसर में योग गुरु श्री शैलेंद्र के नेतृत्व में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया ।

योग सत्र में योग गुरु श्री शैलेंद्र ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम तकनीकों का अभ्यास कराया, जो शारीरिक लचीलेपन, मानसिक एकाग्रता और आंतरिक शांति को बढ़ाने के लिए कारगर हैं । प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अभ्यास के गहरे लाभों का अनुभव किया ।

कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । प्रो. श्रीवास्तव ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे अपने



दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया । अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें इस प्राचीन अभ्यास की समयहीन प्रासंगिकता की याद दिलाता है, जो आत्म-देखभाल और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है । एमजीसीयू में, हम स्वस्थ, अधिक संतुलित और सामंजस्यपूर्ण समाज को बढ़ावा देने के लिए योग को अपने समुदाय की जीवन शैली में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

विश्वविद्यालय खेल परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने सभा को संबोधित करते हुए शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देने में योग की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया । उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

इस आयोजन में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की अधिक संख्या में उपस्थिति रही । छात्र कल्याण डीन प्रो. प्रो. आर्तत्रण पाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्णकांत उपाध्याय, प्रो. प्रणवीर सिंह, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी, प्रो. पवनेश कुमार, डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शिवेंद्र सिंह, सहायक अभियंता





(सिविल) इंजीनियर कौशलेश कुमार सिंह, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) इंजीनियर कौस्तुभ शंकर पांडे और कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) इंजीनियर उत्पल कुमार मौर्य शामिल थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने IIRF रैंकिंग २०२४ में हासिल किया २०वां स्थान

“यह उपलब्धि विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का क्षण है”-
कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव

एमजीसीयू न्यूज। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) २०२४ में शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों में २०वां स्थान प्राप्त किया है। ९६२.४७ के प्रभावशाली कुल स्कोर के साथ, विश्वविद्यालय ने खुद को एक अग्रणी शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित किया है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों जैसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU), जिनका स्कोर ९८८ है, से थोड़ा ही पीछे है। यह प्रतिष्ठित रैंकिंग विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और समग्र छात्र विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने गर्व और आभार व्यक्त करते हुए कहा: “यह उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का क्षण है। यह हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा प्रदर्शित सामूहिक मेहनत, समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा हमेशा से ध्यान उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने, नवाचारपूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देने और समग्र विकास को प्रोत्साहित करने पर रहा है। यह रैंकिंग हमें हमारे प्रयासों को जारी रखने और उच्चतम शिखरों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।”

MGCU Shines Bright: Secures 20th Rank Amongst Top Central Universities in IIRF Rankings 2024

MGCU NEWS. Mahatma Gandhi Central University (MGCU) is elated to announce its outstanding achievement of securing the 20th rank amongst the top Central Universities in the prestigious Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) 2024. With an impressive cumulative score of 962.47, MGCU has firmly established itself as a leading institution in the realm of higher education, showcasing a performance nearly on par with renowned institutions like Jawaharlal Nehru University (JNU) and Banaras Hindu University (BHU), which scored 988.

The IIRF ranking is a comprehensive evaluation of Indian institutions, assessing various parameters such as academic performance, research output, faculty quality, and infrastructure. MGCU's impressive ranking underscores its status as a premier institution that is making significant contributions to the academic landscape of India.

Vice Chancellor Prof. Sanjay Srivastava said, “We are thrilled and deeply honored by this recognition. MGCU's 20th rank among the top Central Universities is a testament

to the relentless dedication, hard work, and commitment of our faculty, students, and administrative staff. This accolade reflects our unwavering focus on quality education, cutting-edge research, and holistic student development. Our strategic initiatives aimed at fostering innovation, inclusivity, and community engagement have borne fruit, and we are proud of the strides we have made. We remain steadfast in our pursuit of excellence and are committed to climbing even higher in future rankings,”



Chankya Parisar, Zila School



Departments at a glance

PANDIT MADAN MOHAN MALAVIYA SCHOOL OF COMMERCE & MANAGEMENT SCIENCES

Department of Commerce

Research Papers Publications:

Prof. Shirish Mishra

- An Empirical Study On Dynamic Relationship Among Macro Economic Indicators and Select Sectoral Indices of India, Anup Kumar, Shirish Mishra, Jamshedpur Research Review, March-April 2024, ISSN: 2320-2750, Peer Reviewed
- The investment performance on Efficiency of Large Cap Mutual Funds Context of India: An Empirical Study(Under-Review), Naveen Kumar, Shirish Mishra, MUDRA, Journal of Accounting and Finance, UGC- CARE

Dr. Subrata Roy

- Volatility forecasting & asymmetry Effect: Evidence from Dow Jones sustainability indices, Dr. Subrata Roy, PARADIGM, March, 2024 0971-8907 UGC & Web of Science
- Influence of working capital efficiency on Firm's composite financial performance: evidence from India Mr. Shiv Shankar Kumar; Kumar Sanjay Sawarni; Dr. Subrata Roy & Naresh G., International Journal of Productivity and Performance Management February, 2024 1741-0401 UGC/Scopus/ABDC/ABS/WOS

Dr. Shiendra Singh

- An Exploration of Influencing Factors of Customer Relationship Management Practices in the Banking Sector, S. Singh & P. Kumari Nepalese Journal of Management Science and Research (NJMSR) (Vol. VII Issue-I) March 2024, ISSN 2467-9356, A peer reviewed and NEPJOL indexed journal
- Measuring Customer Satisfaction in Public and Private Sector Banks in Bihar, S. Singh & P. Kumari, Jamshedpur Research Review Vol. 1(63), Feb, 2024, ISSN 2320-2750 Peer Reviewed

Dr. Ravish Chandra Verma

- Industry 5.0: Moving Towards Inclusive and Sustainable Industrialization Dr. Ravish Chandra Verma and Ms. Sunidhi Nepalese Journal of Management Science and Research (NJMSR) (Vol. VII Issue-I) March 2024, ISSN (Print): 2467-9356, ISSN (Electronic) :2795-1545, A peer reviewed and NEPJOL indexed journal, Page no. 88 -102
- The Effects of Job Autonomy, Support System Monetary and Non-Monetary Benefits On Job Satisfaction Among University Teachers in Bihar, Dr. Ravish Chandra Verma and Rishi Bhushan Kumar International Journal of

Management and Social Science Research Review, July 2024, ISSN 2349-6738(Print), ISSN 2349-6746(Online), Peer Reviewed & Indexed Journal

Publications other than research papers:

Dr. Shivendra Singh

- A Study of Customer Perception and Satisfaction towards UPI Payment ApplicationBook Chapter, 978-81-19255-98-6, Current Publication, India, March, 2024
- Measuring Customer Satisfaction towards Online Shopping: A Study of Purvi Champaran District Book Chapter 978-81-19674-29-9, National Press Associations, India, February 2024

Dr. Ravish Chandra Verma

- Economics of Pandemic (Empowering Indian Economy Vol. V), Chapter TitleEmployee Adjustment and Digitisation Under the Purview of Covid Pandemic, Chapter Published in Edited Book Print ISBN 978-81-19006-88-5, E-book ISBN: 978-81-19006-74-8, New Delhi Publishers, Jan. 2024

Research Projects:

Dr. Shivendra Singh

- Impact of SHG on Women Empowerment through JEEVIKA Scheme, Mahatma Gandhi Central University, 2 lakhs, 2 Year, Ongoing

Dr. Ravish Chandra Verma

- An Approach of Rejuvenation of Sugar Industry: A Study on Champaran District, Mahatma Gandhi Central University, 2 lakhs, 2 Year Ongoing

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Shivendra Singh

- Impact of Customer Relationship Management Practices on Customer satisfaction and Loyalty in the Private Banking Sector: A Structural Equation Modelling Approach International, Conference on Emerging Technologies, Analytics and Operations (ICETAD 2024) ICFAI & IBS Hyderabad, PPT presentation, 22.03.2024(20 Minutes)
- Interim Union Budget 2024-25, Union Budget, Department of Political Sciences, MS College Motahari, Invited talk, 10.02.2024, (60 minutes)

Dr. Ravish Chandra Verma

- Perfromed as a Resource Person in Entrepreneurship Awareness Camp organized by Department of Commerce, sponsored by NSTEDB, Department of Science and Technology, Govt. of India, Date - 09th -11th May 2024



Department of Management Sciences

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Prof. Pavnesh Kumar :

- “Specifying the study of trade and convergence of BRICS economics in post-pandemic era” with Ravindra Kumar, Leena Sharad Shimpi, & Om Prakash Verma in International Journal of Engineering Technology and Management
- Sciences (Vol. 8, No. 1, pp. 71-80) (February 2024) (ISSN: 2581-4621) (Not UGC Listed)
- “Exploring the Gap in Production and Requirement of Food under Mountain Specificities: Evidences from Meghalaya” with Deepak Bhagat, Shweta Priyamvada, Swarnima Tiwari, & Alpha Abani Ch. Marak in Management Convergence (Vol. 15, No. 1) (January 2024) (ISSN: 0976-5492) (Not UGC Listed)

Dr. Sapna Sugandha:

- “The Future of Online Teaching and Learning: Exploring” with Chandan Veer in Journal of Management and Entrepreneurship (Vol. 18, pp. 87) (March 2024) (ISSN: 2229-5348) (UGC Listed: Yes)
- “Digital Finance And Financial Metrics as A Tool For Financial Inclusion in Nepal Bagmati Province” with Dr. Sneha Chaurasiya in NJMSR (Vol. VII Issue I, Page No. 103) (International Journal) (ISSN: 2467-9356)
- “Labor Market Discrimination: A Multi-Dimensional Analysis of Racial, Ethnic, and Gender Disparities in Hiring, Promotion, and Pay” in Shodhasamhita: Journal of Fundamental & Comparative Research (Vol. X, Issue-I, Book No. 02, January – June 2024, Page No. 136) (UGC Care) (ISSN: 2277-7067)
- “A Study on Motivational Factors Influencing Employee Engagement and Satisfaction in the Health Sector” in Humanities and Social Science Studies (Vol. 13, Issue 1, No. 23, January – June 2024, Page No. 124) (UGC CARE) (ISSN: 2319-829X)
- “The Impact of Cybersecurity Breaches on Business Performance: A Quantitative Analysis” in Educational Administration: Theory and Practice (Vol. 30, No. 5 (2024), Page No. 7909-7915) (ABDC Journal) (ISSN: 1300-
- Mr. Arun Kumar:
- “Exploring Gender Differences in Beliefs and Attitudes towards Advertising on Social Networking Sites: An Empirical Evidence” with Mrinalini Pandey & Abhishek Kumar in European Economic Letters (EEL) (Vol. 14 No. 1) (January 2024) (ABDC Category: C)

- Determinants of Consumers' Attitudes Towards AI-Enabled Advertising Over Social Media in Indian Context: Applying and Extending the Technology Acceptance Model” with Mrinalini Pandey & Abhishek Kumar in Journal of Informatics Education and Research (Vol. 4 No. 1) (January 2024) (ABDC Category: C)

Publications Other Than Research Papers:

- “Agri-Startups in India: Issues and Challenges during COV. of Quantum Computing on Work Evolution” with other authors in IGI Global (Publisher: IGI Global)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Prof. Pavnesh Kumar:

- Resource Person at a One Week Online Workshop on “Contemporary Trends & Fundamentals of Scientific Research” at Faculty of Management Studies, ICAI, Raipur (January 8-12, 2024)
- Guest of Honour at the International Conference on “Multidisciplinary Research & trend in Humanities, Artificial Intelligence, Environmental Sustainability, Social Sciences and Applied Sciences” at Shri Ratanlal Kanwarlal Patni Girls's College, Kishangarh, Ajmer (January 29-30, 2024)
- Guest of Honour at “विकसितभारत२०४७एवंरामराज्यकीपरिकल्पना” (One Day Seminar) at Munsii Singh College, Motihari (March 20, 2024)
- Convener at “Post Budget Online Panel Discussion” organized by Department of Management Sciences, MGCU (February 10, 2024)
- Coordinator at One Day Seminar on “Contribution of Aadiguru Shankaracharya in National Integration” sponsored by Bhartiya Bhasha Samiti Ministry of Education, New Delhi (March 22, 2024)
- Coordinator at Webinar on “Future of Management Education in India After NEP 2020” organized by Department of Management Sciences, MGCU in collaboration with Association of Indian Management Schools (AIMS) (February 21, 2024)

Dr. Sapna Sugandha:

- Presented on “Sustainability HR” at a Sustainable Business Practices program organized by the Department of Commerce, MGCU (February 29, 2024) (Online)
- Presented on “The Role of AI in Human Resource Management in Corporate Context” at Shrinivas Laboratories Pvt. Ltd., Patna (February 27-28, 2024) (Offline)
- Attended the NFLP program at IIMC, Kolkata (March 18-22, 2024)
- Paper Presentation: “A Study on the Adoption of



Technology and Digital Literacy in Retail Businesses in Patna, Bihar” at International Conference on Contemporary Issues in Business Management and Information Technology-2024, Amity, Patna (April 25-26, 2024)

- Paper Presentation: “The Role of Digital Microfinance in Enhancing Financial Inclusion and Poverty Alleviation” at National Conference on Contemporary Trends in Business, Management, & Economics, “Empowering You with Knowledge” organized by Birgunj Public College, Nepal (June 7-8, 2024)

Mr. Arun Kumar:

- Attended the Nurturing Future Leadership Programme (Faculty Development Programme) at IIM Jammu (March 18-22, 2024)

Student Achievements/Placement:

- More than 30 students secured placements in reputed organizations like Banks, PSUs, Government Organizations, and NBFCs/Small Finance Banks.
- Four students qualified the NTA-NET exam during the session.

Departmental Activities:

- One Day Webinar: “Future of Management Education in India After NEP 2020” organized by the Department of Management Sciences, MGCU, in collaboration with the Association of Indian Management Schools (AIMS) (February 21, 2024).
- Post Budget Online Panel Discussion organised by Department of Management Sciences, MGCU (February 10, 2024).

SCHOOL OF COMPUTATIONAL SCIENCES,

INFORMATION AND COMMUNICATION TECHNOLOGY

Department of Library and Information Science

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Prof. R. K. Choudhary:

- Exploring the Digital Disparity among High School Students in Chosen Provincial Areas” with Saikia A. & Choudhary R. K. in International Journal of Multidisciplinary Research (2024) (ISSN: 2582-2160)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Prof. R. K. Choudhary:

- “Copyright” at One Day International E-Conference on “Intellectual Property (IP) Rights: Creative India;

Innovative India” organized by Department of Chemistry, Dr. Sudhanva Singh Netam Government College Malanjkhanda, Dist. Balaghat (M.P.) (May 1, 2024)

- “Viksit Bharat@2047: In Perspective of LIS Education” at National e-conference on the theme “Viksit Bharat@2047: Role of Library” at Rajarshi Janak Central Library Central University of South Bihar (March 14, 2024)
- “Exploring the Utilization Pattern of Different Electronic Resources by the Students at Rajiv Gandhi Central University Arunachal Pradesh: A Neutral Study” at National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries- 2024 at Brihaspati Sabhagar Buddha Parisar Mahatma Gandhi Central University, Bankat Motihari (March 20-21, 2024)
- “Awareness and Uses of Open Educational Resources by the PhD Research Scholars of Mahatma Gandhi Central University Motihari: A Survey” at Two Days National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries, Mahatma Gandhi Central University, Motihari (March 20-21, 2024)
- “Exploring the Multilingualism of Central University Library Websites in India: A Study” at Two Days National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries, Mahatma Gandhi Central University, Motihari (March 20-21, 2024)
- “Towards Sustainable Libraries: Leveraging Digital Resource Sharing for Environmental Conservation and Community Empowerment” at Two Days National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries, Mahatma Gandhi Central University, Motihari (March 20-21, 2024)

Dr. Madhu Patel:

- “Webometric Analysis of Central Universities of Bihar (India): A Study” at Two Days National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries, Mahatma Gandhi Central University, Motihari (March 20-21, 2024)
- "An Introduction and Impact of Reference Management Software: An Essential Tool for Research" at Two Days National Conference on Digital and Technological Advancement for Sustainable Libraries, Mahatma Gandhi Central University, Motihari (March 20-21, 2024)

Projects/Consultancy:

Dr. Madhu Patel (PI):

- Project Title: "Impact of Information Literacy among the Students and Research Scholars of Higher Educational Institutions of Tirhut Division of Bihar India." (Funding Agency: MGCU Bihar, Grants 2 lakhs, Duration: 2 years)



Student Achievements/Placement:

- Ms. Satakshi Pandey (under the supervision of Prof. R. K. Choudhary) achieved the ICSSR Doctoral Short-Term Fellowship on 21.12.2023 for 06 Months.
- Ms. Sweta Kumari qualified UGC-JRF examination December 2023.
- Ms. Sujata selected as UP PCS Librarian in Technical Education (Teaching Services) Level 10.
- Mr. Kumar Gaurav selected as Assistant Librarian at Thapar Institute of Engineering and Technology.
- Ms. Pooja Kumari selected as College Librarian at S.N.S. College of Pharmacy, Motihari.
- Mr. Arvind Kumar selected as College Librarian at Polytechnic College, Pakur.

Departmental Activities:

- National Conference: Organized by the Department of Library and Information Science on 20-21 March 2024.

Department of Media Studies

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Parmatma Kumar Mishra:

- “Sanskritik Prampra Men Baul” in Chaumasa (Issue-39 Volume-123, Nov 2023 to Feb 2024, ISSN: 2249-5479)
- “Babri Vidhvans: Media Coverage Ka Bangladeshi Samaj Par Pade Prabhav Aur Lajja Ka Tulnatmak Adhyayan” in The Asian Thinker (Year-6 Volume-1, Jan-Mar 2024, ISSN: 2582-1296)

Dr. Saket Raman

- सिंह, नीरज कुमार एवं रमण, डॉ. साकेत. (जून, 2024) AI और टेलीविजन न्यूज एंकर के संबंधों का अध्ययन, जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट, आईएसएसएन 2583617X, वॉल्यूम 3, इश्यू 2, 128-130

Dr. Sunil Deepak Ghodake

- Research Journal Mahilaon ke Sashaktikaran Mein Mediya Kee Bhoomika (Vishesh Sandarbh : Poorvee Champaaran Motihari) Published in the Review of ReseaRch (Peer Reviewed and Refereed Journal) ISSN: 2249-894X Volume - 13 Issue: 9, June, 2024, Place: Solapur, (Maharashtra) Page No. 01-05

Publications Other Than Research Papers:

Dr. Anjani Kumar Jha:

- “Shri Ram ka Krititv hi Hamari Aachar Sanhita” in Shaikshik Manthan Magazine (March 2024, ISBN: 2581-

4133, Shaikshik Manthan Sansthan Jaipur)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Parmatma Kumar Mishra:

- “Sanskritik Prampra men Baul” at Shodh Sanghosthi, Sanskritik Prampra men Sadhu aur Sanyansi organized by Janjatiya Lok Kala evm Boli Vikas Academi, Bhopal (Jan 27-29, 2024)
- Co-Chairperson on 'Global Well-Being @ Global Citizenship in the Virtual World' at Two Days National Conference organized by the Department of Education, MGCUB (Mar 20-21, 2024)
- Participate in the two-week Inter-disciplinary Refresher Course on "Advanced Research Methodology" (23 March -05 April, 2024)" organised by Teaching learning Centre, Ramanujan College, University of Delhi, under the Ministry of Education sponsored Malaviya Mission on Teachers Training Program (MMTTP) scheme.
- Participated in Nurturing Future Leadership Programme under the aegis of Malaviya Mission Teacher Training Programme held at IIM Jammu from 10.06.2024 to 14.06.2024.

Dr. Sunil Deepak Ghodake

- Attended the certificate programme "Nurturing Future Leadership Program" under the aegis of Malaviya Mission Teacher Training Programme (MMTTP) held from 18/03/2024 to 22/03/2024 by the Indian Institute of Technology Delhi.
- Online Orientation Programme for Faculty in Universities organized by TEACHING LEARNING CENTRE, RAMANUJAN COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI and Malaviya Mission Teacher Training Programme (MMTTP) Ongoing (27th March – 23rd April 2024)

Awards / Honors / Fellowships:

Dr. Anjani Kumar Jha:

- Akhil Bhartiya Vishnu Prabhakar Puraskar awarded by Sahitya Academy Govt of M.P. (National, Jul 25, 2023, Grant: One Lakh)

Student Achievements/Placement:

- UGC-NET/JRF/SRF: Nitish Jaiswal, Debashree Mali (2024)
- Participation in Voice for Vote talk in newspaper: Ruchi Bharti, Nitish Kumar, Abhishek Kumar, Apoorva Trivedi, Ashika Roy, Ankit Kumar, Aditi Krishna, Suraj Raj Srivastava, Mushkan Kumari, Ayush Singh, Arya Kumari, Adarsh Mishra, Ashish Kumar, Puja Kumari, Vivek Gupta, Yashwant Srivastava, Saloni Kumari Singh, Debashree Mali (2024)



Departmental Activities:

- Organized 3 online webinars as Convenor on 22, 23, & 24 March 2024 on New Indian Civil Security Law, Bhartiye Nyay Sanhita, and Bhartiye Sakshya Adhiniyam 2023.
- Special Lecture on Journalism and Administration: Its Challenges (Jan 15, 2024)
- One Day Seminar on Digital Media: Possibilities and Its Challenges (Feb 5, 2024)
- Book Launch of Jansanchar Sodh (Feb 28, 2024)
- Webinar on Citizenship Amendment Act (Mar 24, 2024)
- Webinar on Media Trial and Digital Evidence (Apr 1, 2024)
- Voice for Vote (Apr 10, 2024)
- One Day Seminar on Baba Saheb Bhimrao Ambedkar Ki Patrikarita mey Samajik-Sanskritik Chetna (Apr 22, 2024)
- Lecture on Fact Checking (May 3, 2024)

Department of Computer Science and Information Technology (CSIT)

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Prof. Vikas Pareek:

- "A Review on Blockchain for Fintech using Zero Trust Architecture" with Avinash Singh and Ashish Sharma in Journal of Information and Organizational Sciences (Vol. 48, No. 1, 2024, pp. 191-213)

Dr. Sunil Kumar Singh:

- "CO2 emission prediction from coal used in power plants: a machine learning-based approach" with Ankit Prakash in Iran Journal of Computer Science (Springer, May 6, 2024)
- "A Hybrid Dynamic Aggregation and Fragmentation Model for Cognitive Channel Allocation" with M P Mishra and D P Vidyarthi in Journal of Telecommunication Systems (2023, SCI Indexed, IF: 2.5, Q2)
- "Impact of ICT Infrastructure Financial Development and Trade Openness on Economic Growth: New Evidence from Low- and High-Income Countries" with Renu Kumari in Journal of Knowledge Economy (Springer, 2023, SSCI Indexed, IF: 2.235, Q2)

Dr. Vipin Kumar:

- "Stacked 1D Convolutional LSTM (sConvLSTM1D) Model

for Effective Prediction of Sunspot Time Series" in Solar Physics (Springer, 2023, IF: 2.8)

- "A Fuzzy TOPSIS-Based Approach for Comprehensive Evaluation of Bio-Medical Waste Management: Advancing Sustainability and Decision-Making" in Sustainability (MDPI, 2023, IF: 3.9)
- "A novel hybrid GRU-CNN and residual bias (RB) based RB-GRU-CNN models for prediction of PTB Diagnostic ECG time series data" in Biomedical Signal Processing and Control (Elsevier, 2024, IF: 5.1)
- "Forecast of solar cycle 25 based on Hybrid CNN-Bidirectional-GRU (CNN-BiGRU) model and Novel Gradient Residual Correction (GRC) technique" in Advances in Space Research (Elsevier, 2024, IF: 2.6)

Presentations in Webinars / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Prof. Vikas Pareek:

- Delivered keynote address on "Zero Trust Architecture" at the International Conference RAMSACT 2024 organized by Manipal University Jaipur (April 6, 2024)
- Delivered a talk on "India's semiconductor mission" in the programme India's techade: Chips for Viksit Bharat organized by MGCU Bihar
- Delivered a keynote address on "Entrepreneurship" in DST Sponsored Entrepreneurship awareness camp in the Department of Management Science MGCU

Projects/Consultancy:

Dr. Sunil Kumar Singh:

- Project on "Designing Deep-learning based model for Detecting Deepfake Images and Videos" funded by Mahatma Gandhi Central University (Grant: 2 Lakhs, Duration: February 5, 2024 - June 4, 2026, Status: Ongoing)

Dr. Vipin Kumar:

- Project on "Design and Development of Framework for Bio-Medical Waste Segregation using Internet of Things and Machine Learning Approach to Elevate the 'Swachha Bharat' in Hospitals of Uttar Pradesh" funded by UPCST (Duration: August 26, 2022 - August 25, 2025, Status: Ongoing)

Special Achievement:

Prof. Vikas Pareek:

- Prepared a video on the new Parliament in his own voice, which was shared by Hon'ble PM Narendra Modi on his Twitter handle. The video garnered more than 3.57 lakh views and was shared by many union ministers and celebrities.



SCHOOL OF EDUCATION

Department of Educational Studies

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Pathloth Omkar:

- "Recommendations of NEP 2020 for School Teachers: A Critical Analysis" with Sourav Mahato in *University News*, Vol. 62, Issue 13, Page: 17-24, March 25-31, 2024, ISSN: 81-7520-147-9

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Prof. Asheesh Srivastava:

- "Higher Education & Society" at multiple Orientation & Sensitization programs conducted by UGC-MMTTC in various universities including GNDU Amritsar, University of Burdwan, and Patna University, among others (January - April 2024)
- "Research & Development" at Orientation & Sensitization program conducted by UGC-MMTTC GNDU Amritsar (January 03, 2024)
- "Multidisciplinarity in Education" and "Multidisciplinary & Holistic Education" at various Orientation & Sensitization programs conducted by UGC-MMTTC (January - April 2024)
- "Teacher Education @ NEP 2020" at National Seminar, Subhwanti Institute of Education, Siwan (April 03, 2024)
- "Implications of IKS for Teacher Education" at Orientation & Sensitization program conducted by UGC-MMTTC Assam University (April 22, 2024)

Dr. Mukesh Kumar:

- "Sanskritik Vikas Me Jain Darshan Ka Yogdaan" at National Seminar on 'Bhartiya Sanskriti Me Jain Darshan Evam Kala Ka Yogdaan' (March 9, 2024, U.P. Sangeet Natak Academy, Lucknow)

Dr. Rashmi Srivastava:

- "Educational Research And Its Significance" at 03 days Orientation cum Workshop on Action Research for Teachers (February 29, 2024, DIET Samastipur, Bihar)
- "Steps of Writing Action Research" and "Discussion on Tools of Data Collection" at the same workshop (March 01-02, 2024)

Dr. Manisha Rani:

- "Effective Communication" as an invited talk at CITE, Ranchi (January 18, 2024)

Dr. Pathloth Omkar:

- "National Research Foundation (NRF) in Relation to NEP

2020: The Political Economic Perspectives" at the 27th Annual Conference of Indian Political Economy Association (January 27-28, 2024, Online Presentation)

- "NEP 2020 and Changing Paradigm of Assessment and Evaluation" at National Seminar, DIET Dumra Sitamarhi (February 29, 2024)

Projects/Consultancy:

PI: Dr. Pathloth Omkar, Co-PI: Prof. Asheesh Srivastava, Dr. Manisha Rani:

- Project Title: "Mapping the Experiences Capabilities and Educational Aspirations of Children with Disabilities in Bihar: An Exploratory Study" (Funding Agency: IITE Gandhinagar, Grants: 3.0 Lakh, Duration: One Year, Status: Ongoing)\

Dr. Rashmi Srivastava:

- Project Title: "NISHTHA (National Initiative for School Heads' and Teachers' Holistic Advancement) programme for the training of teachers in terms of its Context Implementation and Challenges in the Special reference of Tirhut Mandal of Bihar State: An Assessment Study" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Bihar, Grants: 2.00 Lakh, Status: Ongoing)

Dr. Manisha Rani:

- Project Title: "Holistic Health and Well-Being through Yoga in 21st Century" (Funding Agency: IUCYS, Grants: 2.25 Lakh, Duration: One week, Status: Completed)

Dr. Pathloth Omkar:

- Project Title: "Inclusivity and Best Practices in Higher Education in the Context of National Education Policy 2020: An Exploratory Study of Indian Universities" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Bihar, Grants: 2.00 Lakh, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Alok Kumar (M.Phil., Bihar School Education), Anuska Kumari (M.A., Bihar School Education), Ashutosh Kumar (M.A., Bihar School Education)
- Prasenjit Roy (Ph.D., Lady Irwin College, University of Delhi, New Delhi), Dr. Shalu Tiwari (Post Doctoral Scholar, NCERT New Delhi)

Departmental Activities:

- Discourse on National Curriculum Framework for School Education 2023 (July 03-04, 2024)
- Discourse on the Death Anniversary of Gandhi ji (January 30, 2024)
- One-day National seminar on VIKSHIT BHARAT@



2047 (February 05, 2024)

- Discourse on Understanding in Research (March 04, 2024)
- Interaction programme for Fullbright Fellowship for faculty and students (March 14, 2024)
- Two days National Seminar on Global well-being @virtual Era through Citizenship Education (March 20-21, 2024, GCE)
- One Day Lecture series on Transformative Judicial Reform: Shaping a Just Future (March 23, 2024)

SCHOOL OF HUMANITIES & LANGUAGES

Department of English

Faculty Achievements:

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Bimlesh Kumar Singh:

- "Representation of Global Culture in Amitav Ghosh's The Shadow Line and The Circle of Reason" at National Conference (Online), Sonipat, March 5-7, 2024 (Presented Paper and Chaired Two Technical Sessions)

Dr. Umesh Patra:

- Nurturing Future Leadership Programme under Malaviya Mission Teacher Training Program (MMTTP), IIT Kanpur, March 18-22, 2024 (Participation)
- NEP 2020 Orientation & Sensitization Programme, National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi, February 5-14, 2024 (Participation Online)

Dr. Kalyani Hazri:

- EFLU, Hyderabad, Two Days (Online)

Dr. Deepak:

- "Cultural History in Jayant Mahapatra" at National Seminar on "Poeming the World: Jayant Mahapatra's Contribution to Indian English Poetry," University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh, March 12-13, 2024 (Presenter)
- Malaviya Mission Teacher Training Programme (MMTTP), IIM Jammu, March 18-22, 2024 (Participant)

Projects/Consultancy:

Dr. Umesh Patra (PI):

- Project Title: "A Study of the Rituals and Performative Tradition of Prahlad Nataka in Odisha" (Funding Agency: MGCUC, Motihari, Grants: Rs. 2,00,000, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Deepak (PI):

- Project Title: "Translating Bhojpuri Folk in English: Gorakh Prasad Mastana" (Funding Agency: MGCUC, Grants: Rs. 2 Lakhs, Duration: 24 Months, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Ph.D. Admissions: Jahnvi (2021-23), Jyotsna Priyam (2020-22), Prince Madhav (2021-23), and Ujjwal Kumar (2020-22) got admission in PhD through entrance tests at Prayag Raj University and IIT Mandi (HP) respectively.
- PGT Positions: Satish Kumar (2021-23) and Chandra Prakash Chandan (2021-23) joined as PGTs through the State Level Recruitment test conducted by the BPSC.

Department of Hindi

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Garima Tiwari:

- "Mohan Rakesh Ki Pratinidhi Kahaniyon mein Smwedana ke Wiwidh Swar" in *Journal- Sahitya Megh*, Volume-1, Page-47-50, January 2024, ISSN-2583-5750
- Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Anjani Kumar Shrivastava:

- "Application of Indian Knowledge System" at Two-day National Seminar, RIE Bhubaneswar (Special Guest Lecture, February 16-17, 2024)
- "Indian Language Work Reflection" at Workshop by Indian Languages Committee, Ministry of Education, Government of India (Subject Matter Expert, February 17-18, 2024)
- "Hindi Sahitye ka Rastriya Swar or Jayshankar Prasad ke Natak" at Three Days National Seminar cum Symposium, Bharat Adhyayan Kendra, Banaras Hindu University (Invited Speaker, February 21-23, 2024)
- "Non-fiction Prose of Bharatendu Era" at FDP, M.M.T.T.C.B.R.A.B.U Muzaffarpur (Lectures as Subject Expert, March 16, 2024)
- "Leadership Program" at 5 Days Leadership Program, M.M.T.T.C I.I.T. (ISM) Dhanbad Jharkhand (Participation, March 18-22, 2024)



Dr. Garima Tiwari:

- "Bhartendu Harishchand ka Hindi Sahitya mein Awadan" at Two Days International Seminar on 'Bhartiya Gadya Sahitya ke Sahityakaron evam Samajsudharakon ka Hindi Sahitya mein Awadan', C.K.N.K.H.Hindi Sahitya Samiti Assam (Online Presentation, February 27-28, 2024)

Dr. Shyam Nandan:

- "Swadhinata Andolan Aur Hindi Kavita" at Two Days National Seminar on Bharatiya Swadhinata Andolan mein Bhasha Sahitya aur Sanskriti, Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar (Online Presentation, March 13-14, 2024)
- "New Education Policy Orientation and Sensitization Program" at Workshop by UGC-MMTTC NIEPA, New Delhi (Participation, February 5-14, 2024)
- "Nurturing Future Leadership Program" at Workshop, IIT-Delhi (Participation, March 18-22, 2024)

Dr. Govind Prasad Verma:

- "Sahityashastra Awadharana Kosh" at Five Days Workshop, MGAHV Wardha Maharashtra (Entry Writing, February 26 - March 1, 2024)
- "Swadhinata Andolan mein Sanskriti Chintan" at Two Days National Seminar on Bharatiya Swadhinata Andolan mein Bhasha Sahitya aur Sanskriti, Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar (Online Presentation, March 13-14, 2024)
- "Bhakti Kavita mein Lok Mangal ki Awadharana" at Two Days International Seminar on Bharatiya Sahitya mein Rajdharma evam Manavkalyan, Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar (Online Presentation, March 17-18, 2024)

Dr. Asha Meena:

- "Anamika ka Hindi Sahitya mein Awadan" at Two Days International Seminar on 'Bhartiya Gadya Sahitya ke Sahityakaron evam Samajsudharakon ka Hindi Sahitya mein Awadan', C.K.N.K.H.Hindi Sahitya Samiti Assam (Online Presentation, February 27-28, 2024)

Projects/Consultancy:

Dr. Garima Tiwari (PI):

- Project Title: "Hindi Katha Sahitya aur Mallika: Ek Wishleshan" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Shyam Nandan (PI):

- Project Title: "Champaran Satyagrah Mein 'Pratap' Ki Bhumika" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2

years, Status: Ongoing)

Dr. Govind Prasad Verma (PI):

- Project Title: "Kashiprasad Jaisawal ka Hindi Sahitya ko Pradeya" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Asha Meena (PI):

- Project Title: "Hindi ki Raashtriya Saanskritik Kavyadhara aur Baalkrishan Sharma Naveen" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Bihar Public Service Commission (Teacher Posts): Marisha (Research Scholar), Premkala Yadav (Research Scholar), Pramila Devi (Research Scholar), Prashant Kumar Dwivedi (Research Scholar), Hemant Kumar (Student), Himanshu Kumar (Alumnus), Bikesh Prajapati (Alumnus), Rahul Kumar Dubey (Alumnus), Vivek Kumar Dubey (Alumnus), Kajal Kumari Mishra (Alumnus), Subharti (Alumnus), Smriti (Alumnus), Saif Ansari (Alumnus), Akanksha Bharti (Alumnus)
- 5 alumni and 2 current research students (Vikas Kumar and Awadhesh Kumar) cleared UGC-NET
- Postgraduate student Avinash Kumar appeared for UGC-NET
- Awadhesh Kumar selected for National Fellowship of SC

Departmental Activities:

- Special lecture on folklore by Prof. Rabindranath Srivastava (February 08, 2024)
- First researcher of Hindi Department, Manish Kumar Bharti, awarded PhD degree (February 27, 2024)
- Two-day national seminar on 'Language Literature and Culture in Indian Freedom Movement' (March 13-14, 2024)

Department of Sanskrit

Faculty Achievements:

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Prof. Prasoon Dutta Singh:

- "Democratic Ideas of Dr. B.R Ambedkar" at National Seminar, Deptt. of Political Science, Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga (Invited Talk,)
- "Premchand Sahitye me Bharatbodh" at International Seminar, Department of Hindi, School of Humanities and



कालेन सर्व लभते मनुष्यः । महा.शां.२५.५ उद्योगी मनुष्य समय पर सब कुछ प्राप्त कर लेता है ।

Dr. Shyam Kumar Jha:

- Languages, MGCUB (Invited Talk)
- "Bhartiye Gyanparampara - Sidhant avam Anuprayog" at National Seminar, Dr. Shyamaprasad Mukherjee Viswavidyalaya (Invited Talk)
- "Contemporary Challenges & Opportunities in Psychological Science" at International Conference, Jai Prakash University (Invited Talk)

Dr. Shyam Kumar Jha:

- "National Conference on Global Well-being @ Global Citizenship in the Virtual World" at National Conference, Department of Educational Studies, School of Education, MGCUB Bihar (March 20, 2024)
- "आयुर्वेदशास्त्रमेंवर्णितमानवकल्याण" at International Seminar, Department of Sanskrit, MGCUB Bihar (March 18, 2024)
- "ध्वनिसिद्धान्त" at Special Lecture, Department of Sanskrit, MGCUB Bihar (March 5, 2024)

Dr. Babaloo Pal:

- "Uttarramcharitam mein Rajdharma" at Two-Day International Conference on Bharatiya Sahitya mein Rajdharma evam Manavkalyan, School of Humanities and Languages, MGCUB Motihari (March 17-18, 2024)
- "Global Well-being @ Global Citizenship in the Virtual World" at Two-Day National Conference, Department of Educational Studies, MGCUB Motihari (Distinguished Chairperson, March 20-21, 2024)

Dr. Biswajit Barman:

- "Global Well-being @ Global Citizenship in the Virtual World" at Two-Day National Conference, School of Education, Mahatma Gandhi Central University (Co-Chairperson, March 20-21, 2024)
- "कालिदास साहित्य में राजधर्म एवं मानव कल्याण" at Two-Day International Seminar on 'RAJDHARMA AND HUMAN WELFARE IN INDIAN LITERATURE', School of Humanities and Languages, Mahatma Gandhi Central University (Oral Presentation, March 17-18, 2024)

Projects/Consultancy:

Dr. Shyam Kumar Jha (PI):

- Project Title : "महर्षि वाग्भट्ट द्वारा प्रस्तुत आहार दिनचर्या और ऋतु वर्ष समकालीन सार्वजनिक जीवन में स्वास्थ्य सिद्धान्तों का प्रचार : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" (Funding Agency: ICSSR, Grants: 2.5 Lakh (Sanctioned 5 Lakh), Duration: 1 Year, Status: Ongoing)

Dr. Babaloo Pal (PI):

- Project Title: "Srimadbhagavadgita mein Atma-Sanyam Yoga ka Vaigyanika Samunmilan" (Funding Agency: MGCUB under Research Promotion Scheme, Grants: 1 Lakh (Sanctioned 2 Lakh), Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Biswajit Barman (PI):

- Project Title: "अष्टाङ्गयोग तथा विविधयोग सिद्धान्तों की वर्तमान लोक जीवन में उपयोगिता" (Funding Agency: MGCUB under Research Promotion Scheme, Grants: 1 Lakh (Sanctioned 2 Lakh), Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- BPSC TGT: Nidhi Kumari, Pramod Kumar, Arvind Kumar Tiwari, Sudhansu Kumar

Departmental Activities:

- Special lecture on "ध्वनि सिद्धान्त" by Prof. Rabindranath Srivastava (March 5, 2024)
- Two-day international seminar on 'भारतीय साहित्य में राजधर्म एवं मानव कल्याण' (March 17-18, 2024)
- "आयुर्वेद शास्त्र में वर्णित मानव कल्याण" at International Seminar, Department of Sanskrit, MGCUB Bihar (March 18, 2024)

SCHOOL OF LIFE SCIENCES

Department of Biotechnology

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Prof. Anand Prakash:

- "Coagulation proteases and neurotransmitters in pathogenicity of glioblastoma multiforme" with Tripathy S, Singh S, Banerjee M, Modi DR, Prakash A in *International Journal of Neuroscience*, Vol. 134, Issue 4, Pages 398-408, April 2024, ISSN: 1543-5245

Dr. Brijesh Pandey:

- "The Emergence of N. sativa L. as a Green Antifungal Agent" with Raghvendra Pandey and Atul Bhargava in *Mini-Review in Medicinal Chemistry*, Accepted on 27.02.2024, ISSN: 1389-5575

Dr. Saurabh Singh Rathore:

- "Morin hydrate ameliorates heat-induced testicular impairment in a mouse model" with Rahul Kumar, Vikash Kumar, Guruswami Gurusubramanian, Saurabh Singh Rathore, Vikas Kumar Roy in *Molecular Biology Reports*, Vol. 51, Issue 1, Page 103, January 14, 2024, ISSN: 1573-4978,

Dr. Swati Manohar:

- "Genome-wide Survey of Peptides Containing Tyrosine Sulfation (PSY) Gene Family and Potential PSY Specific miRNA Revealed their Role in Plant Development and Diverse Stress Conditions in Rice (*Oryza sativa* L.)" with
- Mahipal Singh Kesawat et al. in *Plant Stress*, Volume 11,



100412, March 2024, DOI: 10.1016/j.stress.2024.100412,
Corpus ID: 267998805

- "Gasotransmitters signaling and their crosstalk with other signaling molecules under diverse stress conditions in plants" with Prajjal Deya et al. in *South African Journal of Botany*, Vol. 169, Pages 119-133, April 2024, DOI: 10.1016/j.sajb.2024.03.041

Dr. Akhilesh Kumar Singh:

- "Asparagus racemosus leaf extract mediated bioconversion of nickel sulfate into nickel/nickel hydroxide nanoparticles: in vitro catalytic antibacterial and antioxidant activities" with Ashna Parveen, Sashi Sonkar, Thakur Prasad Yadav, Prakash Kumar Sarangi, Akhilesh Kumar Singh, Satarudra Prakash Singh, Rahul Gupta in *Biomass Conversion and Biorefinery*, Vol. 14, Pages 6865-6885, March 2024, ISSN: 2190-6823
- "Reduced graphene oxide-gadolinium oxide-functionalized paper-based immunosensor for electrochemical detection of gentamicin" with Jayendra Kumar, Himanshu, G.B.V.S. Lakshmi, Akhilesh Kumar Singh, Pratima R. Solanki in *Biosensors and Bioelectronics: X*, Vol. 17, 100442, January 19, 2024, ISSN: 2590-1370

Publications other than research papers:

Dr. Swati Manohar:

- Book Chapter: "Role of Gamma Irradiation in Enhancement of Nutrition and Flavor Quality of Soybean" (DOI: 10.5772/intechopen.1003803, February 2024, ISBN: 978-0-85466-382-8)

Dr. Akhilesh Kumar Singh:

- Book Chapter: "Role of protein hydrolysates in plants growth and development" (Elsevier, ISBN: 978-0-443-15884-1, March 29, 2024)
- Book Chapter: "Fermentation Media and Industrial Sterilization Systems" (Astral International, ISBN: 978-93-5461-997-7, February 28, 2024)
- Book Chapter: "Microbial Biomass Production from Biological Processes" (Astral International, ISBN: 978-93-5461-997-7, February 28, 2024)
- Book Chapter: "Primary and Secondary Metabolites from Biological Processes" (Astral International, ISBN: 978-93-5461-997-7, February 28, 2024)

Projects/Consultancy:

Dr. Saurabh Singh Rathore (PI):

- Project Title: "Green synthesis and characterization of Magnesium nanoparticles from *Syzygium cumini*" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Swati Manohar (PI):

- Project Title: "Provitamin A extraction from orange carrot via green methods for development of milk-based fortified products" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Akhilesh Kumar Singh (PI):

- Project Title: "Biogenic Fabrication Characterization and Application-Centric Investigations of Cobalt Metal/ Cobalt Metal Oxide Nanoparticles Utilizing *Adathoda vasica* Plant Leaf Extract" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Motihari Bihar, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

Placements:

- Aaditya Kumar Mishra: MBBS Counselor, Affinity Education Pvt. Ltd.. Kunal Anand: Science Faculty, Delhi Public School Sursand. Kusum Kumari: eCommerce Digital Team, India Noida. Marghoob Zaffar: Medical Scribe, Panasia Noida.

Competitive Exams:

- Vishwajit Kumar: ICAR JRF, Sanskriti Shivani: GATE XL 2024

Department of Botany

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Prof. (Dr.) Shahana Majumder:

- "Whole genome sequence analysis of shallot virus X from India reveals it to be a natural recombinant with positive selection pressure" with J Singh, S Teotia, AK Singh, M Arya, AK Rout, BK Behera, S Majumder in *BMC Genomic Data*, Vol. 25, Issue 1, Page 42, May 2024
- "First report of an alphasatellite associated with banana bunchy top virus from India" with Vikrant and S. Majumder in *Journal of Plant Pathology*, Vol. 106, Page 785, February 2024
- "First report of banana bunchy top virus infecting *Colocasia esculenta* (L.) Schott from India" with Vikrant and S. Majumder in *Journal of Plant Pathology*, Vol. 106, Page 757, February 2024,

Dr. Atul Bhargava:

- "The emergence of *N. sativa* L. as a green antifungal agent" with Pandey R, Pandey B, Bhargava A in *Mini Reviews in Medicinal Chemistry*, Vol. 24, Pages 1521-1534, January 2024



- "Advances in alternative crop production and valorization in salt-affected areas" with Hirich A, Bhargava A in *Frontiers in Plant Science*, Vol. 15, Page 1384030, January 2024

Dr. Ram Prasad:

- "Micro- and nanoplastics in environment: Degradation detection ecological Impact" with Musa IO, Auta HS, Ilyasu US, Aransiolad SA, Makunc HA, Adabarab NU, Abioye OP, Aziz A, Jayanthi B, Maddela NR, Prasad R* in *International Journal of Environmental Research*, Vol. 181, 2024
- "Exploring the interaction effects between common bean cultivars and rhizobia inoculation on plant growth and yield" with Horácio EH, Gavilanes FEZ, Feliciano
- MV, de Moraes JG, Zucareli C, Andrade DS, Maddela NR, Prasad R* in *Journal of Agriculture and Food Research*, 2024
- "Crude oil biodegradation potential of lipase produced by *Bacillus subtilis* and *Pseudomonas aeruginosa* isolated from hydrocarbon contaminated soil" with Abubakar A, Abioye OP, Aransiola SA, Maddela NR, Prasad R* in *Environmental Chemistry and Ecotoxicology*, 2024
- "Degradation of SDS by psychrotolerant *Staphylococcus saprophyticus* and *Bacillus pumilus* isolated from Southern Ocean water samples" with Arora J, Chauhan A, Ranjan A, Rajput VD, Minkina T, Zhumbai AI, Kumari A, Jindal T, Prasad R* in *Brazilian Journal of Microbiology*, 2024
- "Putative role of anti-microbial peptide recovered from *Lactiplantibacillus* spp. in biocontrol activity" with Tiwari I, Bhojiya AS, Prasad R, Porwal S, Varma A, Choudhary DK in *Current Microbiology*, Vol. 81, Page 88, 2024
- "Deciphering the synergistic potential of mycogenic zinc oxide nanoparticles and bioslurry formulation on phenology and physiology of *Vigna radiata*" with Singh A, Hiregoudar S, Chauhan R, Varma A, Prasad R*, Goel A* in *Nanotechnology Reviews*, Vol. 13, 2024
- "Micro and vermicompost assisted remediation of heavy metal contaminated soils using phytoextractors" with Aransiola SA, Josiah IUJ, Abioye OP, Bala JD, Rivadeneira-Mendoza FB, Prasad R, Luque R, Rodríguez-Díaz JM, Maddela NR in *Case Studies in Chemical and Environmental Engineering*, 2024
- "Nanotechnology innovation combined with bacteriocins as emerging strategy for the development of active and intelligent food packaging" with Correia LF, da Silva Pinho G, da Cruz Neves TJ, de Oliveira Vieira KC, Maddela NR, Prasad R, Winkelstroter LK in *Sustainable Chemistry and Pharmacy*, Vol. 39, 2024,

- "Augmenting abiotic stress tolerance and root architecture: The function of phytohormone-producing PGPR and their Interaction with nanoparticles" with Ranjan A, Rajput VD, Prazdnova EV, Gurnani M, Sharma S, Bhardwaj P, Shende SS, Mandzhieva SS, Sushkova S, Minkina T, Chauhan A, Jindal T, Prasad R, Wong MH in *South African Journal of Botany*, Vol. 167, Pages 612-629, 2024
- "Deciphering the role of nanoparticles induced microbial exopolysaccharide in soil amelioration and plant health" with Chauhan R, Rajput VD, Minkina T, Prasad R, Zhu Y, Varma A, Goel A in *Clean Technologies and Environmental Policy*, 2024
- "Leaching approach for β -Glucosidase extraction from fermented rice husk in solid state cultivation by *Aspergillus protuberus*" with Yadav PS, Prasad BVS, Chandra MS, Maddela NR, Prasad R* in *Current Microbiology*, Vol. 81, Page 140, 2024
- "Unveiling the microbial diversity of biofilms on titanium surfaces in full-scale water-cooling plants using metagenomics approach" with Rethinavelu G, Dharshini RS, Manickam R, Balakrishnan A, Ramya M, Maddela NR, Prasad R* in *Folia Microbiologica*, 2024
- "Microbe-pesticide interactions: soil enzyme analysis and bacterial degradation of chlorpyrifos" with Srinivasulu M, Maddela NR, Chandra MS, PCS Rangaswamy V, Prasad R* in *Environmental Chemistry and Ecotoxicology*, 2024,
- "Recovery of filter paperase from mouldy rice husk in solid state fermentation by *Aspergillus protuberus*" with Yadav PS, Prasad BVS, Chandra MS, Srinivasulu M, Maddela NR, Prasad R* in *Current Research in Microbial Sciences*, 2024
- "Exploring the performance of biocatalysts for biohydrogen production" with Pandit C, Kumar M, Kuhad RC, Sharma K, Roy A, Shukla R, Pandit S, Ranjan N, Mishra SK, Prasad R* in *Biocatalysis and Agricultural Biotechnology*, 2024

Publications other than research papers:

Dr. Ram Prasad:

- Edited Book: "Antimicrobial Resistance in Agriculture and Its Consequences" (CRC Press, 2024, ISBN: 9781032215426)
- Edited Book: "Antimicrobials in Agriculture" (CRC Press, 2024, ISBN: 9781032215426)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Ram Prasad:

- "Fungal mediated nanoparticles for food and agricultural sustainability" at GARD-2024 (Global Alliance for Rapid



Diagnostics) (March 14-16, 2024), Michigan State University, USA (Invited Talk)

- "Exploring the relationships of root-fungal biology" at 2nd International Conference on Environmental Pollution Abatement and Disaster Management
- (ICEPADM-2024) (March 28-30, 2024), Swami Keshvanand Institute of
- Technology Management & Gramothan, Jaipur (Keynote Speaker)
- "Exploring the possibility of endophytic fungi for a sustainable approach for plant productivity" at 7th International Conference on Global Approaches in Agricultural Biological Environmental & Life Sciences for Sustainable Future (June 8-10, 2024), DAV College (Tribhuvan University), Lalitpur, Kathmandu, Nepal (Keynote Speaker)

Awards / Honors / Fellowships:

Dr. Ram Prasad:

- Global Scientist Award (in the field of Botany) from Agricultural Technology Development Society (June 8, 2024, International)
- Fellow Member of World Academy of Productive Science, Canada (2024, International)

Student Achievements/Placement:

Ms. Songita Sonowal (Ph.D.):

- Received the Global Young Women Scientist Award (2024) from the Agricultural Technology Development Society during GABELS 2024
- Best Oral Presentation Award (2024) at 7th International Conference on Global Approaches in Agricultural Biological Environment and Life Sciences for Sustainable Future, organized at D.A.V. College, Lalitpur (Tribhuvan University), Kathmandu, Nepal (June 8-10, 2024)

Ms. Shruti Suman (M.Sc.):

- Best Oral Presentation Award (2024) at 7th International Conference on Global Approaches in Agricultural Biological Environment and Life Sciences for Sustainable Future, organized at D.A.V. College, Lalitpur (Tribhuvan University), Kathmandu, Nepal (June 8-10, 2024)

Department of Zoology

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Buddhi Prakash Jain:

- "Functions and Therapeutic Use of Heat Shock Proteins in Hepatocellular Carcinoma" with Paul R., Shreya S.,

Pandey S., Shriya S., Abou Hammoud A., Grosset C.F., Jain BP* in *Livers*, Vol. 4, Pages 142-163, February 2024

- Award: European Association of Cancer Research (EACR) Researcher Development award to the Buddhi Prakash Jain.

Publications other than research papers:

Dr. Preeti Bajpai:

- Book Chapter: "Protein Metabolism and Its Profiling for the Diagnosis of Metabolic Disorders" (Springer Nature, February 2024)
- Book Chapter: "Cytokine Response Against Vaccinia Virus Infection" (Elsevier, March 2024)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Buddhi Prakash Jain:

- "Studying the Role of Unfolded Protein Response Genes in Breast Cancer through mining of the Human Protein Atlas" at All India Cell Biology Conference, ACTREC Mumbai, January 2024 (Poster Presentation)
- "Evaluation of Oxidative Stress Parameters with progression of Breast Cancer" at EACR-AACR-IACR Conference, Dublin Ireland, February 2024 (Poster Presentation)

Dr. Amit Ranjan:

- "Vedic Mantras exhibiting Gamma Oscillation Frequency Attenuates Alzheimer's disease: Combining Traditional and Modern Neurotherapy" at International Conference on Environmental and Society: Traditional and Contemporary Perspectives, Convention Center, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, January 29-30, 2024 (Invited Talk)

Dr Kunda ishor Rajak:

- "Adopt sustainable food systems under summer camps on the theme of Eco clubs for mission life" KVS, Motihari, East Champaran, June 6, 2024 (Invited Talk).
- Importance of bioinoculants such as Rhizobium, Azotobacter, Phosphate solubilizer, Azospirillum, Blue Green Algae, Trichoderma etc, in 46 th batch INM training program at KVK Piprakothi, June 8, 2024 (Invited Talk).
- Practicing Entrepreneur's Success Stories- Common Problems Faced by Entrepreneurs, Entrepreneurship Awareness Camp (EAC), Organized by Dept of Management Science, MGCU; Sponsored by: NSTEDB, DST, Govt. India, May 17-19, 2024 (Invited Talk).

Projects/Consultancy:

Dr. Buddhi Prakash Jain (PI):



Project Title: "Molecular Analysis of Unfolded Protein Response (UPR) during Breast Cancer Progression" (Funding Agency: ICMR, Grants: 20,60,000, Duration: 3 years, Status: Ongoing)

Dr. Kundan Kishor Rajak (PI):

- **Project Title:** "Assessment of Soil Quality Using Earthworm as Bio-indicators" (Funding Agency: MGCUB, Grants: 2 Lakhs, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Sports Achievement:

Dr. Kundan Kishor Rajak

- Runner in Double's (Faculty) Badminton tournament in UMANG-2024, MGCUB.

Student Achievements/Placement:

- **Placements :** Neha Kumari - Technical Assistant, ICMR Agra, Shivani Kumari - Teacher, Bihar Govt., Sonal Mani - Teacher, Bihar Govt., Anupriya - Teacher, Bihar Govt. Shudhanshu Kumar - Teacher, Bihar Govt. Smriti Shreya - Teacher, Bihar Govt., Pawan Kumar - Teacher, Bihar Govt., Raunit Bhargav - Teacher, Bihar Govt., Tarun Kumar - Guest Faculty, BRABU Muzaffarpur, Kiran Kumari - Guest Faculty, BRABU Muzaffarpur, Punit Kumar - Guest Teacher, Bihar Govt., Mitali Kumari - Guest Teacher, Bihar Govt., Vikash Vaibhav - Guest Teacher, Bihar Govt., Ratna Priya - Guest Teacher, Bihar Govt., Bhavya Kumari - Guest Teacher, Bihar Govt., Ruchi Kumari - Guest Teacher, Bihar Govt., Nitu Kumari - Guest Teacher, Bihar Govt., Yanjusha Kumari - Teacher, MS Memorial Public School
- **Competitive Exam Achievements :** Prasant Kumar - CSIR-NET (JRF), Farhat Afza - CSIR-NET (LS), Rahul Rajesh Gupta - CSIR-NET (LS), Prasant Kumar - GATE, Adwitiya Paira - GATE, Priyadarsani Mishra - GATE, Rahul Rajesh Gupta - GATE

SCHOOL OF PHYSICAL SCIENCES

Department of Chemistry

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Rakesh Kumar Pandey:

- "Flexible Linker-based Triazine-functionalized 2D Covalent Organic Frameworks for Supercapacitor and Gas Sorption Applications" with Yogesh Kumar, Ikrar Ahmad, Anuj Rawat, Rakesh K. Pandey, Paritosh Mohanty, and Ravindra Pandey in ACS Applied Materials and Interfaces, Vol. 16, Page 11605, February 2024

Dr. Uttam Kumar Das:

- "Ion pair induced supramolecular assembly for

development of novel pyridine 2, 6 diamide spacer acyl hydrazone-based derivatives for selective sensing of ZnCl₂ and AlCl₃" with Raju Biswas, Pranabendu Das, Manik Das, Soumik Laha, Arijit Bag, Uttam Kumar Das, Bidhan Chandra Samanta, and Tithi Maity in Journal of Photochemistry & Photobiology A: Chemistry, Vol. 452, Page 115594, March 2024

Dr. Anil Kumar Singh:

- "Solvent-free Approaches towards the Synthesis of Therapeutically Important Heterocycles" with Ambarish Priyadarshan, Garima Tripathi, Anil Kumar Singh, Sanchayita Rajkhowa, Abhijeet Kumar, and Vinod Kumar Tiwari in *Current Green Chemistry*, Vol. 11, Issue 2, Pages 127-147, September 2024

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Abhijeet Kumar:

- "Indigenous technologies for Vikshit Bharat" at Seminar under the Sarda Devi Vedalankar Lecture Series, S. M. College Bhagalpur, TMBU Bhagalpur, March 7, 2024 (Invited Talk)

Projects/Consultancy:

Dr. Rakesh Kumar Pandey (PI):

- **Project Title:** "Contact charged surfaces for driving useful surface chemical reactions" (Funding Agency: DST-SERB, Grants: 39,58,812, Duration: 3.5 years, Status: Ongoing)

Dr. Abhijeet Kumar (PI):

- **Project Title:** "Design and development of Pyrazole based soluble epoxide hydrolase (sEH) inhibitor to rescue cholesterol homeostasis: A Search of potential drug candidate for Niemann-pick disease type C" (Funding Agency: ICMR, Grants: 40,36,543, Duration: 3 Years, Status: Ongoing)
- **Project Title:** "Development of environmentally benign methods using Agro-waste based biodegradable and heterogeneous catalysts and solvent for the synthesis of functionalized pyrans and pyrimidines and study of their photophysical studies" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University (MGCUB), Grants: 2,00,000, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Rajanish Nath Tiwari (PI):

- **Project Title:** "The Study of Graphene based transition metal oxide nanocomposites for the treatment of wastewater" (Funding Agency: MGCUB, Grants: 2,00,000, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Anil Kumar Singh (PI):

- **Project Title:** "Synthesis of Phthalimide Based



Functionalized Fused 1,2,4-triazolo-triazepins and 1,2,4-triazoles as novel antimalarial agents targeting Plasmepsins and Falcipains" (Funding Agency: MGCUB, Grants: 2,00,000, Duration: 2 Yaeers, Status: Ongoing)

Dr. Uttam Kumar Das (PI):

- Project Title: "Design and synthesis of Chemo-sensor (Hetero nuclear metal-complex) capable of detecting toxic elements (like fluoride, cyanide, nitrate, SO₂, H₂S, TNT, picric acid, etc.) that pollute water." (Funding Agency: MGCUB, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Awards / Honors / Fellowships:

- Kyoto Institute of Technology (KIT) Visiting Researcher Fellowship 2024: Awarding Body: Kyoto Institute of Technology, Kyoto, Japan, Date of Award: March 14, 2023, International, Accommodation and Living expenses covered

Departmental Activities:

- International Conference on Recent Trends in Chemical Sciences (RTCS), Date: February 28-29, 2024

Department of Physics

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Neelabh Srivastava:

- "Performance optimization study of lead-free CsSnGeI₃ based perovskite solar cell heterostructure with different inorganic electron transport layers: A numerical simulation approach" with Neha Kumari, Rahutosh Ranjan, Nitin Srivastava, Rajanish Nath Tiwari, Arvind Kumar Sharma in *Journal of Physics and Chemistry of Solids*, Vol. 190, Page 112003, March 2024

Dr. Arvind Kumar Sharma:

- "Performance optimization study of lead-free CsSnGeI₃ based perovskite solar cell heterostructure with different inorganic electron transport layers: A numerical simulation approach" with Neha Kumari, Rahutosh Ranjan, Nitin Srivastava, Rajanish Nath Tiwari, Neelabh Srivastava in *Journal of Physics and Chemistry of Solids*, Vol. 190, Page 112003, March 2024

Dr. Pawan Kumar:

- "A Study on Temperature Dependent Dielectric Relaxation Behaviour and Conduction Mechanism of La and Ti co-doped Bismuth Ferrite" with M. Shekhar, A. Kumar, S. Rani, L. Kumar in *Applied Physics A*, Vol. 130, Page 237, March 2024
- "Temperature dependent magnetic and electrical transport properties of lanthanum and samarium substituted nanocrystalline nickel ferrite and their

hyperthermia applications" with S. K. Paswan, S. Kumari, S. Datta, M. Kar, J. P. Borah in *Journal of Alloys and Compound*, Vol. 973, Page 172830, February 2024

- "Effect of Pr and Mn co-substitution on Structural and Optical Properties of Bismuth Ferrite" with S. Rani, M. Shekhar, A. Dev, S. Prasad, M. Kar in *ECS Journal of Solid State Science and Technology*, Vol. 13, Page 014001, January 2024

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Sunil Kumar Srivastava:

- "Fundamentals of Raman Spectroscopy Instrumentations and Applications" at Refresher course in Physics on Advances in Theoretical and Experimental Research in Physical Sciences, Department of Physics, Patna University, Patna, March 10, 2024 (Invited Talk)

Dr. Santosh Kumar Tripathi:

- "Online familiarization Workshop on Nano Sensors and Optoelectronic Devices" at INUP-I2I, IIT Guwahati, February 14-16, 2024 (Workshop)

Dr. Ajay Kumar Gupta:

- "Growth of film of ZnO Nanorods and its Biomedical Application" at Department of Physics, Kakatiya University, Warangal, January 19, 2024
- "Crystal Structure Determination by Rietveld Refinement using Fullprof Suite" at Department of Physics, Kakatiya University, Warangal, January 19, 2024
- "Electrical Transport in Layered Manganites" at Refresher course in Physics on Advances in Theoretical and Experimental Research in Physical Sciences, PG Department of Physics, Patna University, Patna, March 13, 2024 (Invited Talk)

Dr. Sweta Singh:

- "International Conference on Recent Trends in Chemical Sciences (RTCS-2024)" at Department of Chemistry, Mahatma Gandhi Central University, February 28-29, 2024 (Invited Speaker)
- "International Conference on Hydrogen Energy and Advanced Materials (ICHEAM-2024)" at Department of Physics, Banaras Hindu University, Varanasi, April 22-24, 2024 (Invited Speaker)

Projects/Consultancy:

Dr. Neelabh Srivastava (PI):

- Project Title: "Interfacial coupling and defect mediated exchange bias in Cobalt based Heusler alloy thin film heterostructures for Spintronics:



न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते । गीता.३.३८
इस संसार में ज्ञान से अधिक कोई भी पवित्र वस्तु नहीं है ।

Structural magnetic and spin-dependent transport study" (Funding Agency: Inter University Accelerator Centre (IUAC), New Delhi, Grants: Rs. 515533, Duration: 3 Years, Status: Completed)

- Project Title: "Investigations on magnetism and spin-polarized magnetotransport behaviour in half-metallic oxide ferromagnets and Heusler alloys for spintronic applications" (Funding Agency: UGC-DAE CSR, Indore, Status: Ongoing)
- Project Title: "Structural electronic and magnetic properties of half-metallic ferromagnets: An Experimental and First-principles calculations" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari (Bihar), under Research Promotion Scheme, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Sweta Singh (PI):

- Project Title: "Greener approach towards the Synthesis of Ultra-light Porous Carbon Nanomaterial and its application in wastewater treatment" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari (Bihar), under Research Promotion Scheme, Grants: Rs. 200000, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Arvind Kumar Sharma (PI):

- Project Title: "Synthesis and Characterization of Chalcogens-Based Multi-component Semiconducting Materials for Phase Change Optical Memory Application" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari (Bihar), under Research Promotion Scheme, Grants: Rs. 200000, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Dr. Pawan Kumar (PI):

- Project Title: "Design of High-Performance Nanocomposite-Based Supercapacitors Utilizing Double Perovskite Materials" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University, Motihari (Bihar), under Research Promotion Scheme, Grants: Rs. 200000, Duration: 2 Years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- **Ph.D. Positions:** Hemant Kumar (MGCU2021PHYS4008): Department of Physics, Birla Institute of Technology and Science (BITS), Pilani campus, Rajasthan, Ph.D. Program. Also selected for Ph.D. positions at Kyung Hee University (Nano Energy Device Laboratory), Global Campus, South Korea, Central University of Rajasthan (Project/Ph.D.), Sharda University, Greater Noida (Project/Ph.D.), and Pondicherry University, Nano Science Department

(Project/Ph.D.), Santosh Kumar (MGCU2021PHYS4022): Ph.D. (IIT Patna)

- GATE Examination Qualified: Raju Kumar (MGCU2021PHYS4018), Santosh Kumar (MGCU2021PHYS4022), PriyarRanjan Kumar (MGCU2021PHYS4017)
- Awards: Amod Kumar (MGCU2021PHYS4002, M.Sc. Physics batch 2021-23): DST Inspire fellowship. Selected for NSTC International Internship Pilot Program, Taiwan.

Departmental Activities:

- Hands-On-Training on "DFT Modelling of Materials for Different Applications" One-day Workshop: Date: March 15, 2024

Department of Mathematics

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

- Dr. Kanchan Singh, Dr. Ritesh Kumar Pathak, Dr. Sheo Kumar Singh : "Linear codes associated to determinantal varieties in the space of Hermitian matrices" in Designs, Codes and Cryptography (Volume 92, pages 1619-1635, March 5, 2024)
- Dr. Amitabh Gyan Ranjan, Dr. Sudesh Kumar, Dr. Pravin Kumar, Dr. Rajesh Prasad: "Analysis of the crack problem under unified generalized thermoelasticity" in Mechanics of Advanced Materials and Structures (DOI: <https://doi.org/10.1080/15376494.2342577>, April 24, 2024) "On uniqueness and Somigliana theorem for thermoelasticity theory" in Journal of Thermal Stresses (DOI: <https://doi.org/10.1080/01495739.2024.2358013>, June 13, 2024)
- Dr. Pravin Kumar, Dr. Roushan Kumar, Dr. Rajesh Prasad: "Thermoelastic damping of micromechanical resonators based on Quintanilla theory" in International Journal of Structural Stability and Dynamics (DOI: <https://doi.org/10.1142/S0219455425501299>, June 28, 2024)
- Dr. Pravin Kumar, Dr. Rajesh Prasad: "An investigation of the thermomechanical effects of mode-I crack under modified Green-Lindsay theory" in Archive of Applied Mechanics (DOI: <https://doi.org/10.1007/s00419-024-02662-x>, July 28, 2024)
- Dr. Pravin Kumar, Dr. Rajesh Prasad, Dr. Varun Kumar, Dr. Amitabh Gyan Ranjan: "Some basic theorems on the modified Green-Lindsay model of



linear generalized thermoelasticity" in *Waves in Random and Complex Media* (DOI: <https://doi.org/10.1080/174550302024.2391499>, August 19, 2024)

Departmental Activities:

- The Department of Mathematics organized the "International Conference on Advances in Mathematical Sciences (ICAMS-2024)" held at MGCU on March 19-20, 2024.

SCHOOL OF SOCIAL SCIENCES

Department of Economics

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Kailash Chandra Pradhan:

- "Investigating the relationship between economic growth energy consumption and carbon dioxide (CO₂) emissions: a comparative analysis of South Asian nations and G-7 countries" with Mishra B. & Mohapatra S.M. in *Clean Technologies Environmental Policy*, Springer, March 2024
- "An Empirical Analysis of Causal Nexus Between Higher Education and Economic Growth in BRICS Countries" with Mussaiyib A.M. in *Transnational Corporations Review Elsevier*, March 2024
- "Institutional Quality and Economic Performance: A Study of Asian Countries" with Alfa Rani Nayak in *Millennial Asia Sage*, March 2024

Mr. Bidhubhusan Mishra:

- "Investigating the relationship between economic growth energy consumption and carbon dioxide (CO₂) emissions: a comparative analysis of South Asian nations and G-7 countries" with Kailash Chandra Pradhan & Mohapatra in *Clean Technologies Environmental Policy Springer*, March 2024

Dr. Irsad:

- "Employer Perception on Graduate Employability: Evidence from Uttar Pradesh" in *International Journal Education Economics and Development*, March 2024
- "Microfinance Institutions: Evidence from Bundelkhand" in *Economic & Political Weekly*, Volume 11, Pages 57-63, March 2024

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Kailash Chandra Pradhan:

- "Panel Regression Models" at Four Days Workshop on

Qualitative and Quantitative Methods, MGCU Motihari, March 17-20, 2024 (Invited Talk/Resource Person)

- "Panel Unit Root co-integration Panel ARDL model" at Four Days Workshop on Qualitative and Quantitative Methods, MGCU Motihari, March 17-20, 2024 (Invited Talk/Resource Person)
- "Data Analysis using SPSS" at Four Days Workshop on Qualitative and Quantitative Methods, MGCU Motihari, March 17-20, 2024 (Invited Talk/Resource Person)

Mr. Bidhubhusan Mishra:

- "Role of Gender in Determining the Allocation of Time in Indian Economy" at National Seminar on Viksit Bharat @2047: Economic & Management Challenges, Central University of Odisha Koraput, March 27-28, 2024 (Online Presentation)
- "Unit Root VAR and Cointegration Test using Stata" at ATAL FDP on "Econometric Tools and Techniques for Research", Medi-caps University Indore, January 8-13, 2024 (Invited Talk/Resource Person)

Mr. Ram Lal Bagaria:

- "Dynamics of Social Interactions in Virtual Learning: A Learners' Perspective in Indian Higher Education" at 10th International Communication Management Conference (ICMC 2024), MICA Ahmedabad, January 18-20, 2024 (Paper Presentation)
- "Insights into Faculty-Student Interactions and Feedback in Virtual Learning within Higher Education in India" at 10th International Communication Management Conference (ICMC 2024), MICA Ahmedabad, January 18, 2024 (Paper Presentation)
- "Exploring Student Engagement Patterns in Immersive Learning versus Traditional Learning: A Comparative Analysis in Higher Education" at 10th International Communication Management Conference (ICMC 2024), MICA Ahmedabad, January 18, 2024 (Online Presentation)

Projects/Consultancy:

Mr. Bidhubhusan Mishra (PI):

- Project Title: "A Study Productivity: Revisiting the Productivity Gain in Rural Bihar" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Motihari, Grants: 2 Lac, Duration: 2 Years, Status: New Project)

Mr. Ram Lal Bagaria (PI):

- Project Title: "Understanding Informal Trade Dynamics between India and Nepal: A Primary Survey Investigation" (Funding Agency: Mahatma Gandhi Central University Motihari, Grants: 2 Lac, Duration: 2 Years, Status: New Project)

Student Achievements/Placement:



Placements:

- Alfa Rani Nayak: Lecturer in Economics, B.N.M.A. College, Paliabandha Bhadrak Odisha (Selected through State Selection Board Odisha), 2023-24
- Azharuddin Mohammad Mussaiyib: Assistant Professor, Department of MBA, Allen House Institute of Management, Kanpur, 2023-24
- Khushboo: Auditor, Department of Panchayat Raj, Bihar, 2023-24
- Nidhi Kumari: Assistant Planning Officer/Assistant Director, Department of Planning and Development, Bihar, 2023-24
- Shanu Kumar: Assistant Professor, Amity University, Patna, 2023-24
- Vishesh Mishra: Assistant Professor, Lloyd Business School, Greater Noida, 2023-24
- Lokesh Paney: PGT, BPSE Bihar, 2023-24
- Shubham Kumar: Political Analyst, CMO Govt of Andhra Pradesh (Adhoc), 2023-24
- Anjali Kumari: Teacher in Primary School, Bihar Public Service Commission, 2023-24
- Sabita Kumari: Teacher in Primary School, Bihar Public Service Commission, 2023-24
- UGC-NET Qualified: 3 Students Qualified UGC-NET, 1 Qualified NE-SLET

Departmental Activities:

- Organized Four Days Workshop on Qualitative and Quantitative Methods from March 17-20, 2024

Department of Gandhian and Peace Studies

Faculty Achievements:

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Jugal Kishor Dadhich:

- "Environmental Challenges and Conservation" at National Conference, Sri B.R. Mirdha Govt. College, Nagaur, Rajasthan, January 24, 2024 (Online Presentation)
- "Relevance of Non-Violence in the Contemporary World" at Symposia, J.V.B.I., Ladnun, Rajasthan, January 30, 2024 (Resource Person)
- "Use and Misuse of Gandhian ways of Conflict Resolution" at International Seminar, J.V.B.I., Ladnun, Rajasthan, February 23-24, 2024 (Resource Person)

- "Role of Public Policy in Indian Administration" at National Seminar, M.J.K. Mahavidyalaya, Bettiah, March 5, 2024 (Resource Person)
- "Imagining Gandhian Philosophy of Social Change in Viksit Bharat: Challenges and Prospects" at National Seminar, M.G.C.U., Motihari, Bihar, March 15-16, 2024 (Convenor)

Dr. Aslam Khan

- "Relevance of Non-Violence in the Contemporary World" at Symposia, J.V.B.I., Ladnun, Rajasthan, January 30, 2024 (Resource Person)
- "Changing Dimensions of India's Strategic Doctrine" at National Seminar, D.S. College, Aligarh, April 6-7, 2024 (Resource Person)
- "Pakistan-Afghanistan Border Issues and Changing Regional Dynamics of South Asia" at International Conference, Asia Pacific Peace Research Association, March 7-10, 2024 (Resource Person)
- "Indian Diaspora as an Agent of Socio-Cultural Bond in India-Ethiopia Relations" at International Conference, FANS and Delhi University, March 5, 2024 (Resource Person)
- "India's Neighbourhood First Policy" at National Seminar, Department of Defence Studies, D.S. College, Raja Mahendra Pratap University, Aligarh, U.P.,

Ambikesh Kumar Tripathi:

- "Youth: Today and Tomorrow" at Department of Economics, YRC and Women Cell, RKSD College, Kaithal, Haryana, January 12, 2024 (Resource Person)
- "Gandhian Philosophy: A Multidisciplinary Approach" at Career Counselling Cell and Department of Political Science, Government College, Kotabag, Nainital, Uttarakhand, February 6, 2024 (Resource Person)
- "Human Trafficking as a Threat to Regional Stability: Implications for India-Nepal Relations" at Distinguished Lecture, Hiralal Ramniwas PG College, Khalilabad, Sant Kabir Nagar, Uttar Pradesh, February 9, 2024 (Resource Person)
- "India's Foreign Policy: Indo-Pacific Region" at Session Chaired, Digvijaynath PG College, Gorakhpur, Uttar Pradesh, March 19, 2024 (Session Chaired)
- "अहिंसक अर्थिक एवं संधारणीय विकास: ग्रामीण-पुनर्निर्माण का गांधीय विकल्प" at राष्ट्रीय संगोष्ठी, मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन, March 21, 2024 (शोध-पत्रप्रस्तुति)

Abhay Vikram Singh:

- "भारतीय प्रशासन में लोकनीति" at राष्ट्रीय संगोष्ठी, महारानी जानकी कुंवर महाविद्यालय, बेतिया, March 5, 2024 (Resource Person)



Projects/Consultancy:

- :Project Title: "भारत के विकास में राजनीतिक दलों की कार्यपद्धति से जुड़े नूतन विमर्श: (2014 से 2024 तक) का विश्लेषणात्मक अध्ययन" (Funding Agency: महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार, Grants: Rs. 2 lakh, Duration: 2 Years, Status: Ongoing) February 17, 2024 (Resource Person)

Department of Political Science

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Narendra Singh:

- "Political Consultants and Election Campaigning in India: Emergence Activities and Democratic Concerns" with Ashutosh Anand in *The Indian Journal of Political Science*, Vol. LXXXV No. 1, January-March 2024

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Narendra Kumar Arya:

- "Imagining Viksit Bharat: Alternative Visions and Ideas" at Two-day national seminar on "Imagining Gandhian Philosophy of Social Change in Viksit Bharat: Prospects and Challenges," Department of GPS and Department of Social Work, MGCUB, March 15-16, 2024 (Coordinator Plenary Session and Invited Talk)

Dr. Narendra Singh:

- "Research Methodology course for Young Social Science Faculty Members" at Two-week Capacity Building Programme, Department of Economics, Chaudhary Charan Singh University, Meerut (U.P.), January 11-22, 2024 (Participation)
- "Democracy in the Context of Indian Constitution" at Tilak School of Journalism & Mass Communication, Ch. Charan Singh University, Meerut (U.P.), January 24, 2024 (Invited Talk)
- "National Education Policy 2020 & Higher Education" at Shatakshi College of Education, Chitwana Sherpur, Meerut, March 7, 2024 (Invited Talk)
- "आभासीदुनियाऔरवैश्विककल्याण" at Two-Day National Conference on 'Global Well-Being @ Global Citizenship in the Virtual World,' Department of Educational Studies, School of Education, Mahatma Gandhi Central University, Motihari, March 20-21, 2024 (Co-Chairperson and Lecture)
- " भारतीयज्ञानपरम्परापरशिक्षकप्रशिक्षण" at Workshop, Department of Political Science, Ch. Charan Singh University, Meerut in collaboration with Indian Political Science Association (IPSA), March 29-30, 2024 (Participation)

Organised Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

- Two days National Seminar on "Viksit Bharat@2047: A Pathway to Ramrajya" organized by Department of Political Science, Mahatma Gandhi Central University, Motihari, March 19-20, 2024

Projects/Consultancy:

Dr. Sarita Tiwari (PI):

- Project Title: "Assessment of PM Ujjwala Yojana in East-Champaran District of Bihar: An SDGs Perspective" (Funding Agency: ICSSR, New Delhi, Grants: Rs. 14,00,000, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Pankaj Kumar Singh (PI):

- Project Title: "Feasibility of One Nation One Election in Indian context" (Funding Agency: MGCUB Motihari, Grants: Rs. 2,00,000, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Om Prakash Gupta (PI):

- Project Title: "BJP's OBC Outreach in Bihar: A study of Political Alliances Socio-Economic initiative and Voter Dynamics" (Funding Agency: MGCUB, Seed Project, Grants: Rs. 2,00,000, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Dr. Prerana Bhaduli (PI):

- Project Title: "Regional Power Shifts in Indian Ocean: Implications for India in the face of growing Chinese presence" (Funding Agency: University Seed Money, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Jacky (Ph.D., 2021): BPSC Teacher

Departmental Activities:

- Two days National Seminar on "Viksit Bharat@2047: A Pathway to Ramrajya" organized by Department of Political Science, Mahatma Gandhi Central University, Motihari, March 19-20, 2024

Department of Social Work

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Anupam Kumar Verma:

- "Empowering Women: A Study of the Impact on Political Awareness through Participation in SHGs" in *Social Work Chronicle*, Volume 13, Issue 1, 2024

Publications other than research papers:



जुष्टो दमूना अतिथिर्दुरोणे । ऋक्.५.४.५ संयमी अतिथि का घर पर स्वागत सत्कार करना चाहिए ।

Dr. Rashmita Ray:

- Book Chapter: "Education in Pandemic: Challenges faced by the Indian education system" in *Children and Scars of COVID-19 Pandemic in India: Issues and Challenges* by Dutta A. and Jojo B. (Routledge, 2024, ISBN: 97-81-032287560)

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Rashmita Ray:

- "Made by Bharat for the Global Market – Tracing Gandhi's Footprints for an Atmanirbhar and Viksit Bharat" at National Seminar on "Imagining Gandhian Philosophy of Social Change in Viksit Bharat: Challenges and Prospects," MGCU Motihari, Bihar, March 15-16, 2024 (Paper Presentation, Online)

Dr. Upmesh Kumar:

- "Gandhian Social Work: A Move towards the Social Change" at National Seminar on "Imagining Gandhian Philosophy of Social Change in Viksit Bharat: Challenges and Prospects," MGCU Motihari, Bihar, March 15-16, 2024 (Paper Presentation, Online)

Dr. Anupam Kumar Verma:

- "Yoga and Spirituality: Insights from Bharatiya Knowledge System" at International Conference, Centre for Health Culture and Personality Development, Central University of Gujarat, February 1-3, 2024 (Online Presentation)
- "Harmonizing Heritage and Progress: The New Education Policy and The Revival of India's Knowledge Tradition" at National Seminar, DAV College for Women, Ferozepur Cantt, February 10-11, 2024 (Online Presentation)
- "On the Margins: Exploring the Experiences of Out-of-School Oraon Children in Bihar and Jharkhand" at National Seminar, A.N.D. Teachers Training (P.G.) College, Sitapur (UP), Sponsored by ICSSR New Delhi, February 18-19, 2024 (Online Presentation)
- "Women Empowerment through SHGs: Revisiting Gandhian Perspectives on Gender Equality" at National Seminar, Department of Gandhian and Peace Studies and Department of Social Work, MGCU Motihari, March 15-16, 2024 (Oral Presentation)

- "Viksit Bharat@2047: A Pathway to Ramrajya" at National Seminar, Department of Political Science, MGCU Motihari, March 19-20, 2024 (Invited Talk)
- "Contextualization of Global Citizenship Education in Indian Educational Scenario" at National Conference, Department of Educational Studies, School of Education, MGCU Motihari, March 20-21, 2024 (Invited Talk)

Projects/Consultancy:

Dr. Rashmita Ray (PI):

- Project Title: "Assessment of PM Ujjwala Yojana in East-Champaran District of Bihar: An SDGs Perspective" (Funding Agency: ICSSR New Delhi, Grants: Rs. 14,00,000, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Vivek Raj (2020-2022): CSR Executive at Power GRID Corporation of India
- Gul Afsana Parveen (2021-2023): Gandhian Fellowship
- Nikita Kashayap (2021-2023): Administrative Assistant, Tata Cancer Hospital, Muzaffarpur, Bihar
- Rahul Kumar (2021-2023): Executive Officer (EO), I-PAC Bihar office (Project - Jan Suraj Padyatra)
- Richa Gupta (2021-2023): Aga Khan Rural Support Program, Muzaffarpur
- Shalini Shakshee (2021-2023): Gandhian Fellowship
- Sonu Kumari (2021-2023): Patient Assistant, BCH & RC Muzaffarpur
- Mohit Kumar (2022-2024): Gandhian Fellowship

Departmental Activities:

- Two-Day Seminar: "Imagining Gandhian Philosophy of Social Change in Viksit Bharat: Challenges and Prospects" organized by The Department of Gandhian and Peace Studies and the Department of Social Work, March 15-16, 2024
- Two-Day Workshop: "Field Work Capacity Building" Workshop organized by the Department of Social Work under the Chairmanship of Prof. Sunil Mahawar, Dean, School of Social Sciences in collaboration with Buniyaad Kendra Saksham, East Champaran, Govt. of Bihar for the Paramedical Staff, January 11-12, 2024



Department of Sociology

Faculty Achievements:

Research Papers Publications:

Dr. Sujit Kumar Choudhary:

- "Status of Implementation of Mid-Day Meals Scheme: A Study of Tribal Children in Jharkhand" in *Management and Finance Bulletin*, Issue No. 1, Vol. 2, Pages 1-6, January-June 2024
- "Implementation of RTE Unaided Private Schools: A Study of Tribals of Jharkhand" in *International Journal for Multidisciplinary Research*, Issue No. 2, Vol. 6, Pages 1-6, March-April 2024

Presentations in Webinar / Seminars / Conferences / Workshops / Symposia / Talks:

Dr. Sujit Kumar Choudhary:

- "Theory Methods and Techniques" at 4 Days Workshop on Quantitative and Qualitative Methods, Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar, March 18, 2024 (Invited Talk)

Mritunjay Kumar Yadavendu:

- "Land Culture and Development" at Living Traditions of the Indian Performing Arts, SAA/JNU, February 5, 2024 (Invited Talk)
- "Patriarchy and Caste in Bhikhari Thakur's Literary Work: Sociological Explorations" at International Seminar, SL/JNU, February 22, 2024 (Oral Presentation)
- "Gandhian Ethics" at National Seminar, S.M. College, TBU, January 20, 2024 (Chair/Special Talk)
- "Science and Society" at Motivational Lecture, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Piparakothi, Motihari, January 6, 2024 (Invited Talk)
- "Education and Society" at Motivational Lecture, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Piparakothi, Motihari, January 13, 2024 (Invited Talk)
- "Scientific Temperament Constitution and Indian Society" at Motivational Lecture, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Piparakothi, Motihari, February 16, 2024 (Invited Talk)
- "Nari Shakti" at Keynote Address, Nehru Yuva Kendra, East Champaran, March 8, 2024 (Resource Person)

Projects/Consultancy:

Dr. Sweta (PI):

- Project Title: "An Anthropological Study of the Motijheel in Motihari Bihar: Policies and Prospects for the Sustainable Rejuvenation" (Funding Agency: MGCU, Grants: Rs. 2 lakhs, Duration: 2 years, Status: Ongoing)

Student Achievements/Placement:

- Ms. Dipika Kumari: Selected as a teacher of Sociology in the 10 + 2 school through BPSC Patna

Departmental Activities:

- Organized Workshop on Qualitative and Quantitative Methods for 4 Days by the Department of Sociology in collaboration with the Department of Economics, MGCU from March 17-20, 2024



Administrative Building, Raghunathpur



आ वाजं वाजिनो अगमन् । साम४३५
पुरुषार्थी लोग ही ऐश्वर्य को प्राप्त करते हैं ।



महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
प्रथम दीक्षान्त समारोह
१९ अक्टूबर २०२३

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
भारत की माननीय राष्ट्रपति

विशिष्ट अतिथि

श्री राजेंद्र विश्वनाथ आलंकर
माननीय राज्यपाल, बिहार

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार

श्री राधामोहन सिंह
माननीय सांसद, पूर्वी चम्पारण

पद्मश्री डॉ. महेश शर्मा
माननीय कुलाधिपति

प्रो. संजय श्रीवास्तव
माननीय कुलपति







Bust of Bapu at Gandhi Bhawan

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय Mahatma Gandhi Central University

मोतिहारी, जिला-पूर्वी चंपारण, बिहार 845401 | Motihari, District - East Champaran, Bihar - 845401

www.mgcub.ac.in

✕ [@MGCUBihar](https://twitter.com/MGCUBihar) f [@MGCUB2016](https://facebook.com/MGCUB2016)

▶ [@mahatmagandhicaluniver1088](https://youtube.com/mahatmagandhicaluniver1088)